हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- 971 से अधिक लोग घायल
- 10 हजार से अधिक मौतों की आशंका
- देश में इमरजेंसी घोषित की गई

वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप

164 की मौत

'ढह' गई राजधानी

40 सेकंड के अंतराल पर 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो बड़े झटके, 60 सेकंड तक हिलती रही राजधानी कराकास

एजेंसी ▶▶ कराकास/नई दिल्ली

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए लगातार दो शक्तिशाली भूकंपों ने भीषण तबाही मचाई है। बुधवार को देश के उत्तरी तट के पास महज 40 सेकंड के अंतराल पर 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो बड़े झटके महसूस किए गए। इस आपदा में अब तक आधिकारिक तौर पर 164 लोगों की मौत हो चुकी है और 971 से अधिक लोग घायल हैं। हालांकि, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने आशंका जताई है कि मलबे और भारी नुकसान को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा 10,000 के पार जा सकता है।

भूकंप का केंद्र राजधानी कराकास के पश्चिम में याराकुय राज्य में था, लेकिन इसके भीषण झटके पूरे मध्य और पश्चिमी वेनेजुएला में महसूस किए गए। कराकास में कई बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। दीवारों के गिरने से चारों तरफ धूल का गुबार छा गया और लोग जान बचाने के लिए सड़कों पर भागते नजर आए। आपदा ▶▶ शेष पेज 5 पर

भूकंप से डरे जान बचाकर भागते लोग

गूगल ने पहले ही जारी किए अलर्ट?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गूगल ने अपने एंड्रॉइड अर्थक्वेक अलर्ट्स सिस्टम के जरिए वेनेजुएला के लोगों को विनाशकारी भूकंप के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले ही चेतावनी दे दी थी। गूगल ने दरअसल भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की थी, बल्कि उसने भूकंप के शुरुआती संकेतों को बहुत तेजी से डिटेक्ट करके यह अलर्ट भेजा था। यह पूरी प्रणाली तकनीक और विज्ञान के इस दिलचस्प तालमेल पर काम करती है।

वेनेजुएला को हर संभव सहायता देने के लिए तत्पर भारत, पीएम ने जताई संवेदनाएं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप की वजह से हुए जानमाल के भारी नुकसान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हृदयविदारक प्राकृतिक आपदा को लेकर न केवल पीड़ित परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। बल्कि यह भी कहा है कि मुश्किल की इस घड़ी में भारत वेनेजुएला को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर और तैयार है। एक्स पर गुरुवार को की गई अपनी एक पोस्ट के माध्यम से पीएम ने यह जानकारी दी है। यहां ध्यान देने वाली एक बात यह भी है कि इस भीषण प्राकृतिक आपदा से लगभग 18 दिन पहले वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज अपने एक वृहद प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली आई थीं। जिसमें उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई थी। दोनों शीर्ष नेताओं ने बैठक में आपसी संबंधों तथा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर सहमति जताई थी।

- *भारतीय वायुसेना के विशालकाय मालवाहक विमान से जल्द भेजी जाएगी राहत सामग्री*
- *भारत चलाएगा सर्वाधिक दूरी पर मानवीय सहायता भेजने का पहला महत्वपूर्ण अभियान*

प्रधानमंत्री की पोस्ट का सार: पीएम ने अपनी पोस्ट में वेनेजुएला में आए भयंकर भूकंप के कारण हुए विनाश को लेकर कहा कि मैं, भारत की तरफ से गहरा शोक व्यक्त करता हूं। साथ ही संकट की इस समय पर भारत की तरफ से तत्परता के ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ईपीएफओ का पोर्टल 3 दिन के लिए बंद

नई दिल्ली। ईपीएफओ एक बड़े सिस्टम माइग्रेशन के चलते अपने ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग पोर्टल को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया है। जारी नोटिस के मुताबिक, मेंबर पोर्टल, एम्प्लॉयर पोर्टल और उमंग एप पर सेवाएं 26 जून 2026 की रात 12:00 बजे से 28 जून 2026 की रात 11:59 बजे तक बंद रहेंगी। ये सभी सेवाएं 29 जून 2026 से दोबारा सुचारू रूप से शुरू होंगी। इस अपग्रेडेशन के बाद यूजर्स को पहले से तेज और सुरक्षित सर्विस मिलेगी।

सोशल मीडिया में मचे घमासान के बीच विदेश मंत्रालय ने पुन: तथ्यों को किया स्पष्ट

मोदी सरकार ने 12 साल में नहीं बदली नीति 1967 के कानून मुताबिक पासपोर्ट-यात्रा दस्तावेज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पासपोर्ट किसी भी व्यक्ति के लिए विदेश यात्रा करने का सिर्फ एक दस्तावेज मात्र है। जिसे किसी भी सूरत में नागरिकता के प्रमाण के रूप से पेश नहीं किया जा सकता है। विदेश मंत्रालय द्वारा बीते बुधवार को पासपोर्ट सेवा दिवस-2026 के अवसर पर की गई इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया में छिड़े घमासान के बीच गुरुवार को एक बार फिर से मंत्रालय ने मामले पर पूरी स्थिति को तथ्यों और उदाहरण के साथ दो टूक अंदाज में साफ कर दिया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पासपोर्ट कभी भी नागरिकता का प्रमाण नहीं रहा है। इस संबंध में मोदी सरकार ने बीते 12 वर्षों में न तो कोई नया निर्णय लिया है और न ही पुराने नियम कायदों में कोई बदलाव किया है। 1967 का पासपोर्ट अधिनियम और वर्ष 2013 में आया बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला आज भी जस का तस बरकरार है।

- एक्स पर पोस्ट से कपिल सिब्बल, महुआ मोइत्रा और जावेद अख्तर ने साधा सरकार पर निशाना
- सरकार ने बढ़ाई पासपोर्ट बनाने की फीस, 1 जुलाई से होगी लागू

कपिल सिब्बल की पोस्ट पर मचा बवाल

दरअसल सोशल मीडिया में यह पूरा मामला राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल की उस एक्स पोस्ट के बाद सामने आया। जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हुए विदेश मंत्रालय के बयान का उल्लेख किया। सिब्बल के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के 24 जून के बयान के हिसाब से पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज से और ज्यादा कुछ नहीं है। ऐसे में यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। तो फिर नागरिकता का प्रमाण कौन सा दस्तावेज है? इस लिहाज से देखें तो बीएलओ भी मेरी नागरिकता पर शक कर सकता है और मुझे वोट देने से वंचित कर सकता है। नतीजा ▶▶ शेष पेज 5 पर

कानूनन गैर-नागरिक को जारी होता पासपोर्ट

सूत्रों ने बताया कि 1967 के पासपोर्ट अधिनियम के हिसाब से अगर सरकार को लगता है कि ऐसा करना जनहित में जरूरी है। तो वह किसी भी ऐसे व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है या करवा सकती है जो भारत का नागरिक भी नहीं है। विदेश मंत्रालय ने वर्ष 2013 में आए बॉम्बे उच्च न्यायालय के एक निर्णय का जिक्र करते हुए कहा कि अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि पासपोर्ट होने से ही किसी व्यक्ति को भारतीय नागरिक नहीं माना जा सकता है। साथ ही इसे नागरिकता के प्रमाण के रूप में भी पेश नहीं किया जा सकता है।

पहले खारिज हुआ था आधार कार्ड

यहां बता दें कि चुनाव आयोग की एसआईआर से संबंधित मतदाता सूची में संशोधन को लेकर हुई सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि आधार कार्ड नागरिकता का एक पुख्ता प्रमाण नहीं है। यह केवल एक ▶▶ शेष पेज 5 पर

कल से सेशेल्स की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर रहेंगे प्रधानमंत्री मोदी

27 से 29 जून तक का होगा यह दौरा, राष्ट्रपति हर्मिनी ने किया पीएम को आमंत्रित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक स्तर पर मौजूद चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह शनिवार से सेशेल्स की तीन दिवसीय (27 से 29 जून तक) राजकीय यात्रा पर रहेंगे। जिसके लिए उन्हें हिंद महासागर के इस अहम द्वीपीय देश के राष्ट्रपति डॉ.पैट्रिक हर्मिनी ने विशेष रूप से आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि यह प्रधानमंत्री की सेशेल्स की राजकीय यात्रा होगी। जिसमें वह अपने तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सेशेल्स के स्वतंत्रता दिवस समारोह (29 जून) में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। पूर्व में वर्ष 2015 में भी पीएम ने सेशेल्स की यात्रा की थी। जिसमें भारत के इस मित्र देश के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन में नौसेना के दो युद्धपोतों के साथ भारतीय सशस्त्र सेनाओं का एक दस्ता भी शामिल हुआ था। गौरतलब है कि सेशेल्स को 29 जून 1976 को ब्रिटेन से आजादी मिली थी। तब से हर साल वह 29 जून को अपना स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़ी धूमधाम से मनाता है।

यह रहेगा पीएम का कार्यक्रम: मंत्रालय ने बताया कि इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ एक उच्च-स्तरीय वार्ता होगी। जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े विभिन्न ▶▶ शेष पेज 5 पर

बांग्लादेश के लोगों को 28 जून से मिलेगा भारत का पर्यटक वीजा

- बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने की यह महत्वपूर्ण घोषणा
- पीएम तारिक रहमान के सलाहकार के दिल्ली हवाईअड्डे से लौटने की घटना पर उखड़ा बांग्लादेश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर से बांग्लादेश के लोगों के लिए पर्यटक वीजा की सुविधा को बहाल करने का बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 28 जून से इसकी शुरुआत होगी। जिसके लिए शुरुआत में सामान्य बांग्लादेशी नागरिक पांच केंद्रों (राजधानी ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना) से आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी गुरुवार को बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद ▶▶ शेष पेज 5 पर

राम मंदिर चंदा चोरी मामला

टिन्नू यादव समेत 8 लोगों पर एफआईआर, सभी हिरासत में

- राम मंदिर दान घोटाले पर बड़ा एक्शन, सभी नामजदों से पूछताछ तेज
- चंदा गबन मामले में शिकंजा कसना शुरू, जल्द हो सकती हैं बड़ी गिरफ्तारियां

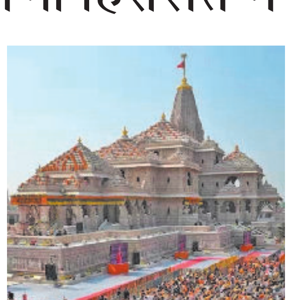

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

अयोध्या के चर्चित राम मंदिर चंदा चोरी मामले में जांच एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मामले में नामजद सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, उनमें रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू, अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और मनीष यादव शामिल हैं। जांच एजेंसियां अब इन सभी से पूछताछ कर रही हैं और मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चंदे और दान में कथित अनियमितताओं की जांच के क्रम में की गई है। सूत्रों के अनुसार, जांच में कई अहम दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य भी एजेंसियों के हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हो सकती हैं और कई अन्य लोगों से भी पूछताछ की जाएगी।

पीएम मोदी ने वाजपेयी की पंक्तियों से याद किया आपातकाल का दर्द

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान हत्या दिवस के अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न की एक कविता की पंक्तियां साझा करते हुए आपातकाल के दौर को भारतीय लोकतंत्र के सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक बताया। सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा लिखी गई यह कविता केवल शब्दों का संग्रह नहीं है, बल्कि उस पीड़ा, घुटन और लोकतांत्रिक अधिकारों पर लगे प्रतिबंधों की सशक्त अभिव्यक्ति है, जिन्हें देश ने आपातकाल के दौरान ▶▶ शेष पेज 5 पर

डीआरडीओ ने 'नेत्र' के लिए वायुसेना को सौंपा अंतिम परिचालन स्वीकृति प्रमाणपत्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी 'नेत्र', 'विमानस्थ प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली' का अंतिम परिचालन स्वीकृति प्रमाणपत्र (एफओसी) भारतीय वायुसेना को सौंप दिया है। यह एक अहम उपलब्धि है। वर्ष 2017 में इस बाबत प्रारंभिक परिचालन स्वीकृति मिली थी। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि नेत्र प्रणाली को हवाई निगरानी, स्थिति संबंधी जागरूकता और युद्ध ▶▶ शेष पेज 5 पर

ठगों ने 55 हजार 659 करोड़ रुपए जैसी बड़ी रकम ठग ली

डिजिटल अरेस्ट का गोरखधंधा: 16 राज्य, 80 छापे, गिरफ्तार महज 2... सीबीआई की देश भर में दबिश

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में तेजी से फैल रहे 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ सीबीआई ने बड़ा अभियान चलाते हुए 16 राज्यों में 80 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी की है। ऑपरेशन चक्र-6 के तहत की गई इस कार्रवाई में सीबीआई ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन पर फर्जी कंपनियां बनाकर और म्यूल बैंक खातों के जरिए करोड़ों रुपये की ठगी की रकम को खपाने का आरोप है। गृह मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2024 में भारतीय नागरिकों ने साइबर ठगी में 22 हजार 845 करोड़ रुपये से अधिक गंवाए। यह 2023 के मुकाबले लगभग 206 फीसदी की बड़ी वृद्धि है। राज्यसभा में गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले 5 वर्षों (2021-2025) में साइबर ठगी की 65 लाख 9 हजार शिकायतें दर्ज हुईं। हर क्लास के लोगों से ठगों ने 55 हजार 659 करोड़ रुपए जैसी बड़ी रकम ठग लिए। यही वजह है के केंद्र सरकार ने आधुनिक युग के इस आधुनिक अपराध को बेहद संजीदगी से लिया है। सीबीआई ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट घोटालों से जुड़े साइबर अपराध नेटवर्क को ▶▶ शेष पेज 5 पर

सुप्रीम कोर्ट जैसी फर्जी वेबसाइट का खुलासा

जांच के दौरान सीबीआई ने एक ऐसी फर्जी वेबसाइट का भी पर्दाफाश किया, जिसका यूआरएल भारत के सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट से काफी मिलता-जुलता था। आरोपियों ने इस वेबसाइट का उपयोग लोगों को यह विश्वास दिलाने के लिए किया कि उनके खिलाफ अदालत की कार्रवाई चल रही है और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है। सीबीआई के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से शिकायत मिलने के बाद इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई और विस्तृत जांच शुरू की गई।

फर्जी अदालत आदेश और सरकारी दस्तावेज बरामद

सीबीआई ने अत्याधुनिक फोरेंसिक तकनीकों और डिजिटल विश्लेषण के माध्यम से देश और विदेश में फैले अपराधियों के नेटवर्क की पहचान की है। जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को झांसा देने के लिए अदालतों और विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के नाम से मिलते-जुलते फर्जी आदेश, नोटिस और अन्य दस्तावेज तैयार कर उन्हें भेजते थे। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में ▶▶ शेष पेज 5 पर

पुलिस का दो किशोरों को हिरासत में लेने का दावा

सीलमपुर इलाके में नाबालिग की चाकू मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 17 वर्षीय लड़के की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात बुधवार देर रात अंजाम दी गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को दो नाबालिग आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार बुधवार रात करीब नौ बजे सीलमपुर थाने को एक युवक को चाकू घोंपे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद एक टीम गौतमपुरी स्थित घटनास्थल पर पहुंची, तो पता चला कि घायल को उसका चचेरा भाई पहले ही जग प्रवेश चंद (जेपीसी) अस्पताल ले गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गौतमपुरी निवासी लकी कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इस संबंध में सीलमपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए दो टीमें गठित की गई थी, जिन्होंने अपराधियों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की और उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी के बाद 15-16 साल की उम्र के दो नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों ने वारदात में अपने तीसरे साथी की संलिप्तता के बारे में भी जानकारी दी है। आरोपियों ने बताया कि बुधवार सुबह उनका पीड़ित के साथ मामूली मुद्दे पर विवाद हुआ था, जिसके बाद रात में उसकी हत्या को अंजाम दिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर अपराध में इस्तेमाल चाकू और मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। फरार तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

बार में चाकू घोंपने के आरोप में दो युवक अरेस्ट

- गाना बदलने को लेकर हुए विवाद में दिया था वारदात को अंजाम

नई दिल्ली। रोहिणी क्षेत्र के शाहबाद दौलतपुर इलाके में गाना बदलने को लेकर 'डिस्क जॉकी' (डीजे) से विवाद के बाद दो लोगों को चाकू घोंपने के आरोप में 18 वर्षीय दो युवकों को क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-1 टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों के नाम अभिषेक और अश्विन बताये गये हैं। दोनों मंगोलपुरी के रहने वाले हैं। चाकू लगने से घायल एक शख्स की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद केस में हत्या की धारा भी जोड़ी गई थी। पुलिस के अनुसार घटना 17 और 18 जून की दरमियानी रात शाहबाद दौलतपुर के लॉज एंड बार में हुई थी, जहां आरोपियों और बार में मौजूद कुछ लोगों के बीच गाना बदलने को लेकर झड़प हो गई थी। शाहबाद डेयरी थाने में पहले गैर इरादतन हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि 23 जून को इलाज के दौरान एक घायल की मौत हो जाने के बाद इसमें हत्या की धारा जोड़ी गई है।

मादक पदार्थ तस्करों से डेढ़ करोड़ का गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले की एएटीएस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे करीब 1.5 करोड़ रुपये कीमत का 183 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। जब्त किया गया गांजा उड़ीसा और आंध्र प्रदेश से लाया जाता था। शातिर सप्लायरों ने गांजे को एक ट्रक में विशेष रूप से बनाए गए गुप्त स्थान में छुपा कर रखा था।

पुलिस के अनुसार इस मामले में गिरोह के कथित सरगना समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल पुलिस को 13 जून को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक गांजे की एक बड़ी खेप मुंबई एक्सप्रेसवे के जरिए उत्तर प्रदेश से दिल्ली ले जा रहा है। जानकारी के आधार पर एक टीम बनाई गई और उसे कालिंदी कुंज मेट्रो स्टेशन के पास तैनात किया गया। देर रात करीब दो बजे कालिंदी कुंज-मदनपुर खादर रोड पर ट्रक को रोका गया। जांच के दौरान चालक के केबिन के ऊपर खास तौर पर बनाया गया एक गुप्त स्थान मिला, जिसमें एक छिपे हुए दरवाजे के जरिए पहुंचा जा सकता था। पुलिस ने उस गुप्त केबिन से भूरे रंग के टेप में लिपटे हुए गांजे के 38 पैकेट बरामद किए। ट्रक में सवार दो लोगों सुबोध कुमार मिश्रा (40) और बृज किशोर तिवारी (36) को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों बिहार के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे एक ऐसे गिरोह का हिस्सा हैं जो ओडिशा और आंध्र प्रदेश से दिल्ली-एनसीआर और आस-पास के इलाकों में बड़ी मात्रा में गांजा पहुंचाता था। जांच में पता चला है कि यह खेप श्रीराम के कहने पर ले जाई जा रही थी। श्रीराम ट्रक का मालिक है और इस गिरोह का कथित सरगना भी है। उसे बाद में उत्तर प्रदेश के अयोध्या से गिरफ्तार किया गया।

खबर संक्षेप

नंदनगरी में सड़क हादसे में एक की मौत, दो जख्मी

नई दिल्ली। नंद नगरी इलाके में एक बस ने टैक्सी और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसा बुधवार रात सामने आया। इस हादसे में 27 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुये। पुलिस के अनुसार बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे नंद नगरी थाना क्षेत्र में नंद नगरी बस डिपो के पास एक सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि नंद नगरी फ्लाईओवर से उतर रही एक बस पहले एक टैक्सी से टकराई और इसके बाद उसने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार तीन लोग जख्मी हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल पहुंचाया गया। मोटरसाइकिल सवार विनीत (27) को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों रोहित और सूरज का उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार क्राइम और फोरेंसिक टीमों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले से जुड़े साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने बताया कि नंद नगरी थाने में मामला दर्ज किया गया।

बाराखंभा रोड स्थित बहुमंजिला इमारत में लगी आग

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस के बाराखंभा रोड स्थित एक बहु मंजिला इमारत में बृहस्पतिवार सुबह आग लगने के बाद दमकल की कई गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि बाराखंभा रोड की डीसीएम बिल्डिंग नंबर 16 में सुबह नौ बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की आठ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि सुबह साढ़े 10 बजे तक आग को बुझा दिया गया। पुलिस का कहना है कि आग इमारत की पहली मंजिल पर एसी, प्रिंटर, कंप्यूटर, कागजात और फर्नीचर आदि सामान में लगी थी। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

सब्जी मंडी में मकान में सीढ़ी ढही, पांच लोगों को बचाया

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर एक मकान में सीढ़ी ढहने के बाद एक शिशु समेत परिवार के पांच सदस्यों और एक कुत्ते को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना दोपहर लगभग एक बजकर 30 मिनट पर रूप नगर इलाके के तिलक चौक स्थित एक मकान में सामने आई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार एक मकान के ढहने की सूचना मिली थी, जिसके बाद कई टीमों को मौके पर भेजा गया। बचाव अभियान के दौरान अधिकारियों ने पाया कि पहली मंजिल पर सीढ़ी ढह गई थी, जिससे दूसरी मंजिल पर कई लोग फंस गए थे। अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि इमारत से कुल पांच लोगों और एक कुत्ते को सुरक्षित बचाया गया। बचाये गये लोगों की पहचान मानसी (45), उनकी बेटी अंजलि (24), कविता, उनकी बेटी पायल (21) और पांच महीने की नवजात नीरू के रूप में की गई है। अधिकारियों के मुताबिक इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

दुकान से 90 लाख रुपये की चोरी के मामले में चार लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने करोल बाग में मोबाइल फोन की थोक की दुकान से 90 लाख रुपये की चोरी के मामले में दुकान के एक कर्मचारी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीडनपुरा इलाके में हुई इस वारदात का पता उस समय चला दुकान खोलने पर मालिक को सामान बिखरा हुआ मिला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 23-24 जून की रात के दौरान अज्ञात व्यक्ति लगभग 90 लाख रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन और सीसीटीवी प्रणाली का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) लेकर फरार हो गए। जांच के दौरान, पुलिस ने आस-पास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की, कर्मचारियों से पूछताछ की और घटनास्थल से मिले फॉरेंसिक सबूतों का विश्लेषण किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि चोरी में दुकान के कामकाज से वाकिफ अंदरूनी व्यक्ति ने मदद की और शक की सुई एक कर्मचारी पर जाकर रुकी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के ही रहने वाले रवि उर्फ महिपाल (24), दीपांशु (23), अंश और मनीष को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि दुकानदार का भरोसेमंद कर्मचारी रवि ही इस साज़िश का कथित मास्टरमाइंड था, क्योंकि दुकान की चाबियों तक उसकी पहुंच थी और हर रात दुकान में ताला लगाने की ज़िम्मेदारी भी उसी की थी। पुलिस के मुताबिक, उसने चोरी से दो दिन पहले अपने साथियों से असली चाबी हासिल करके नकली चाबी बनवाई।

पुलिस ने बताया कि घटना वाली रात, अंश और मनीष ने बिना ताला तोड़े नकली चाबी की मदद से कथित तौर पर दुकान में घुसकर नकद, मोबाइल फ़ोन और सीसीटीवी डीवीआर चुरा लिया। अधिकारियों ने बताया कि शक से बचने के लिए रवि अगली सुबह दुकान पर लौटा और यह दिखाने की कोशिश की कि उसकी इसमें कोई भूमिका नहीं है। पुलिस ने बताया कि तकनीकी और स्थानीय जानकारी के आधार पर मंगोलपुरी में छापेमारी की गई, जिसमें चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और एक आरोपी के रिश्तेदार के खाली घर से 84 लाख रुपये बरामद किए गए। चोरी हुए मोबाइल फ़ोन और मामले से जुड़ी अन्य चीज़ें भी बरामद कर ली गई हैं।

पुलिस ने बताया कि चोरी हुआ बाकी सामान बरामद करने और यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि क्या आरोपी इसी तरह के दूसरे अपराधों में भी शामिल थे।

60 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में तीन नाबालिग हिरासत में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के रोहिणी में लूटपाट के दौरान 60 वर्षीय एक फैक्टरी कर्मचारी की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोप में तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीड़ित की पहचान शाहबाद डेयरी निवासी राजेश के रूप में हुई, जो 23 जून को पंसाली रोड पर बेहोश और खून से लथपथ मिला था। पुलिस ने कहा कि प्रेम आधार अस्पताल और पंसाली चौक के बीच सड़क पर एक व्यक्ति के घायल अवस्था में पड़े होने के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचना दी गई थी। उसे डॉ. बीएसए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेगमपुर थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

पुलिस ने कहा कि राजेश प्रताप विहार की एक फैक्टरी में मजदूर के रूप में काम करता था और उसके परिवार में उसकी शादीशुदा बेटी है। जांचकर्ताओं ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की, सीसीटीवी फुटेज की जांच की और संदिग्धों की पहचान करने के लिए तकनीकी निगरानी का इस्तेमाल किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹जांच धीरे-धीरे तीन किशोरों तक सीमित हो गई, जिनकी गतिविधियां घटना के समय से मेल खाती थीं और उन्हें अपराध स्थल के पास देखा गया था।₹ पूछताछ के दौरान किशोरों ने कथित तौर पर अपराध में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली।

पुलिस के मुताबिक तीनों लूट के इरादे से घटनास्थल के पास जमा हुए थे। नाबालिगों में से एक ने राजेश को उस समय रोका जब वह साइकिल से जा रहा था और उसे चाकू से धमकाया, जबकि अन्य दो ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि जब राजेश ने विरोध किया तो मुख्य आरोपी ने उसको कथित तौर पर चाकू घोंप दिया।

इसके बाद नाबालिगों ने उसकी जेबों की तलाशी ली, 4,080 रुपये नकद निकाल लिए और मौके से भाग गए। पुलिस ने बताया कि यह पैसा आरोपियों ने आपस में बांट लिया।

ख्याला इलाके में महिला मृत मिली ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके में 24 वर्षीय एक महिला किराए के अपने मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक रघुबीर नगर की रहने वाली थी और उसकी शादी को करीब तीन साल हुए थे।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को उसकी मौत के संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को सूचित किया गया जिसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची। अपराध टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अन्य प्रासंगिक वस्तुओं के साथ-साथ एक चुन्नी भी जब्त कर ली। संदेह है कि चुन्नी का इस्तेमाल फंदा लगाने के लिए किया गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹घटनास्थल से कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला। महिला की गर्दन पर निशान मिले हैं।₹ महिला की शादी को सात साल से कम समय हुआ था, इसलिए प्रक्रिया के अनुसार, मामले की सूचना राजौरी गार्डन के उपमंडलीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को दी गई। पुलिस ने कहा कि मृतक के परिवार के सदस्यों के बयान एसडीएम के सामने दर्ज किए गए, जिस दौरान उन्होंने उसके ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। आरोपों के बाद, ख्याला थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले में जांच जारी है।

दो आरोपियों को क्राइम ब्रांच पहले कर चुकी है गिरफ्तार

गुरु रंधावा से जुड़े जिम पर फायरिंग करने वाले दो मुठभेड़ में दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम विहार में 11 जून को पंजाबी गायक गुरु रंधावा से जुड़े एक जिम के बाहर फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो शूटरों को गिरफ्तार किया गया। इनके नाम हकीकत और सागर बताये गये हैं। दोनों के पैरों में गोली लगी है। मामले के अब चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो आरोपी पहले क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़े थे।

पुलिस के मुताबिक हकीकत और सागर बुधवार रात किसी अन्य वारदात को अंजाम देने के लिए पश्चिमी दिल्ली आए थे। स्पेशल सेल की टीमों ने विशिष्ट सूचना के आधार पर उन्हें रोका। पुलिस टीम को देखकर आरोपियों ने कथित तौर पर गोलीबारी की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैरों में गोली लगी और उन्हें काबू कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि उनके कब्जे से हथियार बरामद किये गये। इससे पहले दो अन्य आरोपी अरमान (19) और तुषार उर्फ ताशु उर्फ पिंकू (21) को बहादुरगढ़ में अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया था। जांचकर्ताओं ने कहा है कि चारों आरोपी गैंगस्टर अनिल पंडित से जुड़े हुए हैं जो अमेरिका में बैठा है और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गुर्गा है। जिम पर गोलीबारी की घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पंडित ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। पोस्ट के मुताबिक रंधावा के जिम को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से उनकी नजदीकियों को लेकर निशाना बनाया गया, जिन्हें बिश्नोई गिरोह अपना विरोधी मानता है।

एलजी ने किया संजय झील का दौरा, जीर्णोद्धार व कायाकल्प कार्य का लिया जायजा, दिए दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को पूर्वी दिल्ली की संजय झील का दौरा किया। इस दौरान एलजी ने 52 एकड़ में फैली इस झील और इसके आस-पास के संरक्षित जंगल के चल रहे जीर्णोद्धार और कायाकल्प के काम का विस्तार से जायजा लिया। इस मौके पर एलजी ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को नए दिशा निर्देश दिए। इस दौरान एलजी के अलावा डीडीए उपाध्यक्ष एन सरवन कुमार सहित अन्य संबंधित आला अधिकारी मौजूद थे। लोक निवास सचिवालय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार एलजी ने निर्देश दिए कि पाइपलाइन की मरम्मत का काम तेज़ी से पूरा करें, ताकि दल्लूपुरा एसटीपी से ट्रीटेड पानी की लगातार सप्लाई सुनिश्चित हो सके। एलजी ने सभी विभागों के आपसी समन्वय को सराहते हुए कहा कि पार्क के मैनेजमेंट में सीएसआर सपोर्ट और लोकल रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन को भी शामिल किया जाना चाहिए। सचिवालय से मिली जानकारी अनुसार यहां झील में वर्तमान में चल रहे कायाकल्प कार्यों के अलावा भी कार्य होने है। जिसमें चरण एक के तहत अगस्त, 2026 तक जो कार्य पूरे होने है उनमें कई जगहों पर रुके पानी को जलाशय तक पहुंचाना, निचले इलाकों में पैदल रास्तों की सुरक्षा और पानी के रिचार्ज को बेहतर बनाने के लिए बायो-स्वेल्स लगाना, रास्तों की मरम्मत व नियमित रखरखाव करना और झील की तलहटी की घास हटानी शामिल है। जबकि चरण दो के तहत मई, 2027 तक पूरा करने वाले कार्यों में आस-पास के पानी के चैनलिंग के दायरे को बढ़ाना और उसे जलाशय की ओर मोड़ना, रास्तों की सुरक्षा और पानी को रुकने से बचाने के लिए बायो-स्वेल्स की संख्या बढ़ाना, जलाशय की भौतिक और रासायनिक विशेषताओं को बेहतर बनाने के लिए बायो-रेमेडिएशन और घुली हुई ऑक्सीजन और सुंदरता को बेहतर बनाने के लिए एरेटर, फव्वारे लगाना शामिल है। एलजी ने निर्देश दिया है कि 5,000 देशी पेड़ लगाकर इलाके की पारिस्थितिकी जैव विविधता को काफी समृद्ध किया जाए। शुरू में 1977-78 में खराब मिट्टी की स्थिति को सुधारने के लिए यूकेलिप्टस लगाए गए थे, अब इस इलाके की मिट्टी की सेहत बेहतर है। संजय झील में यूकेलिप्टस, नीम, अर्जुन, पापड़ी, अशोक, मरोड़ फली, पिलखन, चांदनी, गुड़हल, हैमेलिया, कनेर, टेकोमा जैसी प्रमुख पौधों की प्रजातियां मौजूद हैं। इस दौरान डीडीए उपाध्यक्ष सरवन की अगुवाई में अधिकारियों ने एलजी को इस अहम 52 एकड़ की मानव-निर्मित झील और उसके आस-पास के 165 एकड़ के संरक्षित जंगल को फिर से जीवित करने के लिए बनाए गए चरणबद्ध एक्शन प्लान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बता दें कि पूर्व में एलजी ने पहले उन रिपोर्टों पर गंभीरता से ध्यान दिया था जिनमें पानी की सप्लाई बंद होने और गाद, कचरा और सीवेज जमा होने के कारण झील की खराब हालत का पता चला था। जिसके बाद एलजी ने डीडीए व संबंधित विभाग को मिशन-मोड में इसके कायाकल्प का काम करने का निर्देश दिया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **खदीजा इल्यासी, पुत्र: जुल्फिकार, पता: 207, जागा बाई एक्सटेंशन, गली नं. 05, जामिया नगर, ओखला, दिल्ली** ने **FIR No. 233/2019, dated 01.05.2019, U/s 33/38/58/52 Delhi Excise Act, पुलिस थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **खदीजा इल्यासी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **खदीजा इल्यासी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 233/2019, dated 01.05.2019, U/s 33/38/58/52 Delhi Excise Act, पुलिस थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली** के अभियुक्त **खदीजा इल्यासी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री ज्योति नैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07, उत्तर
कमरा नं. 06, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8436/ON/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **भुवनेश गर्ग, मालिक मिशका एंटरप्राइज, पता: 57/12, 57/13, गांव मुंडका, उत्तर पश्चिम दिल्ली** एवं **27/12/2, पहली मंजिल, प्लॉट नं. 813 के सामने, एमआईई पार्ट ए. बहादुरगढ़, झज्जर, हरियाणा** ने **FIR No. 3665/2022, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना नांगलोई, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **भुवनेश गर्ग** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **भुवनेश गर्ग** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 3665/2022, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना नांगलोई, दिल्ली** के अभियुक्त **भुवनेश गर्ग** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री अंशुल सिंघल
जेएमएफसी–04, कमरा सं. 268,
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7870/OD/2026

रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में ईएफसी ने दी मंजूरी

दिल्ली के 75 सीएम श्री स्कूलों का बदलेगा स्वरूप: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के सरकारी स्कूलों को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर सुविधाओं से लैस बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसी कड़ी में 75 सीएम श्री स्कूलों में व्यापक मरम्मत, सुधार और नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हाल में हुई व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में इसके लिए लगभग 264 करोड़ 90 लाख 88 हजार रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य केवल स्कूल भवनों की मरम्मत कराना नहीं, बल्कि ऐसा शिक्षण वातावरण तैयार करना है, जहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ, आधुनिक और प्रेरणादायक परिसर मिले। इस बैठक में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, शिक्षा मंत्री आशीष सूद व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य केवल भवनों की मरम्मत करना नहीं, बल्कि सरकारी विद्यालयों को ऐसे आधुनिक शिक्षण परिसरों में विकसित करना है, जहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, समावेशी, तकनीक-सक्षम और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो। यह प्रस्ताव दिल्ली के सरकारी विद्यालयों की आधारभूत संरचना को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्कूलों के प्रवेश द्वारों का आधुनिक स्वरूप में निर्माण

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत स्कूलों के प्रवेश द्वारों का आधुनिक स्वरूप में निर्माण, संशोधन और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उन पर सीएम श्री का नया लोगो और स्कूल का नाम प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त भवनों में सीलन और नमी की समस्या दूर करने, वॉटरप्रूफिंग, आंतरिक एवं बाहरी पेंटिंग, प्लास्टर की मरम्मत, बाउंड्री वॉल एवं फेंसिंग का निर्माण अथवा मरम्मत, शौचालयों में सुधार, पेयजल सुविधा में सुधार, सीवर एवं ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने, आवश्यकता के अनुरूप खेल सुविधाओं का विकास, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की मरम्मत, मल्टीपरपज हॉल का नवीनीकरण और आवश्यकता अनुसार अन्य मरम्मत कार्य किए जाएंगे।

अग्नि सुरक्षा से जुड़े कार्य किए जाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिकल कार्यों के तहत अग्नि सुरक्षा से जुड़े कार्य किए जाएंगे। खराब एलईडी लाइट, सीलिंग फैन, एग्जॉस्ट फैन और पीए (पब्लिक एड्रेस) सिस्टम को बदला जाएगा, ताकि पूरे परिसर में घोषणाएं और आपातकालीन सूचनाएं प्रभावी ढंग से प्रसारित की जा सकें। स्कूल परिसरों में हाई मास्ट लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। मल्टीपरपज हॉल एवं कंप्यूटर लैब में एयर कंडीशनिंग, स्टेज लाइटिंग, सीएम श्री लोगो युक्त एलईडी साइनेज एवं एलईडी बोर्ड, इनबिल्ट आरओ वॉटर कूलर, मुख्य विद्युत पैनलों का अपग्रेडेशन और नई वायरिंग, री-वायरिंग, पावर पॉइंट और लैन पॉइंट उपलब्ध कराए जाएंगे।

दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि विशेष प्राथमिकता वाले कार्यों के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए रैंप, टैक्टाइल पाथ और हैंडरेल जैसी दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही सीसीटीवी, कंपाउंड लाइटिंग और खेल मैदानों का विकास भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत स्कूल परिसरों का स्वरूप भी पूरी तरह बदला जाएगा। आधुनिक डिजाइन वाले सीएम श्री प्रवेश द्वार विकसित किए जाएंगे। जहां बाउंड्री वॉल अच्छी स्थिति में है वहां आवश्यकतानुसार मामूली मरम्मत की जाएगी और ग्रिट फिनिश को बरकरार रखा जाएगा।

फेंसिंग को आकर्षक विपरीत रंगों से रंगा जाएगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि फेंसिंग को आकर्षक विपरीत रंगों से रंगा जाएगा। खेल मैदानों में आधुनिक आउटडोर गैलरी विकसित की जाएगी, जिसका उपयोग आउटडोर कक्षाओं, मनोरंजन, इंटरैक्टिव गतिविधियों तथा सहयोगात्मक शिक्षण के लिए किया जा सकेगा। बास्केटबॉल कोर्ट में नया टर्फ बिछाया जाएगा। यह सारा कार्य अगल साल के अंत तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रदूषण के विरुद्ध लड़ाई हमारा सामूहिक प्रयास है: सिरसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ जिला मजिस्ट्रेटों को दिए प्रदूषण हॉटस्पॉट्स की पहचान करने के निर्देश

दिल्ली में प्रदूषण के विरुद्ध लड़ाई हमारा सामूहिक प्रयास है। जिला मजिस्ट्रेट दिल्ली पुलिस, एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, डीपीसीसी तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर प्रदूषण हॉटस्पॉट्स की पहचान करें। प्रत्येक हॉटस्पॉट प्रदूषण का स्रोत है और इन्हें समाप्त करने से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में आवश्यक सुधार होगा। पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव तथा उद्योग मंत्री माननीय मनजिंदर सिंह सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के सभी जिला मजिस्ट्रेटों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार "विकसित दिल्ली, विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी को एक आधुनिक एवं स्वच्छ राजधानी के रूप में विकसित करना है। मंत्री सिरसा ने बताया कि बैठक का उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण के लिए जिला स्तर पर समन्वित रणनीति तैयार करना तथा राजधानी में पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को और सुदृढ़ करना था। बैठक के अंत में मंत्री ने दोहराया कि दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए डेटा आधारित, समन्वित एवं जवाबदेह दृष्टिकोण अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि बैठक में लिए गए निर्णयों का नियमित निगरानी, अंतर-विभागीय समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि दिल्ली को स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सके।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री सिरसा ने कहा कि धूल प्रदूषण दिल्ली की वायु गुणवत्ता का एक प्रमुख कारण है। प्रत्येक जिला मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र में धूल उत्पन्न करने वाले स्रोतों की सक्रिय रूप से पहचान करें तथा सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर उनके प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाएं। चाहे वह क्षतिग्रस्त सड़कें हों, निर्माण गतिविधियाँ हों या रखरखाव की कमी, धूल के प्रत्येक स्रोत पर समन्वित एवं परिणामोन्मुख कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में प्रदूषण हॉटस्पॉट्स की पहचान, यातायात प्रबंधन में सुधार, धूल प्रदूषण नियंत्रण, अतिक्रमण हटाने, सार्वजनिक पार्कों के रखरखाव

सीजेपी का धरना प्रदर्शन जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ सोनम वांगचुक ने किया 28 से भूख हड़ताल पर जाने का ऐलान

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन लगातार छठे दिन गुरुवार को भी जारी रहा। अब सीजेपी को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षा सुधारक कहे जाने वाले सोनम वांगचुक का साथ मिला है। वांगचुक ने घोषणा करते हुए कहा है कि अगर केंद्र सरकार 27 जून तक जनता के सवालों पर जवाबदेही नहीं दिखाती है तो मैं 28 जून से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू करूंगा। वांगचुक ने यह घोषणा विदेश से की है जिसका वीडियो क्लिप सीजेपी ने जारी किया है। सनद रहे कि सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके नीट पेपर लीक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 20 जून 2026 से जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन कर रहे है। अभी तक दीपक को कोई बड़ा समर्थन नहीं मिल पा रहा था। लेकिन अब वांगचुक द्वारा भूख हड़ताल पर जाने की घोषणा से आंदोलन में नई चर्चा शुरू हो गई है और समर्थकों में उत्साह बढ़ने लगा है। जारी वीडियो क्लिप में सोनम वांगचुक ने अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जनता की चिंताओं को सुने और उनके प्रति जवाबदेह बने। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कई जरूरी मुद्दों पर लोगों की आवाज उठ रही है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसी कारण सरकार को 27 जून तक का समय दिया है, यदि इस दौरान कोई सकारात्मक पहल नहीं होती है, तो 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे। वांगचुक ने कहा कि मेरा यह कदम किसी से टकराव का नहीं है, बल्कि सरकार और जनता के बीच सार्थक संवाद स्थापित करने के लिए उठाया जा रहा है। क्योंकि शांतिपूर्ण आंदोलन किसी भी लोकतंत्र को मजबूत बनाने का सशक्त माध्यम होता है। उन्होंने संदेश में कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के अंदर रहते हुए किसी भी आंदोलन को आगे बढ़ाया जाना सार्थक कदम होता है। वांगचुक ने युवाओं से भी जागरूक रहने और देश के जरूरी मुद्दों पर अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया है।

डीजेबी उपाध्यक्ष कर रहे है अलग अलग सांसदों संग बैठक, की जा रही है जलापूर्ति समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड के सतीश उपाध्याय की अध्यक्षता में साउथ दिल्ली संसदीय क्षेत्र से सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी के साथ जलापूर्ति की वर्तमान स्थिति पर समीक्षा बैठक की। बैठक में उपाध्यक्ष उपाध्याय व सांसद बिधूड़ी के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, जल बोर्ड सदस्य व आला अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान साउथ दिल्ली संसदीय क्षेत्र में जलापूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, बिलिंग और राजस्व से जुड़े मुद्दों की समीक्षा हुई और त्वरित समाधान, बेहतर सेवाओं और विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ और निर्मल यमुना के विज़न को साकार करने के लिए यमुना सफाई अभियान और यमुना नदी के पुनरुद्धार के प्रयासों पर गंभीरता से चर्चा हुई। इस मौके पर उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा कि पीएम मोदी के विकसित भारत, विकसित दिल्ली के विजन के तहत कार्य करके ही लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। हर घर साफ जल पहुंचाना हमारी पहली प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के नेतृत्व में राजधानी में शुद्ध पेय जलापूर्ति का लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा। यमुना की सफाई के लिए हमारी सरकार पूरी मेहनत व ईमानदारी से कार्य कर रही है और यह लक्ष्य जल्द ही प्राप्त किया जाएगा। बैठक में जलापूर्ति व यमुना सफाई से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

दिल्ली सरकार ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध आयोजित किया जन-जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का किया आह्वान

मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर गुरुवार को दिल्ली सरकार ने नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत इंडिया गेट पर एक विशाल जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए जन-जागरूकता एवं जनभागीदारी को सशक्त बनाकर नशा मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी तथा नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशे के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान से जुड़ने तथा स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नशा मुक्त भारत अभियान कार्ययोजना के माध्यम से जागरूकता, परामर्श, उपचार एवं पुनर्वास की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार भी विभिन्न सरकारी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों तथा सामुदायिक समूहों के सहयोग से जागरूकता अभियान, परामर्श सेवाओं एवं पुनर्वास गतिविधियों का प्रभावी संचालन कर रही है।

डीडीए यमुना बाजार क्षेत्र में कई अवैध निर्माणों को हटाया, कोर्ट के आदेश पर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने गुरुवार को यमुना घाट क्षेत्र कोर्ट के आदेश पर अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चला। इस मुद्दे पर डीडीए का कहना है कि यमुना बाजार घाट नंबर 2 से 32 तक बने अवैध निर्माण तोड़ जाएगे। डीडीए अनुसार एनजीटी के केस नंबर 6 2012 के तहत 13 जनवरी 2015 में डीडीए को दिए निर्देश के अनुसार यमुना बाढ़ वाले क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया जाना है। यमुना बाजार घाट नंबर 2 से 32 तक बने अवैध निर्माण में रहने वालों को प्राधिकरण ने 23 जून 2026 को नोटिस देकर संबंधित निवासियों से अनुरोध किया था कि यह जगह खाली कर दें। अन्यथा 24 जून 2026 या इसके बाद यहां किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। डीडीए ने कहा कि उक्त नोटिस में साफ बताया गया था कि तोड़ फोड़ की कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार के नुकसान की जिम्मेदारी के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। डीडीए ने कहा कि कोई के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे भी चलती रहेगी। बता दें कि यमुना घाट नंबर 2 से 32 तक लगभग 300 से अधिक परिवार रह रहे है। इन परिवारों का दावा है कि कई तो यहां आजादी से पूर्व से रह रहे है। लेकिन हाईकोर्ट के आदेश पर अब इनके द्वारा किए गए अतिक्रमण को डीडीए हटा रहा है। इस मुद्दे पर मुख्य विपक्षी दल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों सत्तापक्ष दल भाजपा व रेखा गुप्ता सरकार को घेर रहे है।

यमुना बाजार घाट क्षेत्र में 300 परिवारों को उजाड़ा, सीएम का रैन बसेरों में रहने का आदेश पल्ला झाड़ने समान: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि यमुना किनारे घाट क्षेत्र से लगभग 300 परिवारों के हजारों लोगों को उजाड़कर उनको रेन बसेरों में रहने का आदेश सीएम रेखा गुप्ता का अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। यादव ने कहा कि जिन रैन बसेरों में रहने की बात सीएम कह रही है उनकी क्षमता से ज्यादा तो लोग हैं और उनमें सुविधाओं का भी घोर अभाव है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा यमुना बाजार क्षेत्र में यमुना किनारे बसे 300 से अधिक परिवारों को अवैध बताकर बेदखली के नोटिस जारी कर बुलडोजर चलाया जा रहा है। जबकि सीएम रेखा गुप्ता की सरकार विस्थापित परिवारों को राजा गार्डन, सुल्तानपुरी, मुनिरका, गीता कॉलोनी आदि में बंधित रात्रि आश्रयों में स्थानांतरित करने का निर्देश दे रही है। क्योंकि 200 से अधिक रैन बसेरों में मात्र 21 हजार लोगों के रहने की व्यवस्था है। जबकि वास्तविकता में 8-9 हजार लोगों की रैन बसेरों में जगह मिल पाती है, आंकड़ों के अनुसार ढाई लाख से अधिक लोग खुले में सड़कों पर रहने को मजबूर है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐसी स्थिति में सरकार 300 परिवारों को रैन बसेरों में रख सकती है। यादव ने कहा कि हाई कोर्ट ने यमुना बाढ़ क्षेत्र में रिहायशी और व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक के निर्देश दिए है। साथ ही बाढ़ क्षेत्र में बसी 91 कालोनियों व गांव को अवैध निर्माण और पर्यावरण को खतरा बताकर यहां बसे 6 लाख लोगों को उजाड़ने का मन बना चुकी है। यमुना बाजार के 300 परिवारों के अलावा 5-6 लाख लोगों को उजाड़कर विस्थापित करने की क्षमता क्या सरकार के पास है। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार कोर्ट, एनजीटी और डीडीएम के आड़ में दिल्ली की 91 कालोनियों में बसे 6 लाख से अधिक लोगों को बर्बाद करना चाहती है। उन्होंने पूछा कि क्या किसी राज्य ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों के पुनर्वास की योजना को सफल अंजाम दिया है। यादव ने कहा कि एक एनजीओ द्वारा निरीक्षण में सामने आया कि फतेहपुरी रेन बसेरा की क्षमता 600 बताई जबकि वहां मात्र 200 बिस्तर है, मोतिया खान में 540 की क्षमता पर सिर्फ 15 होना सरकार के बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा करता है।

एनडीएमसी ने गोल्फ लिंक को नौवीं 'अनुपम कॉलोनी' के रूप में किया प्रमाणित

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने गुरूवार को नई दिल्ली स्थित गोल्फ लिंक कॉलोनी में एक शिलापट्ट का अनावरण कर उसे 'अनुपम कॉलोनी' के रूप में प्रमाणित किया। यह सम्मान उत्कृष्ट अपशिष्ट प्रबंधन एवं सतत विकास संबंधी कार्यों के लिए एक आदर्श आवासीय समुदाय के रूप में प्रदान किया गया है। गोल्फ लिंक कॉलोनी को 'अनुपम कॉलोनी' का दर्जा प्रदान करने वाली प्रमाणन पट्टिका का अनावरण करने के बाद एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने स्थानीय निवासियों को बधाई देते हुए कहा कि एनडीएमसी को अपने कूड़ा प्रबंधन एवं सतत विकास पहल के अंतर्गत गोल्फ लिंक कॉलोनी को नौवीं 'अनुपम कॉलोनी' के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए अत्यंत गर्व का अनुभव हो रहा है। यह उपलब्धि पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं सतत जीवनशैली के प्रति निवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अध्यक्ष केशव चंद्रा ने बताया कि कॉलोनी ने स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण को प्रभावी रूप से अपनाकर एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिससे रीसाइक्लिंग योग्य सामग्री को उपयुक्त रीसाइक्लिंग केंद्रों तक पहुंचाया जा रहा है तथा गीले कचरे को खाद में परिवर्तित कर उसी कॉलोनी में बागवानी कार्यों के लिए पुनः उपयोग किया जा रहा है। चंद्रा ने आगे कहा कि गोल्फ लिंक के निवासियों के समर्पित प्रयासों ने समुदाय आधारित कूड़ा प्रबंधन का एक ऐसा आदर्श मॉडल विकसित किया है, जो पूरे शहर के अन्य आवासीय क्षेत्रों को प्रेरित और मार्गदर्शित कर सकता है।

नागरिकों के हित में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास, मानूसन, जलभराव आदि विषयों पर हुई चर्चा

एमसीडी सदन बैठक में पहले हुआ हंगामा, फिर लंबी चली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की गुरुवार को हुई सदन बैठक में भवन हादसों, आगजनी की घटनाओं, मानसून की तैयारियों और अन्य मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के कारण बैठक को कुछ समय के लिए स्थगित भी करना पड़ा। बैठक की शुरुआत में अपर आयुक्त ने हाल के हादसों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि निगम की संपत्तियों में किसी प्रकार की दुर्घटना या जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। इस पर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) के नेता मुकेश गोयल ने सैदुलाजाब और मालवीय नगर में आग की घटनाओं में 23 लोगों की मौत का मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि क्या ये इलाके निगम के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते और क्या वहां निगम के नियम लागू नहीं होते। इसके बाद विपक्षी पार्षदों ने विरोध शुरू कर दिया। वहीं, अल्पकालिक प्रश्न पर चर्चा की प्रक्रिया को लेकर नाराज आईवीपी नेता मुकेश गोयल और हेमचंद गोयल ने आयुक्त द्वारा जवाब न दिए जाने तथा चर्चा की शुरुआत अन्य सदस्यों से कराने के विरोध में सदन से वॉकआउट कर दिया। बैठक में चर्चा शुरू होने के बाद कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित हुए।

कार्यशाला में आयोजित किए गए विशेषज्ञ सत्र

आईटी मंत्री ने बताया कि कार्यशाला में साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस, महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा, घटना प्रतिक्रिया तंत्र, डेटा गोपनीयता, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा साइबर जोखिम प्रबंधन की वैश्विक सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा, क्षमता निर्माण, सुरक्षा ऑडिट, साइबर जागरूकता तथा विभिन्न सरकारी विभागों में मजबूत सुरक्षा ढांचे को अपनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

मानूसन की तैयारी को लेकर युद्धस्तर पर जारी है कार्य: महापौर

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि सभी पार्षदों को जलभराव जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में एमसीडी मानसून से पहले नालों की डी-सिल्टिंग, जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी का कार्य युद्धस्तर पर कर रही है। महापौर वाही ने कहा कि निगम सदन की बैठक सफलतापूर्वक चली। बैठक के दौरान पक्ष एवं विपक्ष के सभी पार्षदों को अपने विचार रखने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को सदन के समक्ष रखने का अवसर मिला। बैठक में जनहित विषयों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई।

नेता विपक्ष ने लगाए भाजपा पर गंभीर आरोप

नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने हाल की आगजनी की घटनाओं, भवन हादसों, मानसून की तैयारियों तथा राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण का मुद्दा उठाया। इसी दौरान महापौर प्रवेश वाही ने मानसून और जलभराव के मुद्दे पर चर्चा शुरू कराने की बात कही, जिसके बाद सदन में जोरदार नारेबाजी होने लगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य वेल में पहुंच गए और दोनों ओर से तीखा विरोध देखने को मिला। हंगामा बढ़ने पर महापौर ने सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी। बाद में कार्यवाही दोबारा शुरू हुई और देर शाम तक चली।

दिल्ली सरकार ने साइबर सुरक्षा ढांचे को किया और मजबूत: डॉ. पंकज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सरकारी डेटा एवं डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा के लिए दिल्ली ने साइबर सुरक्षा ढांचे को और मजबूत किया है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य, परिवहन एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने गुरूवार को दिल्ली सचिवालय में राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने विषय पर राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में विभिन्न विभागों एवं साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने सुरक्षित डाटा और सुदृढ़ डिजिटल इकोसिस्टम पर मंथन किया। सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षित एवं सुदृढ़ डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग के सहयोग से गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत बनाने विषय पर राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने तेजी से बदलते साइबर खतरे के परिदृश्य के बीच सरकारी डेटा, डिजिटल अवसंरचना और नागरिक सेवाओं की सुरक्षा में साइबर सुरक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज के डिजिटल युग में सरकारी डेटा की सुरक्षा केवल एक तकनीकी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारी जवाबदेही भी है।

खबर संक्षेप

ठगी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने एक साइबर ठगी के मामले का खुलासा करते हुए 24 जून को खाताधारक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान प्रिंस गुप्ता तथा तेजस कुमार, निवासी बरखेड़ा, भोपाल मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने तेजस कुमार को भोपाल तथा प्रिंस गुप्ता को लालगंज, यूपी से काबू किया है।

ठगी के मामले में ग्वालियर से खाताधारक पकड़ाया

फरीदाबाद। ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं टेलीग्राम टास्क के नाम पर 90,430 की साइबर ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एनआईटी फरीदाबाद की टीम ने 24 जून 2026 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय निवासी गांव कितोरा, जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। जिसके खाते में ठगी के 27,980 आए थे।

दो पक्षों में विवाद गोली लगने से युवक घायल

फरीदाबाद। थाना भूपानी क्षेत्र में बुधवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। गांव कावरा कलां स्थित ऋचा कंपनी के पास हुई घटना में जमकर मारपीट और गोलीबारी हुई। जिसमें डूंगरपुर निवासी सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जानकारी के अनुसार बुधवार शाम करीब 5.30 से 6 बजे के बीच राजेश, अरुण और उनके कुछ साथी क्रेटा गाड़ी में कावरा मोड़ से डूंगरपुर की ओर जा रहे थे।

जीडीए सचिव ने पीएमएवाई ईडब्ल्यूएस आवासों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली

विवेक मिश्रा ने परियोजनाओं के निर्माण एवं विकास कार्यों को हर हाल में 30 सितंबर तक पूरा कराने निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

जीडीए सचिव विवेक मिश्रा ने गुरुवार को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी सभी के लिए किफायती आवास एएचपी घटक के अंतर्गत गाजियाबाद विकास प्राधिकरण क्षेत्र में स्वीकृत निजी विकासकर्ताओं एवं प्राधिकरण की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में समस्त निजी विकासकर्ता उपस्थित मिश्रा ने बताया कि समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि निजी विकासकर्ताओं की कुल 11 स्वीकृत परियोजनाओं में से 05 परियोजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं तथा 03 परियोजनाओं के पूर्णता प्रमाण-पत्र शीघ्र प्राप्त होने की प्रक्रिया में हैं।

शेष परियोजनाओं के निर्माण एवं विकास कार्यों को मिशन अवधि 30 सितंबर, 2026 से पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही विकासकर्ताओं को आवश्यक औपचारिकताएँ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु भी निर्देशित किया गया। जीडीए द्वारा विकसित की जा रही 05 परियोजनाओं के अंतर्गत सभी भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। बैठक में सचिव महोदय द्वारा शेष लंबित निजी परियोजनाओं को भी शीघ्र पूर्ण कराते हुए लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि जिन परियोजनाओं को पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त हो चुका है, उनमें पात्र आवंटियों को शीघ्रातिशीघ्र पट्टा विलेख निष्पादित कर कब्जा प्रदान करने की कार्यवाही प्रारम्भ की जाए। इसके अतिरिक्त डूडा स्तर पर लंबित एमआईएस एंट्री एवं अन्य औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करते हुए शेष उपलब्ध आवासों की योजना प्रकाशित कर उनका आवंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सचिव ने निजी विकासकर्ताओं को लाभार्थियों द्वारा जमा की गई धनराशि का विवरण उपलब्ध कराने तथा शेष देय धनराशि जमा कराकर पट्टा विलेख निष्पादन की प्रक्रिया को गति देने के भी निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत निर्मित प्रत्येक आवास का समयबद्ध आवंटन एवं लाभार्थियों को कब्जा उपलब्ध कराना शासन प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

संविधान हत्या दिवस पर आपातकाल की याद में प्रदर्शनी आयोजित

तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की मूल भावना को कुचलते हुए देश पर आपातकाल थोप दिया थाः मूलचंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर संविधान हत्या दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लघु सचिवालय बल्लभगढ़ में हरियाणा सरकार द्वारा विशेष प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और संविधान पर हुए प्रहार से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन बल्लभगढ़ के विधायक एवं हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा, एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतीश फागना, भाजपा जिला महानगर अध्यक्ष सोहनपाल सिंह तथा एसडीएम मयंक भारद्वाज सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है। तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए संविधान की मूल भावना को कुचलते हुए देश पर आपातकाल थोप दिया था। लाखों लोकतंत्र सेनानियों को जेलों में डाला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान हत्या दिवस मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को लोकतंत्र के महत्व तथा आपातकाल की सच्चाई से अवगत कराना है। एनआईटी विधायक सतीश फागना ने कहा कि लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी शक्ति है और आपातकाल के दौरान इसी शक्ति को कमजोर करने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही देश में पुनः लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित हो सकी। युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता टिपरचंद शर्मा, मार्केट कमेटी चेयरमैन संजीव बैंसला, पार्षद रवि भगत, सोनू वैष्णव, महेश गोयल, योगेश शर्मा, जिला महामंत्री कविन्द्र चौधरी, अनुराग गर्ग, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ममता राघव, मंडल अध्यक्ष संजय जांगिड़, बुद्धा सैनी, नवीन चेची, सुषमा यादव, कंचन डागर, सुनील कौशिक, जेपी मास्टर, राजकुमार शर्मा, बबली प्रधान सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आपातकाल के दौरान लोकतंत्र पर हुए प्रहार और लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों की जानकारी प्राप्त की।

सोफा, कुर्सियां और अन्य सामान जला

खातिर ग्रैंड बैंक्वट हॉल में लगी आग फायर ब्रिगेड ने 3 घंटे में पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बाटा चौक के पास बने खातिर ग्रैंड बैंक्वेट हॉल में बुधवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में बैंक्वेट हॉल का बड़ा हिस्सा उसकी चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गईं। फायर ब्रिगेड की चार गाडियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया।

इस घटना में किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है, लेकिन बैंक्वेट हॉल के अंदर रखा काफी सामान जलकर नष्ट हो गया। आग की लपटें उठती देख बैंक्वेट हॉल के अंदर मौजूद कर्मचारी तुरंत बाहर आ गए और उन्होंने घटना की जानकारी हॉल मालिक तथा फायर ब्रिगेड को दी। इसके बाद कर्मचारियों ने अंदर रखे सोफा, कुर्सियां और अन्य सामान को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण काफी सामान को नहीं बचाया जा सका। प्रत्यक्षदर्शी पंकज ने बताया कि वह रात के समय वहां से गुजर रहे थे। तभी उन्हें दूर से तेज रोशनी दिखाई दी और जलने की आवाजें सुनाई दीं। जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि बैंक्वेट हॉल के अंदर आग काफी फैल चुकी थी।

दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

दिल्ली ट्रांसको लि. (राराक्षे दिल्ली सरकार का उपक्रम) निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है :

निविदा सं. T25P111926 : अग्रलिखित की डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और प्रचालन, के साथ-साथ सम्बद्ध पूर्ण सिविल कार्य और ऑटोमेशन (i) 220 केवी सबस्टेशन बीटीपीएस पर 66 केवी जीआईएस के साथ-साथ 3×160 एमवीए पीटीआरएस, (ii) 400/220/66 केवी सब स्टेशन द्वारका में 66 केवी जीआईएस के साथ-साथ 3×160 एमवीए पीटीआरएस, और (iii) 400/220/66 केवी सबस्टेशन हर्ष विहार पर टर्नकी आधार पर 6 अदद जीआईएस फीडर बेज (मौजूदा जीआईएस का विस्तार)।

निविदा के पूर्ण विवरण के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स पर पधारें :- https://govtprocurement.delhi.gov.in (निविदा आईडी संख्याः 2026_DTL_294322_1) और **www.dtl.gov.in** के साथ यूनिक नं. DTL-0061-250626.

बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 14.08.2026 अप. 1.30 बजे।

इस ई-निविदा के सभी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/ संशोधन/ विस्तार की तिथि/स्पष्टीकरण इत्यादि केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर पधारना चाहिए।

होटल पर पुलिस का छापा, आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवतियां

एक महिला. दो पुरुषों को गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पुलिस ने देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक होटल पर छापेमारी की। पुलिस ने होटल संचालन में शामिल एक महिला दो पुरुषों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई सेक्टर-16 स्थित सेंट्रल महिला थाना पुलिस की टीम द्वारा अन्य थाना पुलिस के सहयोग से की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एत्मादपुर क्षेत्र की गली नंबर.2 में स्थित होटल एचआर-07 में देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद सेंट्रल महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उषा रानी के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम में पीएसआई रितु, पीएसआई मोनिका, बीपीटीपी थाना पुलिस, पल्ला थाना पुलिस और खेड़ी थाना पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे। बुधवार शाम पुलिस टीम ने होटल में छापेमारी की गई। पुलिस जब होटल के अंदर पहुंची तो वहां कई कमरे जांचे गए। कार्रवाई के दौरान छह युवतियां और दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मिले। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने पहुंचाया। शुरुआती जांच में पता चला कि दिल्ली से महिलाओं और युवतियों को फरीदाबाद बुलाया जाता था और होटल में देह व्यापार कराया जाता था। पुलिस की जांच में सामने आया कि हिरासत में ली गई अधिकांश युवतियां दिल्ली की रहने वाली हैं। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए होटल संचालन में शामिल एक महिला और दो पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा होटल संचालक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस अवैध गतिविधि में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा यह धंधा कब से चल रहा था।

फरीदाबाद पुलिस के प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **साजिद पुत्र ताहिर पताः मकान नं ए/543 स्ट्रीट नं.9, मुकुंदपुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 463/2014 धारा 392/34 भा.द.स. के तहत** थानाः जहागीरपुरी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **साजिद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **साजिद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 463/2014 धारा 392/34 भा.द.स. के तहत थाना जहागीरपुरी, दिल्ली के उक्त साजिद** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ज्योति नैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07
उतरी, कमरा नं.6, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8345/NW/2026

शख्स जिंदा अपने घर पहुंचा, मचा हड़कंप

जिस शख्स के शव का परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया था, वह अचानक घर पहुंचा, परिजन रह गए आश्चर्यचकित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद। जिस शख्स के शव का परिजनों ने अंतिम संस्कार करने के बाद तेहरवीं की रस्म भी पूरी कर दी थी, गुरुवार को यह शख्स जिन्दा अपने घर पहुंच गया। जिसके बाद परिजन और पुलिस भी स्तब्ध रह गयी। यह शख्स वैशाली सेक्टर-पांच निवासी गिरधर बिष्ट है। गिरधर से जब परिवार वालों ने 13 दिन गायब रहने के बारे में पूछा तब उन्होंने बस यह कहा कि जेल से निकलने के बाद मैं चला गया था और अब वापस आ गया हूं।

इससे पहले पुलिस ने बिष्ट को आपराधिक मामले में पुलिस ने जेल भेज दिया था। अदालत से जमानत होने के बाद भी यह शख्स घर नहीं पहुंचा। जिससे परिजन परेशान थे और उसे तलाश रहे थे। इसी बीच मसूरी की नाहल झाल में 12 जून को एक शख्स का शव बरामद हुआ था। शिनाख्त के लिए गिरधर की मां देवकी देवी और बहन आशा को बुलाया गया। दोनों ने शरीर की चोट और एक जैसे दिखने वाले कपड़ों से पहचान की। इसके बाद शव उन्हें सौंप दिया गया। परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई और डॉक्टर के पैनल से दोबारा पोस्टमार्टम भी कराया। थाने पर हंगामा भी काटा और कड़ी कार्रवाई की मांग रखी।

इसके बाद परिवार वालों ने शव का दाहसंस्कार भी करा दिया। इससे पहले 17 मई को मारपीट के मामले में कौशांबी पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर गिरधर सिंह बिष्ट को जेल भेजा था। 21 मई को एसीपी शालीमार गार्डन की कोर्ट से रिहाई का परवाना भेजा गया और गिरधर जेल से रिहा हो गए लेकिन घर नहीं लौटे। परिवार वालों ने मसूरी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उधर एसीपी इंदिरापुरमअभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि गिरधर के वापस लौटने की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। युवक बिल्कुल ठीक और स्वस्थ्य है। अभी अधिक बातचीत नहीं की गई है। फिलहाल युवक ने जेल से निकलने के बाद अपने मन से जाने की बात कही है।

निर्जला एकादशी पर सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में मीठे पानी का वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए मीठे पानी की सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों तथा आमजन को शीतल मीठा पानी वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में मंदिर के सभी सदस्यों ने मिलकर सक्रिय भागीदारी निभाई और श्रद्धाभाव से लोगों की सेवा की। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि निर्जला एकादशी के अवसर पर प्यासे लोगों को जल पिलाना पुण्य का कार्य है। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन भगवान हनुमान जी के जयकारों के साथ हुआ। सिद्धपीठ हनुमान मंदिर के प्रधान राजेश भाटिया व सभी सदस्यों को इस सेवा कार्य के लिए शुभकामनाएं।

जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की

आर्टिमिस अस्पताल में नर्स से मारपीट का आरोप, हंगामे के बाद केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

यहां सेक्टर-50 थाना एरिया स्थित आर्टिमिस अस्पताल में एक महिला नर्स के साथ कथित मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया है।

जानकारी मिलने पर विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। वहीं सेक्टर-50 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। अस्पताल में कार्यरत नर्स ने आरोप लगाया कि अस्पताल में काम करने वाला एक युवक लंबे समय से उसके साथ अभद्र व्यवहार कर रहा था। नर्स के अनुसार, कई बार चेतावनी देने के बावजूद आरोपी की हरकतें जारी रहीं। आरोप है कि विवाद बढने पर युवक ने अस्पताल परिसर में उसे थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता और पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से आरोपी को उनके हवाले करने की मांग की। मौके पर पहुंचे धर्माचार्य अरुण कृष्ण महाराज और हिंदू वाहिनी से जुड़े दिनेश भारती ने पीड़िता के समर्थन में आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया और कानून व्यवस्था बनाए रखी।

सेक्टर-50 थाना पुलिस ने पीड़ित नर्स की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। नर्स को मेडिकल जांच के लिए नागरिक अस्पताल भेजा गया। प्रभारी इंस्पेक्टर सुखबीर सिंह ने बताया कि मामला अस्पताल के कर्मचारियों के बीच आपसी विवाद से जुड़ा है।

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☚

छपरा जं. एवं आनन्द विहार (ट) के बीच नई सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) रेलगाड़ी संख्या 12527/12528 का शुभारंभ

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे छपरा जं.-आनन्द विहार (ट) के बीच नई सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (सप्ताहिक) रेलगाडी संख्या **12527/12528** का नियमित संचालन निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार प्रारंभ करेगी:-

12527/12528 छपरा जं. - आनन्द विहार (ट) - छपरा जं. सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

रेलगाड़ी सं.: 12527 छपरा जं.-आनन्द विहार (ट) सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (28.06.2026 रवि से प्रभावी)		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 12528 आनन्द विहार (ट)-छपरा जं. सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस (29.06.2026 सोम से प्रभावी)	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:50	छपरा जं.	09:40	---
22:00	22:05	बलिया	08:20	08:25
23:05	23:10	मऊ जं.	07:10	07:15
23:50	23:55	आज़मगढ़	06:30	06:35
01:15	01:20	शाहगंज जं.	04:50	04:55
01:53	01:55	जौनपुर जं.	03:28	03:30
03:28	03:30	सुलतानपुर जं.	01:38	01:40
06:20	06:30	लखनऊ	23:00	23:10
08:15	08:20	कानपुर सेंट्रल	21:35	21:40
11:48	11:50	अलीगढ़ जं.	18:08	18:10
13:18	13:20	गाजियाबाद	16:56	16:58
14:00	---	आनन्द विहार (ट)	----	16:25

चलने के दिनः 12527 छपरा जं. से प्रत्येक रविवार को दिनांक 28.06.2026 को एवं **12528** आनन्द विहार (ट) से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 29.06.2026 को। **स्थानः** प्रथम वाता, वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, वाता-3 टीयर इकॉनमिक, शयनयान एवं सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.govin अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2187/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गुरुग्राम में आयोजित डीलर सम्मेलन में उत्तर भारत के चैनल पार्टनर्स हुए शामिल

जीनस इनोवेशन ने पेश किया हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

एनर्जी स्टोरेज सिस्टम्स और रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कार्यरत जीनस इनोवेशन ने गुरुग्राम में डीलर सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से जुड़े चैनल पार्टनर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कंपनी और उसके पार्टनर्स के बीच सहयोग को मजबूत करना तथा हाइब्रिड सोलर इंटेलिजेंट सॉल्यूशंस से संबंधित नई तकनीकों की जानकारी साझा करना रहा।

इस अवसर पर कंपनी ने अपना नया हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर लॉन्च किया। कंपनी का कहना है कि यह उत्पाद तेजी से बढ़ते सोलर बाजार में स्मार्ट और बैटरी सपोर्ट वाले सोलर समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह इन्वर्टर घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सोलर ऊर्जा के उपयोग को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा। जीनस इनोवेशन के डायरेक्टर एवं चीफ मार्केटिंग एंड सेल्स ऑफिसर यश तोदी ने कहा कि भारत का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। देश में सोलर एनर्जी और एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कंपनी अपने चैनल पार्टनर्स को ऐसी आधुनिक तकनीकों से जोड़ना चाहती है, जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के साथ कारोबार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि हाई-फ्लो हाइब्रिड सोलर इन्वर्टर ऐसे समय में लॉन्च किया गया है, जब घरों और कारोबारों में सोलर ऊर्जा अपनाने की रफ्तार तेज हो रही है। यह समाधान प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अनुरूप भी बताया गया है। देशभर में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा दिए जाने के बीच यह उत्पाद उपभोक्ताओं के लिए उपयोगी विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। सम्मेलन में कंपनी के अधिकारियों ने चैनल पार्टनर्स को उत्पाद की विशेषताओं, सोलर बाजार की संभावनाओं और ग्राहक सेवा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी दी।

सोफा, कुर्सियां और अन्य सामान जला

खातिर ग्रैंड बैंक्वट हॉल में लगी आग फायर ब्रिगेड ने 3 घंटे में पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बाटा चौक के पास बने खातिर ग्रैंड बैंक्वेट हॉल में बुधवार देर रात अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में बैंक्वेट हॉल का बड़ा हिस्सा उसकी चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गईं। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया।

इस घटना में किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है, लेकिन बैंक्वेट हॉल के अंदर रखा काफी सामान जलकर नष्ट हो गया। आग की लपटें उठती देख बैंक्वेट हॉल के अंदर मौजूद कर्मचारी तुरंत बाहर आ गए और उन्होंने घटना की जानकारी हॉल मालिक तथा फायर ब्रिगेड को दी। कर्मचारियों ने अंदर रखे सोफा, कुर्सियां और अन्य सामान को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण काफी सामान को नहीं बचाया जा सका। प्रत्यक्षदर्शी पंकज ने बताया कि वह रात के समय वहां से गुजर रहे थे। तभी उन्हें दूर से तेज रोशनी दिखाई दी और जलने की आवाजें सुनाई दीं। जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि बैंक्वेट हॉल के अंदर आग काफी फैल चुकी थी। कर्मचारी सामान को बाहर निकालने में लगे हुए थे और आसपास के लोग भी वहां एकत्र हो गए थे। उन्होंने बताया कि कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे हॉल को अपनी चपेट में ले लिया था।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की घोषणा

कृषि क्षेत्र में नवाचार, बागवानी क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान लखनऊ में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित करेगी भारत सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश के बागवानी क्षेत्र को नई गति देने के उद्देश्य से लखनऊ में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किए जाने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से किसानों को गुणवत्तायुक्त एवं रोगमुक्त पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उद्यानिकी क्षेत्र का विस्तार होगा और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लखनऊ स्थित योजना भवन के वैचारिकी सभागार में उत्तर प्रदेश के कृषि रोडमैप, कृषि क्षेत्र की विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की संयुक्त समीक्षा की। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि क्षेत्र पर गंभीर मंथन

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए समृद्ध यूपी अनिवार्य है। यूपी जितनी तेजी से कृषि, ग्रामीण विकास व किसानों की समृद्धि के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा, विकसित भारत का लक्ष्य उतनी ही शीघ्रता से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र व राज्य सरकार आपसी समन्वय तथा साझा प्रयासों से राष्ट्रीय संकल्प को अवश्य पूरा करेंगी। उन्होंने कहा कि कृषि, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना तथा जनकल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। उन्होंने कहा कि यूपी कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है, लेकिन बदलते समय की चुनौतियों के बीच विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि क्षेत्र में गंभीर मंथन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से यह समीक्षा बैठक आयोजित की गई है, ताकि कृषि को अधिक उत्पादक, लाभकारी, जलवायु अनुकूल एवं टिकाऊ बनाने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जा सके।

चना, मसूर एवं सरसों खरीद अवधि बढ़ाने की मंजूरी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चना, मसूर एवं सरसों की सरकारी खरीद की अवधि बढ़ाए जाने की मंजूरी भी प्रदान की। उन्होंने इस संबंध में स्वीकृति का आशय पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा। मुख्यमंत्री ने इसके लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के अधिकाधिक किसानों को अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा और उनके हितों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित होगा।

खबर संक्षेप

भरत एनकाउंटर: रिटायर्ड जज परिजनों से मिले

भोजपुर। जिले के बिलौटी गांव में भरत तिवारी एनकाउंटर की जांच तेज हो गई है। जांच के लिए जो

न्यायिक आयोग गठित की गई है उसके अध्यक्ष रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा बिलौटी गांव पहुंचे। गांव जाकर भरत के माता-पिता और अन्य परिजनों से मुलाकात की है। उनके साथ डीआईजी सत्यप्रकाश, डीएम तनय सुल्तानिया व भोजपुर जिले के एसपी राज भी मौजूद रहे।

हाथी ने महिला को कुचलकर मार डाला

कोडरमा। जिले में गुरुवार जंगली हाथी ने 55 साल की महिला को कुचल कर मार डाला। अफसरों ने

बताया कि घटना टेटरियाडीह गांव में हुई। डोमचांच थाना प्रभारी अधिकारी अभिमन्यु पड़ीहारी ने बताया कि सुदामा देवी सुबह आठ बजे खेत की ओर गई थीं, तभी जंगली हाथी ने उन्हें कुचलकर मार डाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

'संविधान हत्या दिवस' पर आयोजित लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह

लालू व मुलायम की वर्तमान पीढ़ी कांग्रेस का चाबुक भूलकर उसी के साए में कर रही राजनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में बने रहने के लिए आपातकाल लगाने का पाप किया था। गुरुवार को पूरा देश 25 जून 1975 का काला दिन याद किया,जब कांग्रेस ने देश के लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया था। सत्ता में बने रहने और न्यायालय के आदेश लागू न होने देने के लिए इंदिरा गांधी ने नागरिकों के अधिकार छीनने का प्रयास किया। कांग्रेस का यह पाप लोकतंत्र और बाबा साहेब के सपनों पर सीधा प्रहार था। लालू प्रसाद व मुलायम सिंह यादव की वर्तमान पीढ़ी कांग्रेस का चाबुक भूलकर उसी के साये में राजनीति कर रही है। मुख्यमंत्री गुरुवार को आपातकाल की 51वीं बरसी 'संविधान हत्या दिवस' पर लखनऊ में आयोजित 'लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया।

कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ में किया था बाबा साहेब के सपनों पर प्रहार

आपात काल की 51 बरसी पर लोकतंत्र की हत्या पर चर्चा

लोकतंत्र समर्थकों की आवाज को दबाया

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र के समर्थक राजनीतिक दलों, जनसामान्य व मीडिया से जुड़े सभी लोगों की आवाज को दबाया। ऐसा क्या था कि कांग्रेस को आपातकाल थोपना पड़ा, एक ही निष्कर्ष निकलता है कि कांग्रेस ने सिर्फ अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए यह पाप किया और इस पाप को छिपाए रखने के लिए नौजवानों, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं व सामाजिक संगठनों की आवाज को दबाने की चेष्टा की।

कांग्रेस के युवराज देशवासियों की आंख में झोंक रहे धूल

मुख्यमंत्री ने कहा, आपातकाल के दौरान न्यायपालिका के अधिकार सीमित कर दिए गए। मीडिया को प्रतिबंधित कर दिया गया। यही नहीं, रात के अंधेरे में भारत के संविधान की प्रस्तावना भी बदल दी गई। यह काम उसी कांग्रेस ने किया, जिसके युवराज संविधान की प्रति लेकर देशवासियों की आंख में धूल झोंक रहे हैं। इनका दोहरा चरित्र वर्तमान पीढ़ी को पता होना चाहिए। इसीलिए 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' आयोजित कर पूरे देश व नौजवान पीढ़ी को इससे अवगत कराने का प्रयास हो रहा है।

लोकतंत्र के प्रति हमारी जवावदेही

सीएम ने कहा कि 4 करोड़ गरीबों को आवास, 12 करोड़ गरीबों के घर में शौचालय, 10 करोड़ गरीबों के घर में रसोई गैस, 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन, 50 करोड़ को आयुष्मान भारत की सुविधा, 25 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से उभरना, सभी कार्य भारत के पुष्ट लोकतंत्र को प्रदर्शित करते हैं। लोकतंत्र का गला घोंटने वाली कांग्रेस, आज भी उसी प्रकार के प्रयास किए जाते हैं।

मुलायम करते थे कांग्रेस से गठबंधन का विरोध

सीएम ने कहा कि इंदिरा गांधी के अत्याचार से आमजन व राजनीतिक दलों के नेता कराह रहे थे। लोकतंत्र के समर्थन में जेल जा रहे थे। ऐसे ही नेताओं लालू प्रसाद व स्व. मुलायम सिंह यादव की वर्तमान पीढ़ी आज उसी कांग्रेस के साए में अपनी राजनीति करती दिखाई दे रही है। कांग्रेस जब भी समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन का प्रयास करती थी, मुलायम उसका विरोध करते थे। वह कहते थे कि कुछ भी हो, कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होना चाहिए। लेकिन उनके उत्तराधिकारी कांग्रेस के डूबते जहाज पर सवार होकर मुलायम सिंह की विरासत भी डुबोने पर उतारू हैं। ये लोग एक साथ होकर लोकतंत्र को कमजोर करने और परिवारवाद की राजनीति को प्रोत्साहित करने के लिए संवैधानिक मान्यताओं के विपरीत आचरण करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जी-20 की बैठक में पीएम मोदी जी ने बताया था कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं, सबसे प्राचीन लोकतंत्र भी है। भारत लोकतंत्र की जननी भी है। जब दुनिया लोकतंत्र के बारे में नहीं जानती थी, तब भारत के तमाम गांवों व क्षेत्रों में लोकतंत्र स्थापित था। यह भारत के डीएनए में है।

यूपी भाजपा की नई टीम का एलान

राजनाथ सिंह के बेटे नीरज व पूजा पाल बनाई गईं उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

यूपी चुनाव के पहले भाजपा ने अपनी नई टीम का एलान कर दिया है। इस टीम में अन्य पिछड़े वर्ग को तरजीह देते हुए 19 उपाध्यक्ष, आठ महामंत्री और 19 संगठन मंत्री बनाए गए हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले नई टीम का एलान कर दिया है। भाजपा की नई टीम में ओबीसी को तरजीह दी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह को भाजपा उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा पूजा पाल और सुरेश राणा को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। नई लिस्ट में 19 उपाध्यक्ष और 8 महामंत्री शामिल हैं। इसी तरह पश्चिम, ब्रज, कानपुर, अवध, काशी और

गोरखपुर के क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। सरोज कुशवाह को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देवेंद्र सिंह किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। अशोक रावत अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रकाश पाल पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। दिनेश प्रताप सिंह मुख्य प्रवक्ता बनाए गए हैं। रोहित मिश्रा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

सम्राट सरकार गूगल, माइक्रोसॉफ्ट से करेगी एमओयू साइन, अब एआई हब बनेगा बिहार

पटना। बिहार एआई का हब बनेगा। इसके लिए गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, सर्वम व को-रोवर जैसी बड़ी कंपनियां बिहार की मदद करेंगी। जल्द इन कंपनियों के साथ बिहार सरकार का अहम एमओयू होगा। सीएम सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी। कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना प्रावैधिकी मंत्री

नीतीश मिश्रा ने बताया कि बिहार सरकार ने राज्य को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

पेज एक का शेष

ढह गई राजधानी...

के कारण देश का टेलीकम्युनिकेशन और बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे पूरे वेनेजुएला में इंटरनेट कनेक्टिविटी ठप हो गई है। भूकंप इतना जोरदार था कि इसका असर 1,700 किलोमीटर दूर पड़ोसी देश कोलंबिया और ब्राजील के अमेजन क्षेत्र तक देखा गया, जहां ऐहतियातन इमारतें खाली करानी पड़ीं। राहत की बात यह रही कि प्यूर्टो रिको और वर्जिन आइलैंड्स के लिए जारी की गई सुनामी की चेतावनी को बाद में रद्द कर दिया गया। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में राष्ट्रीय आपातकाल (इमर्जेंसी) की घोषणा कर दी है।

वेनेजुएला को हर संभव ...

साथ वेनेजुएला को हर प्रकार से सहायता प्रदान की जाएगी। देश के 140 करोड़ नागरिकों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी ने वेनेजुएला की सरकार, वहां के लोगों खासकर इस प्राकृतिक आपदा में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने कहा कि भारत घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करता है और दुख के इस वक्त में सभी प्रभावितों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

जल्द उड़ान भरेगा वायुसेना का विमान: सूत्रों ने बताया कि दुनियाभर में कहीं पर भी प्राकृतिक आपदा के समय पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले देश के रूप में भारत वेनेजुएला को भी जल्द ही मानवीय सहायता प्रदान करेगा। मामले पर जरूरी तैयारियां चल रही हैं। बहुत संभावना है कि भारत से वेनेजुएला तक राहत सामग्री की पहली खेप भेजने के लिए भारतीय वायुसेना के विशालकाय परिवहन विमान सी-17 का इस्तेमाल किया जा सकता है। जल्द ही विमान अपनी उड़ान भरेगा।

यूं तय की जाएगी लंबी दूरी : सूत्रों ने कहा कि भारत से वेनेजुएला के लिए चलाया जाने वाला यह पहला सर्वाधिक दूरी (सात समुंदर पार) वाला मानवीय सहायता अभियान होगा। जिसमें वायुसेना के परिवहन विमान की सीधे वेनेजुएला तक उड़ान न होकर वह अपनी हवाई यात्रा के बीच में किसी एक जगह पर ईंधन भरने के लिए रुक सकता है। यात्रा में 8 से 10 घंटे तक का वक्त लग सकता है। दूरी की तुलना करें तो वेनेजुएला से पहले भारत ने पिछले साल नवंबर महीने में हरिकेन (तूफान) मेलिसा की चपेट में आए कैरिबियन सागर वाले दो द्वीपीय देशों जैसे क्यूबा और जमैका को मानवीय सहायता प्रदान की थी। जबकि अब वेनेजुएला को लेकर इस बाबत तैयारियां जारी हैं। जो कि दक्षिण-अमेरिका मुख्य भूमि पर स्थित दुनिया का एक महत्वपूर्ण देश है।

क्यूबा, जमैका को भेजी 40 टन राहत सामग्री: क्यूबा और जमैका को मेलिसा तूफान से हुए नुकसान के बाद मदद पहुंचाने के लिए भारत ने कुल करीब 40 टन राहत सामग्री की खेप भेजी थी। जिसमें दोनों देशों को बराबर-बराबर मात्रा में यानी क्रमशः 20-20 टन मदद दी गई थी। क्यूबा को नई दिल्ली ने जो 20 टन की मानवीय सहायता भेजी थी। उसमें भीष्म मेडिकल ट्रामा यूनिट, आवश्यक दवाएं, जनरेटर, टेंट, स्वच्छता किट और खाद्य सामग्री शामिल थी। इसके अलावा जमैका को भेजी गई 20 टन राहत सामग्री में भीष्म यूनिट, जनरेटर, टेंट, किचन किट, सोलर लालटेन, स्वच्छता किट मुख्य रूप से शामिल थी।

कपिल सिब्बल की ...

यह होगा कि भाजपा चुनाव में विजयी हो जाएगी। अब सब कुछ सर्वोच्च न्यायालय ही तय कर सकता है। सिब्बल की इस पोस्ट पर भाजपा के आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय ने प्रतिक्रिया दी है। वहीं, इस मामले पर तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, आजकल भारतीय नागरिकता का एकमात्र प्रमाण यह प्रतीत होता है कि कोई व्यक्ति हिंदू के साथ-साथ भाजपा का मतदाता भी हो। कुछ और चलेगा ही नहीं। गीतकार जावेद अख्तर के कहा कि विदेश मंत्रालय का कहना है कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का प्रमाण। सचमुच???। तो क्या वे इस यात्रा दस्तावेज को कुछ लोगों को बिना पूरी तरह से आश्वस्त किए हुए कि यह व्यक्ति भारतीय नागरिक है, प्रदान कर रहे हैं??। यह बेतुका है।

पहले खारिज हुआ ...

पहचान पत्र है। जबकि 20 दिसंबर 2019 को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने मामले पर एक व्यापक स्पष्टीकरण जारी किया था। जिसमें नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस (एनआरसी) और सिटीजनशिप संशोधन कानून (सीएए) को लेकर तत्काल आधार पर पूछे गए प्रश्नों का जवाब दिया गया था। जिसमें बताया कि नागरिकता को जन्म की तिथि और जन्म स्थान में से किसी भी दस्तावेज को जमा कर प्रमाणित किया जा सकता है। लेकिन अभी तक इस बाबत कोई निर्णय नहीं लिया गया है कि इन्हें नागरिकता प्रमाणों के रूप में स्वीकार किया जाएगा या नहीं।

सबसे महत्वपूर्ण है नागरिकता कानून : पीआईबी ने यह भी कहा था कि किसी भी व्यक्ति की नागरिकता, 2009 के नागरिकता नियमों के आधार पर तय होती है। जो कि नागरिकता कानून 1955 पर आधारित हैं। पांच तरीके हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति भारत का नागरिक बन सकता है। उसे जन्म के तहत देश की नागरिकता मिली हो, अपने वंश से मिली हो, रजिस्ट्रेशन की मदद से वह नागरिक बना हो या फिर देशीकरण, समावेशन से उसे भारत की नागरिकता मिली हो सकती है।

1 जुलाई से पासपोर्ट बनाने पर बढ़ेगा खर्च: वहीं, इस पूरे घटनाक्रम के बीच सरकार ने पासपोर्ट बनाने के लिए खर्च की जाने वाली धनराशि बढ़ा दी है। 1 जुलाई 2026 से यह बदलाव देश-विदेश में लागू हो जाएगा। 1980 के पासपोर्ट नियमों में किए गए संशोधन के जरिए केंद्र ने इसी महीने के 20 जून को एक अधिसूचना जारी की थी। जिसके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति को एक 36 पृष्ठों वाला सामान्य-नया पासपोर्ट बनवाने के लिए 2,500 रुपए फीस देनी पड़ेगी। जबकि पूर्व में इसके लिए 1500 रुपए की फीस लगती थी। इसी तरह से तत्काल पासपोर्ट के लिए 3500 की बजाय 5 हजार रुपए की फीस देनी पड़ेगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इसी तर्ज पर एक सामान्य-नए पासपोर्ट और पासपोर्ट को फिर से जारी कराने (60 पृष्ठ शामिल) के लिए लगने वाली आवेदन फीस 2 हजार से बढ़ाकर 3 हजार 500 रुपए की गई है। साथ ही इसी श्रेणी में तत्काल के लिए लगने वाली 4 हजार रुपए की आवेदन फीस को बढ़ाकर 6 हजार रुपए कर दिया गया है।

कल से सेशेल्स की...

मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जबकि दोनों शीर्ष नेता साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। सेशेल्स की संसद (नेशनल असेंबली ऑफ सेशेल्स) को पीएम संबोधित करेंगे। साथ ही उनकी प्रवासी भारतीयों के साथ भी मुलाकात होगी।

सभी क्षेत्रों में मजबूत होगी साझेदारी : भारत और सेशेल्स के बीच दीर्घकालिक साझेदारी है। जिसकी जड़ें साझा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच स्थापित संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी हुई है। भारत के लिए सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मौजूद एक प्रमुख समुद्री पड़ोसी देश होने के अलावा वह नई दिल्ली के महासागर विजन (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ एक्रास रीजन) और ग्लोबल साउथ के देशों के लिए बनी हुई प्रतिबद्धता में भी अहम स्थान रखता है। पीएम मोदी की यह यात्रा दोनों देशों के बीच बनी हुई मजबूत मित्रता को साफ तौर पर प्रदर्शित करती है। इसके अलावा इससे दोनों देशों द्वारा सभी क्षेत्रों में अपने संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए दर्शायी जाने वाली प्रतिबद्धता की भी साफ तौर पर झलक देखने को मिलती है।

बांग्लादेश के लोगों...

दिनेश त्रिवेदी ने दी है। वह ढाका में जमुना फ्यूचर पार्क स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र पर आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि भारत द्वारा बांग्लादेश के लोगों को पहले की तरह मेडिकल वीजा और मानवीय आधार पर जरूरी मामलों को लेकर वीजा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन अब इस नई व्यवस्था यानी पर्यटक वीजा के जरिए भारत, बांग्लादेशों के लोगों के बीच संपर्क को काफी मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रपति को सौंपा परिचय पत्र: पूर्व में त्रिवेदी ने बंगभवन में बांग्लादेश के राष्ट्रपति एच.ई.मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र (क्रेडेंशियल्स) सौंपा। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार और आम जनता की ओर से महामहिम राष्ट्रपति को शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। इसके अलावा दो संप्रभु देशों के लोगों के पारस्परिक कल्याण के मकसद से दोनों देशों की बहुआयामी साझेदारी को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है। अपनी एक्स पोस्ट के जरिए दिनेश त्रिवेदी ने यह जानकारी दी है। त्रिवेदी को गार्ड ऑफ आर्नर भी दिया गया। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन के मुताबिक, त्रिवेदी के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंधों में और अधिक मजबूती देखने को मिलेगी।

विरोध प्रदर्शनों के बीच लगाई थी रोक: बताते चलें कि पूर्व में भारत ने करीब दो साल पहले 2024 में बांग्लादेश में जारी तमाम घटनाक्रमों (छात्रों के उग्र-हिंसक विरोध प्रदर्शनों के वक्त पर) के बीच सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों की वजह से पड़ोसी देश में अपनी वीजा सेवाओं को सीमित करना पड़ा था। जिसमें पर्यटक वीजा पर भी रोक लगाई गई थी। लेकिन अब इसे एक बार फिर से शुरू कर दिया गया है।

पीएम के सलाहकार के मामले पर जताई नाराजगी: वहीं, दूसरी ओर बीते दिनों इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन (आईओआरए) की एक बैठक में भाग लेने के लिए इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आव्रजन अधिकारियों द्वारा बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सलाहकार जाहेद उर रहमान को कुछ देर के लिए रोके जाने के मामले पर दी गई नई दिल्ली के स्पष्टीकरण को पड़ोसी देश ने संतोषजनक नहीं माना है। उसका कहना है कि राजनीतिक माध्यमों से नई दिल्ली को इस बाबत पहले की सूचित कर दिया गया था कि जाहेद रहमान ही इस बैठक में बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बावजूद इसके यह घटना होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और खेदजनक है। बीते मंगलवार को मीडिया ब्रीफिंग में इस मामले पर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि जाहेद उर रहमान आईओआरए की बैठक में भाग लेने के लिए सार्क वीजा के साथ निजी पासपोर्ट पर दिल्ली हवाईअड्डे पर पहुंचे थे। जिसमें आव्रजन अधिकारियों ने उनसे कुछ देर पूछताछ के साथ ही पूरी स्थिति साफ होने के बाद उन्हें जाने की अनुमति दे दी थी। लेकिन उन्होंने स्वयं ही बांग्लादेश वापसी का निर्णय लिया।

डीआरडीओ ने 'नेत्र'...

प्रबंधन क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है। जिसमें डीआरडीओ, वायुसेना और उद्योग जगत का योगदान रहा है। प्रारंभिक स्वीकृति के बाद अब अंतिम स्वीकृति मिलना इस परियोजना की पूर्ण संचालन क्षमता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। मंत्रालय ने इसे उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में और भारत की आत्मनिर्भरता के मामले में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। इस संबंध में कार्यक्रम बेंगलुरु में हुआ था। जिसकी अध्यक्षता उप वायुसेनाप्रमुख एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने की। डीआरडीओ, वायुसेना के मौजूदा और पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने भी आयोजन में भाग लिया।

सिंदूर, बालाकोट एयरस्ट्राइक में किया उपयोगः एयर मार्शल भारती ने ऑपरेशन सिंदूर और बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान इस प्रणाली के परिचालन उपयोग तथा विश्वसनीयता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रौद्योगिकियां सशस्त्र बलों को बदलती हुई युद्ध की परिस्थितियों के अनुरूप प्रणालियों में जरूरी बदलाव, अनुकूलन करने की क्षमता प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी भागीदारों के बीच समन्वय की भी सराहना की है।

पीएम मोदी ने वाजपेयी ...

महसूस किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी की कालजयी पंक्तियां आज भी भारतीय लोकतंत्र के उस कठिन दौर को आवाज देती हैं, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गंभीर दबाव पड़ा था।

अटल जी की कविता की पंक्तियां साझा कीं

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के साथ अटल बिहारी वाजपेयी की कविता की प्रसिद्ध पंक्तियां भी साझा कीं—

झुलसाता जेठ मास,
शरद चांदनी उदास,
सिसकी भरते सावन का,
अंतरघट बीत गया,
एक बरस बीत गया।

मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया कि वे भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की संवेदनाओं से उपजी इन पंक्तियों को सुनें और समझें, जो आज भी आपातकाल के उस दौर की याद दिलाती हैं।

आपातकाल की बरसी पर आयोजित कार्यक्रमः गौरतलब है कि 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू किया गया था। केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष से इस दिन को ₹संविधान हत्या दिवस₹ के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों पर पड़े प्रभाव को याद किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि अटल जी की कविता आज भी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संदेश देती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संविधान हत्या दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी की कविता का उल्लेख कर प्रधानमंत्री ने आपातकाल के इतिहास और लोकतांत्रिक संस्थाओं के महत्व को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया है।

डिजिटल अरेस्ट का ...

ध्वस्त करने के लिए 60 विशेष जांच टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा में एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

फर्जी अदालत आदेश ...

आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और बैंक लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। इन सभी सामग्रियों की फोरेंसिक जांच की जा रही है।

200 से अधिक डिजिटल अरेस्ट मामलों से जुड़े तारः जांच एजेंसी के अनुसार यह कार्रवाई 200 से अधिक डिजिटल अरेस्ट मामलों से जुड़े एक संगठित नेटवर्क की जांच का हिस्सा है। इस नेटवर्क के सदस्य खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग या न्यायालय का अधिकारी बताकर लोगों को डराते थे और उन्हें कथित कानूनी कार्रवाई या गिरफ्तारी का भय दिखाकर बड़ी रकम ठग लेते थे।

सीबीआई ने इस मामले में बी. नरेश (चेन्नई निवासी) और संजीब साहा (कोलकाता निवासी) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों फर्जी कंपनियों के गठन और म्यूल बैंक खातों के संचालन में शामिल थे। इन खातों का इस्तेमाल करीब दो करोड़ रुपये की संदिग्ध आपराधिक आय को वैध दिखाने के लिए किया गया।

विदेशी नागरिक भी बने ठगी का शिकार : सीबीआई को ऐसे संकेत भी मिले हैं कि इस नेटवर्क ने केवल भारतीय नागरिकों को ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों के नागरिकों को भी निशाना बनाया है। एजेंसी ने कहा कि संबंधित देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उचित माध्यमों से इस संबंध में सूचित किया जा रहा है।

साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई जारीः सीबीआई ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर ठगी के मामलों में इस्तेमाल होने वाले बुनियादी ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए अभियान जारी रहेगा। एजेंसी का कहना है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना उसकी प्राथमिकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के वर्षों में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी के मामलों में तेजी आई है, जिसमें अपराधी लोगों को वीडियो कॉल, फर्जी नोटिस और सरकारी एजेंसियों का डर दिखाकर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं।

सारा की नाक बहुत तेज थी। वह झट से बता देती थी कि यह किस सब्जी, फल-फूल या मिठाई की खुशबू है। यहां तक कि यह भी बता देती थी कोई इत्र किस फूल का है। लेकिन एकाएक सारा की खुशबू पहचानने की क्षमता गायब हो गई। उसे लगा, उसके आस-पास बिखरी खुशबू कोई चुरा ले गया। क्या वास्तव में कोई खुशबू चोर था? बच्चो, पढ़ो बहुत प्यारी-सी कहानी।

खुशबू चोर को पकड़ो

कहानी

सूर्यनाथ सिंह

सारा गांव, सारा की नाक का कायल था। किसके घर में किस चीज की सब्जी बन रही है, कौन-सी दाल पक रही है, सारा दूर से ही सूंघ कर पहचान लेती थी। यहां तक कि कौन, किस साबुन से नहा कर आया है, यह झट से बता देती। सारा की आंखें बंद करके मिठाई की दुकान में खड़ा कर दो, तो वह सूंघ कर बता देती कि कौन-सी मिठाई कहां रखी है। वह बहुत सारी खुशबुओं की मिली-जुली गंध में से भी अलग-अलग खुशबुओं की पहचान कर सकती थी। उसे इत्र की दुकान में खड़ा कर दो, तो वह बता देती कि वहां कितने तरह के फूलों के इत्र रखे हैं। मोगरा, चमेली, गुलाब, केवड़ा, रातरानी, चंपा, चंदन, हरसिंगार, ऐसा कोई भी फूल-फल, जड़ी-बूटी नहीं, जिसकी गंध सारा को मालूम नहीं।

सारा के तो सपनों में भी सुगंध आती। उसे सपने भी फूलों से भरे बाग-बगीचों के ही आते। सपने में देखती कि वह तरह-तरह के फूलों से भरे सुंदर बगीचे में घूम रही है। वहां बहुत सारी रंग-बिरंगी तितलियां उड़ रही हैं। भंवरे गुनगुना रहे हैं। उसे सपने में अकसर कोई ऐसी तितली नजर आ जाती, जैसी उसने पहले कभी नहीं देखी। कोई तितली आकर सारा के सिर पर बैठ जाती, तो कोई देर तक उसकी हथेली पर बैठी रहती। कभी-कभी तो उसे लगता कि किसी तितली ने कहीं दूर से कोई खास गंध लाकर उसकी हथेली पर रख दी है। वह तितली शायद उस गंध के बारे में सारा को कुछ बताने की कोशिश भी करती। लेकिन अफसोस कि सारा को उसकी बात समझ नहीं आती।

गांव वाले सारा की गंध सूंघने की क्षमता की तारीफ करते, तो सारा को बहुत अच्छा लगता। मगर एक अफसोस उसके मन में सदा बना रहता कि वह तितलियों से बातें नहीं कर पाती। अगर वह तितलियों की जुबान समझती, तो शायद उसे तरह-तरह की सुगंध के बारे में बहुत सारी जानकारियां मिल पातीं। वह हमेशा यही सोचती रहती कि किस तरह तितलियों की भाषा समझी जा सकती है। उसने मम्मी से पूछा, पापा से पूछा, मंदिर के पुजारी से पूछा। लेकिन किसी ने कोई ऐसा तरीका नहीं बताया, जिससे तितलियों की जुबान समझी जा सके।

एक दिन सारा ने अपनी सबसे प्यारी अध्यापिका से भी पूछा कि तितलियों की बातें कैसे समझी जा सकती हैं? उन्होंने कहा, 'तितलियों की भाषा को कूट रूप में समझने के आंकड़े उपलब्ध हैं। विज्ञान ने इस पर बहुत काम किया है। तुम अपनी विज्ञान की अध्यापिका से पूछो, वह ठीक से बता पाएंगी।' लेकिन सारा को तो विज्ञान अध्यापिका जरा भी पसंद नहीं थीं। एक तो उनका स्वभाव बहुत रूखा था, फिर उनका पूरा जोर इस बात पर होता कि जो बातें किताब में लिखी हैं, उन्हीं पर ध्यान केंद्रित करो। किताब की बातें अगर ठीक से समझ गए, तो आगे का रास्ता बहुत आसान हो जाएगा। किताब से बाहर की बातों पर वे कक्षा में बातें ही नहीं करतीं। जबकि, सारा के पास तो किताबों से बाहर की बातें ही ज्यादा होतीं। दूसरे, सारा का विज्ञान और गणित से भी छत्तीस का ही रिश्ता था। विज्ञान के सिद्धांत उसे बिलकुल पल्ले नहीं पड़ते थे। इसलिए सारा ने तितलियों की भाषा समझने के लिए विज्ञान अध्यापिका से ज्ञान लेने की कोशिश नहीं की।

सारा का अनुभव किताबों के ज्ञान से बड़ा था। वह बड़े गर्व से सबको बताती कि सारा संसार सुगंध से भरा है। इस धरती पर ऐसी कोई वस्तु नहीं, जिसकी अपनी कोई खास गंध न हो।

सारा सुगंध के अपने सुगंधित अनुभवों के साथ बड़ी हो रही थी। वह जैसे-जैसे बड़ी हो रही थी, वैसे-वैसे उसके अनुभव भी बड़े हो रहे थे। अनुभव बदल भी रहे थे। उसके सपनों की दुनिया भी बदल रही थी। ऐसे ही बदलते अनुभवों और सपनों के बीच एक रात उसे सपना आया कि वह एक ऐसी जगह पहुंच गई है, जहां कोई खुशबू नहीं। दुर्गंध ही दुर्गंध है। चारों तरफ सड़ी-गली, बदबूदार चीजें बिखरी हुई हैं। दूर-दूर तक कोई फूल नहीं, कोई पेड़-पौधा नहीं, हरी घास का तिनका तक नहीं। सब तरफ कचरे का काला बजबजाता वातावरण। तेज, तीखी दुर्गंध से उसकी नाक जैसे जलने लगी थी। वह नींद में पसीने-पसीने हो गई। नींद खुल गई। वह उठ कर बिस्तर पर बैठ गई थी। पहली बार उसे बोध हुआ कि सारा संसार सुगंध से भरा नहीं है। दुनिया में बहुत कुछ बदबूदार भी है। उस सपने के बाद सारा कुछ उदास हो गई थी। गंभीर रहने लगी थी। उसके भीतर अपने आस-पास के बाहर की दुनिया को जानने की जिज्ञासा जोर मारने लगी थी। तब उसे किताबों की बातों पर भरोसा कुछ बढ़ गया था।

ऐसे ही एक दिन, सारा सोकर उठी तो महसूस किया कि उसे किसी भी चीज की गंध नहीं आ रही। वह घबरा गई। वह भागी फूलों के बगीचे की तरफ। उसे वहां भी कोई गंध महसूस नहीं हुई। उसने एक-एक फूल को पकड़ कर, नाक से लगा कर सूंघना शुरू किया। लेकिन उनमें पहले जैसी खुशबू नहीं रह गई थी। सारा परेशान हो गई। उसे लगा कि संसार की सुगंध किसी ने रातों-रात चोरी कर ली है। वह वहीं बगीचे में बैठ कर रोने लगी। कुछ देर रोते रहने के बाद उसने अपने आंसू पोंछे और घर लौट आई। मां को बताया, पापा को बताया कि कोई फूलों की खुशबू चुरा ले गया है। उसे किसी भी चीज से कोई खुशबू नहीं आ रही। मम्मी-पापा को हैरानी तो हुई, पर सारा की बात समझ में नहीं आई। उन्होंने सोचा, सारा बच्ची है, और बच्चों को इस तरह के ख्याल इस उम्र में आते ही रहते हैं। कोई फूलों की खुशबू कैसे चुरा सकता है! उन्होंने सारा को यह बात समझाने की कोशिश भी की, लेकिन सारा भला कहां समझने वाली थी। उसे तो किसी भी तरह खुशबू चोर को पकड़ना था। सारा के मौसा पास के थाने में थानेदार थे। पापा को लेकर सारा उनके पास पहुंच गई। उसने बड़े अधिकार भाव से कहा कि खुशबू चोर को पकड़िए। पहले तो मौसा हंसे, फिर गंभीर हो गए। उन्होंने सारा के पापा को समझाया, 'इसे किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाओ। यह किसी बीमारी का लक्षण लगता है।'

सारा को डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने बहुत सारी जांचें करवाईं। जांच में सब कुछ सामान्य था। सारा के मम्मी-पापा ने राहत की सांस ली कि उसे कोई बीमारी नहीं है। लेकिन सारा की समस्या तो जस की तस बनी हुई थी। तब डॉक्टर ने उसे समझाया, 'तुमने विज्ञान की किताब में तो पढ़ा ही होगा कि भाप बन कर उड़ने वाले सूक्ष्म बैक्टीरिया सुगंध या किसी भी तरह की गंध को पैदा करते हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु में हो रहे तेजी से बदलाव की वजह से बहुत सारे हानिकारक बैक्टीरिया पैदा हो रहे हैं, तो बहुत सारे बैक्टीरिया नष्ट भी हो रहे हैं। प्रदूषण फैलता हुआ तुम्हारे गांव तक आ गया है, जो खुशबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मार रहा है। इसीलिए, अब फूलों की खुशबू पहले की तरह वातावरण में नहीं फैल पाती। तुम्हारी खुशबू चुराने वाला कोई और नहीं, यह पर्यावरणीय प्रदूषण है।'

डॉक्टर की बातें सुनकर सारा की चिंता और बढ़ गई। वह सोचने लगी कि इस खुशबू चोर को कैसे पकड़े और सजा दे। वह फिर से फूलों में खुशबू भरने के उपाय सोचने लगी थी। दिन-रात किताबों में डूबी रहने लगी। उसे विश्वास था कि एक न एक दिन, उसके चारों तरफ फिर से उसी तरह सुगंध तैरेगी, जिस तरह पहले तैरा करती थी। वह उस खुशबू चोर के बारे में जितना पढ़ती, समस्या समाधान का उसका हौसला उतना ही बढ़ता जाता। *

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

मानसून कब तक आएगा!

सूरज तमक रहे तमतम जी,
पल-पल होते और गरम जी।
सीधी-तिरछी तीखी-किरणें,
जमकर मचा रहीं ऊधम जी।
नाच रही लू वाली लपटें,
दिखा रहीं अपना दमखम जी।

घर से जरा देर ही निकले,
हुए पसीने में तर हम जी।
मानसून कब तक आएगा,
कब करवट लेगा मौसम जी।
कब छाएंगे काले-बादल,
कब होगी वर्षा झम-झम जी।

प्राकृतिक आश्चर्य

नयनतारा

बच्चो, तुमने रेनबो जरूर देखा होगा और माउंटेन भी! आज हम तुम्हें एक अनोखे माउंटेन के बारे में बता रहे हैं, जो रेनबो जैसा दिखता है।

रेनबो जैसा दिखने वाला अनोखा माउंटेन विनीकुंका

बच्चो, कुछ लैंडस्केप इतने खूबसूरत, इतने अद्भुत-अविश्वसनीय होते हैं कि उन्हें देखकर आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। ऐसा लगता है कि किसी ने उसे रंगों से सजाया-संवारा है। हमारी पृथ्वी पर ऐसी अनेक अद्भुत-अविश्वसनीय जगहें हैं।

रेनबो माउंटेन विनीकुंका: पेरू की एंडीज पर्वत श्रृंखला में 5 हजार मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर स्थित एक पहाड़ है, जिसका नाम है- विनीकुंका। इस पहाड़ को देखने पर ऐसा प्रतीत होता है मानो किसी ने इसे अलग-अलग रंगों से पेंट कर दिया हो। इस पहाड़ की ढलान पर अनेक रंग हैं, जो रोशनी और दूरी के हिसाब से बदलते हुए नजर आते हैं।

अपने नेचुरल कलरफुल ढलानों की वजह से इस रंग-बिरंगे पहाड़ को देखते हुए ऐसा लगता है, जैसे हम किसी इंद्रधनुषीय पर्वत (रेनबो माउंटेन) को देख रहे हों। इसीलिए इसे रेनबो माउंटेन कहा जाता है।

कहां से आए रंग: अब सवाल यह है कि इस रेनबो माउंटेन में आखिर इंद्रधनुषीय रंग आए कहां से? बच्चो, सदियों से खनिजों की जो परतें इस पहाड़ पर बनी हैं, उनकी वजह से इसके लैंडस्केप पर अलग-अलग रंग आ गए। आयरन ऑक्साइड की वजह से पहाड़ में लाल रंग नजर आता है तो पीला और सुनहरा रंग सल्फाइड खनिजों की उपस्थिति के कारण दिखता है। हरा रंग क्लोराइट व अन्य कंपाउंड्स की वजह से तो सेडीमेंटरी परतों के मिश्रण से ब्राउन और पर्पल टोन नजर आते हैं। और भी कुछ गहरे-हल्के रंग अलग-अलग खनिज परतों की वजह से इस पहाड़ पर नजर आते हैं।

हमेशा ऐसा नहीं दिखाई देता था: आज अपनी खूबसूरती और अनोखेपन की वजह से दुनिया भर में मशहूर विनीकुंका माउंटेन (रेनबो माउंटेन) हमेशा ऐसा नहीं दिखाई देता था। यह लंबे समय तक बर्फ से ढंका रहा। जलवायु परिवर्तन की वजह से कुछ साल पहले जब बर्फ की परत इस पर से हटने लगी तो इसका रंगीन, इंद्रधनुषीय पैटर्न भी दिखाई देने लगा। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बच्चो, हाल में ही परोपकार, वीरता, बलिदान, दृढ़ संकल्प जैसे मानवीय गुणों की प्रेरणा देने वाली दस कहानियों की किताब 'शौर्य और बलिदान की कहानियां' छपकर आई है। इन कहानियों को प्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. करुणा पांडे ने लिखा है।

'दृढ़ निश्चय' संकल्प और अपनी मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने को तत्पर एक युवक शतमन्यु की कहानी है। अपने देश को अकाल से मुक्त कराने के लिए वह इंद्र देवता को प्रसन्न करने वाले यज्ञ में अपने बलिदान के लिए सहर्ष तैयार हो जाता है। फिर उसका देश अकाल से कैसे मुक्त होता है, यह इस कहानी में पढ़ सकते हो। 'ऐश्वर्य भोग की लालसा' में तुम ऋषि आत्रेय की कहानी में पढ़ोगे कि ज्यादा सुख-सुविधाओं की लालसा करना किस तरह से अनेक दुखों का कारण बन सकता है। करुणा और दूसरों पर उपकार करने की भावना किस तरह क्रूर व्यक्ति का भी हृदय परिवर्तन कर सकती है, इसे बहुत अच्छी तरह से 'परोपकारी भावना' कहानी में बताया गया है। इसमें तुम पढ़ोगे किस तरह दुष्ट यक्ष शूलपाणि, भगवान महावीर का शिष्य बन जाता है? 'शेर का बच्चा शमशेर' एक बहुत बहादुर और साहसी युवक बालकृष्ण की कहानी है, जो अपनी वीरता के बल पर शेर को हराकर राजा के सामने अपनी बेगुनाही साबित करता है फिर उसी की सेना में बड़ा अफसर बनकर शत्रु देश से युद्ध में वीर गति प्राप्त करता है। इनके अलावा 'पिता का मंत्र' और 'शरणार्थी के लिए बलिदान' जैसी कहानियां भी प्रेरित करने वाली हैं। *

किताब: शौर्य और बलिदान की कहानियां (बालकथा संग्रह), **लेखिका:** डॉ. करुणा पांडे, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** श्वेता बुक एजेंसी, पिलानी

बूझो तो जानें

1 वर्षा के थमते ही नभ में
आता है मुस्कान लुटाता,
इसको प्यारा, उसको प्यारा
रखे सात रंगों से नाता!

2 आदिकाल से जब से दुनिया
बादल की वह बनी सहेली,
जिस पर गिरे तबाही लाती
कड़कदार है नार-नवेली!

3 सभी जानते नौ ग्रह होते
इन सबका वह मुखिया,
उसके बिना असंभव जीवन
जल्दी बूझो मुनिया!

-डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर: 1. इंद्रधनुष, 2. बिजली, 3. सूरज

रोचक जानकारी

वीना

बच्चो, अपने देश में स्थित 'मैंगो कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' और 'मैंगो सिटी' के नाम से मशहूर दो अलग-अलग स्थानों के बारे में जानो।

अपने देश में कहां हैं मैंगो सिटी-मैंगो कैपिटल

बच्चो, इन दिनों तुम मीठे-रसीले आम खूब मजे लेकर खा रहे होगे। अपने बेमिसाल स्वाद और गुणों के कारण आम फलों का राजा कहलाता है। क्या तुम जानते हो अपने देश में एक ऐसा शहर भी है, जिसे इंडिया का 'मैंगो सिटी' के नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, अपने देश में एक ऐसी जगह भी है, जिसे 'मैंगो कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' यानी 'दुनिया की आम राजधानी' के रूप में जाना जाता है।

मालदा है मैंगो सिटी: भारत के पश्चिम बंगाल में एक जिला है-मालदा। यहां की जलवायु और मिट्टी आम के उत्पादन की दृष्टि से बहुत ही अनुकूल है। इस शहर में आम की अलग-अलग किस्मों, जैसे- फजली, लंगड़ा आदि की बड़ी मात्रा में पैदावार होती है। बच्चो, तुम्हें बता दें कि एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट किस्म के आम का नाम इसी शहर के नाम पर 'मालदा' पड़ा है। आम की बेहतरीन किस्मों की भरपूर पैदावार होने के कारण ही मालदा को इंडिया का 'मैंगो सिटी' यानी 'आम का शहर' के नाम से भी जाना जाता है।

वर्ल्ड का मैंगो कैपिटल-मलीहाबाद: बच्चो, भारत के राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पास एक छोटा-सा खूबसूरत कस्बा है मलीहाबाद। यह कस्बा दुनिया की 'आम राजधानी' यानी 'मैंगो कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से मशहूर है। मलीहाबाद में आम उगाने की एक पुरानी परंपरा रही है, जिसका इतिहास नवाबों के दौर यानी मध्यकाल से जुड़ा हुआ है। यहां की आबोहवा और उपजाऊ मिट्टी आम की खेती के लिए बहुत अनुकूल है। इस कारण यहां पैदा होने वाले आमों की मिठास, मनमोहक खुशबू और मुलायम गूदे का कोई मुकाबला ही नहीं है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि मलीहाबाद की शान माने जाने वाले दशहरी आम का 200 साल पुराना 'मातृ पेड़' (मदर ट्री) आज भी यहां शान के साथ खड़ा हुआ है। दशहरी के अलावा यहां उगने वाले अन्य किस्म के आम भी बहुत स्वादिष्ट होते हैं, जिनमें लंगड़ा, चौसा, सफेदा और आम्रपाली प्रमुख हैं। *

जीके क्विज-211

1. असम के किस पारंपरिक वाद्य यंत्र को हाल ही में जीआई टैग दिया गया है?
2. इस साल टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों की सूची में शामिल एकमात्र भारतीय खिलाड़ी कौन है?
3. वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष का नाम क्या है?
4. क्रिस्टियानो रोनाल्डो किस खेल के विश्वप्रसिद्ध खिलाड़ी हैं?
5. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का मुख्यालय कहां स्थित है?
6. लोकसभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?
7. भारत का पहला परमाणु परीक्षण कहां हुआ था?
8. भारत का अंतिम मुगल सम्राट कौन था?
9. कंचनजंगा पर्वत किस राज्य में स्थित है?
10. किस देश को 'सूर्योदय का देश' कहा जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-211 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-210 का उत्तर: 1.जनरल उपेंद्र द्विवेदी, 2.मेक्सिको सिटी, 3.स्लोवाकिया, 4.परमवीर चक्र, 5.बेंगलुरु, 6.शाहजहां, 7.आर्कटिक सागर, 8.एंपीयर, 9.परम 8000, 10.11 खिलाड़ी

जीके क्विज-210 का सही उत्तर देने वाले : जिया शिया-रायगढ़, जमुना-बलौदा बाजार, मेघा-ईमेल से, कबीर-हिसार, मोहनीश-गरियाबंद, कुसुम-रायपुर, रजत-बिलासपुर, ईशान-भोपाल, प्रवीण-रोहतक, साकेत-दुर्ग, हर्ष-महासमुंद, रानी-दुर्ग

अंतर बताओ

बच्चो, यहां फुटबॉल खेल रहे लड़कों के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

उत्तर: 1.आसमान में बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 2.गोल करने वाले लड़के की आंखें बंद हैं। 3. लड़के की जर्सी का नंबर बदला हुआ है। 4. लड़के के दाहिने पैर के जूते में भी दो धारियां बनी हुई हैं। 5. मैदान में आगे घास कुछ कम दिख रही है।

राइमिंग वर्ड्स सोचो

बच्चो, यहां चित्र में दिख रहे जंतुओं-वस्तुओं के नाम एक ही राइम में हैं। तुम ऐसे ही कुछ और नाम बताओ, जो इन राइम्स से मैच करते हों।

खबर संक्षेप

गुणवत्ता की निगरानी के मानक मापदंड किए जाएं निर्धारितः पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि योजनाओं की मंशा और क्रियान्वयन की व्यवहारिकता में संवेदनशीलता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन मुख्यतः तकनीकी विषय है, इसलिए, हितग्राहियों की प्रतिक्रिया पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। निर्माण सामग्री एवं कार्य की गुणवत्ता की निगरानी के मानक मापदंड निर्धारित किए जाए। अधिकारियों द्वारा निगरानी मापदंड के अनुसार नियमित गुणवत्ता परीक्षण करना चाहिए। राज्यपाल पटेल लोक भवन में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

एम्सः क्वालिटी मैनेजर सर्टिफिकेशन आयोजित

भोपाल। एम्स भोपाल के अस्पताल प्रशासन विभाग एवं गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा एनएबीएच के सहयोग से क्वालिटी मैनेजर सर्टिफिकेशन कोर्स आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न क्लिनिकल एवं गैर-क्लिनिकल विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, एनएबीएच मानक, रोगी सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन, ऑडिट तथा सतत गुणवत्ता सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

गबन मामलाःतत्कालीन शहडोल बीईओ अशोक शर्मा बर्खास्त

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने शहडोल जिले के बुढ़ार क्षेत्र के तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अशोक कुमार शर्मा को करोड़ों रुपए के गबन के मामले में सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभाग ने 23 जून 2026 को जारी आदेश में वित्तीय अनियमितताओं और शासकीय धन के गबन के आरोपों को गंभीर मानते हुए यह कार्रवाई की है। विभागीय आदेश के अनुसार मूल रूप से व्याख्याता पद पर पदस्थ अशोक कुमार शर्मा ने वर्ष 2014 से 2020 के बीच बुढ़ार क्षेत्र में विभिन्न बैंक खातों का संचालन करते हुए करीब 1 करोड़ 1 लाख 72 हजार 176 रुपए का गबन किया था। मामले के उजागर होने के बाद उनके खिलाफ बुढ़ार थाने में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद वर्ष 2021 में उन्हें निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद कार्रवाई की गई है।

राज्य व्यापी साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 का शुभारंभ कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा...

सावधानी में बचावः कोई अनजान लिंक मिले, कोई डराए-धमकाए तो रुको, सोचो और फिर एक्शन लो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सायबर खतरा एक ऐसा अदृश्य दुश्मन है, जो बिना दस्तक दिए हमारे घरों तक पहुंच रहा है। सायबर खतरों को समझना ही उनसे बचने का सबसे बड़ा रास्ता है। सावधानी ही सुरक्षा है और जानकारी ही बचाव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट, डीप-फेक, फेक प्रोफाइल, हैकिंग, डेटा ब्रीचिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन शॉपिंग ठगी, रैनसमवेयर हमले और फर्जी निवेश लिंक जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं।

प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित 'राज्य व्यापी सायबर जागरूकता अभियान' के तहत सेफ क्लिक 2.0 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश की जनता को सायबर सुरक्षा के तीन महत्वपूर्ण सूत्र 'जागरूकता, सावधानी और सहभागिता' के बारे में बताकर कहा कि जो लोग सायबर सुरक्षा की जानकारी रखते हैं, वे दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। अभियान 24 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक प्रदेश के 10 संभाग, 55 जिलों और 50 हजार से अधिक गांव में एक साथ चलेगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सायबर सुरक्षा) ए. साईं मनोहर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले 2 सप्ताह में पुलिस इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम करेगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे सहित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स भी उपस्थित थे।

साइबर सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने की जरूरत, हर नागरिक बने डिजिटली जागरूक

8 जुलाई तक चलेगा यह राज्य व्यापी जनजागरुकता अभियान

समारोह में पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते डॉ. यादव।

जागरुकता ही साइबर क्राइम से बचाव का सुरक्षा कवचः डीजीपी

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि मप्र पुलिस 24 जून से 8 जुलाई तक सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज साइबर अपराध केवल एक आर्थिक चुनौती नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय सुरक्षा के भी जुड़ा गंभीर विषय है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और करीब 80 प्रतिशत शिकायतें वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित होती हैं। डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, फर्जी प्रोफाइल, फर्जी सिमकार्ड, म्यूल बैंक अकाउंट, महिला एवं बच्चों के जुड़े अपराधों की संख्या भी बढ़ी है।

मप्र पुलिस हमेशा संकटमोचक हनुमान की भूमिका में

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूली बच्चों के लिए तैयार की गई साइबर जागरूकता बुकलेट्स तथा अभियान के ऑफिशियल वीडियो का विमोचन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने साइबर जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने अभियान के संचालन के लिए मप्र पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि संकट के समय मप्र पुलिस हमेशा संकटमोचक हनुमान की भूमिका में रहती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में विभिन्न साइबर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 33 लाख से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया। अब अभियान का विस्तार पंचायतों, स्कूलों, बैंकों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि साइबर अपराधों के प्रति प्रदेशवासियों को जागरूक करने के लिए मप्र पुलिस का सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी एक प्रकार से डिजिटल दौर के राक्षस हैं, जो दबे पांव लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल के जरिए हमारे साथ सेंधमारी और डकैती करते हैं। मप्र पुलिस ने देश में पहली बार साइबर डकैती का लाइव पर्दाफाश किया था। इसके लिए मप्र पुलिस बधाई की पात्र है।

उद्योगों के लिए प्रदेश में पारदर्शी और उद्योग मित्र नीतियां लागू

विकसित भारत में 2 ट्रिलियन डॉलर का होगा मप्र का योगदानः सीएम डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

सीएम ने उद्योगपतियों से राज्य में निवेश संभावनाओं का लाभ उठाने का किया आह्वान

मप्र देश के मध्य में होने से कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स का विशेष लाभ भी मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत २\@2047 और अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार का प्रयास होगा कि इसमें से लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर का योगदान मप्र का हो।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मप्र की गिनती देश के सबसे तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में हो रही है। हम 'विरासत भी और विकास भी' के पथ पर लगातार अग्रसर हो रहे है। डॉ. यादव 'विकसित मप्र' विषय पर भोपाल में आयोजित कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कॉन्क्लेव में शामिल उद्योगपतियों से राज्य में मौजूद निवेश संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि मप्र की विशेषता है कि एक बार जो मप्र आता है, यहीं का होकर रह जाता है। कार्यक्रम में उद्योग व्यापार जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि तथा नीति निर्माता शामिल हुए।

चारों दिशाओं में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए अधोसंरचना विकास पर विशेष बल

कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों को संबोधित करते सीएम डॉ. यादव।

विकसित मप्र पर कॉन्क्लेव आयोजित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पिछले तीन साल से विकास का कारवां लगातार आगे बढ़ रहा है। मप्र में नए उद्योग स्थापित करने के लिए पर्याप्त लैंड बैंक है। राज्य सरकार ने उद्योग अनुकूल वातावरण तैयार करने लिए पारदर्शी और उद्योग मित्र नीतियां लागू की हैं। मप्र की इन्हीं विशेषताओं के कारण निवेशक उद्योग लगाने के लिए राज्य में आ रहे हैं। देश के मध्य में स्थित होने के कारण उन्हें कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स का विशेष लाभ भी मिलेगा। प्रदेश सरकार ने चारों दिशाओं में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए अधोसंरचना विकास पर विशेष बल दिया है।

प्रदेश के 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आ चुके धरातल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें अभूतपूर्व निवेश प्राप्त हुआ और एमओयू साइन हुए। प्रसन्नता का विषय है कि 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को राज्य सरकार धरातल पर ला चुकी है। मप्र की छवि कृषि प्रधान राज्य के साथ उद्योग मित्र राज्य की भी बनी है। राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग और रोजगार को समर्पित किया था। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय युवा प्रतिभाओं ने दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियों में शीर्ष पदों पर पहुंचकर भारत का मान बढ़ाया है। स्पेस टेक्नोलॉजी में भारतीय वैज्ञानिकों ने नए कीर्तिमान गढ़े हैं। राज्य सरकार ने भी अपनी स्पेस-टेक पॉलिसी लॉन्च की है। मप्र को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। कॉन्क्लेव में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सूक्ष्म लघु एवं उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप, मुख्य सचिव अनुराग जैन विशेष रूप से उपस्थित थे।

कॉन्क्लेव में उपस्थित उद्योगपति, संस्थाओं के प्रतिनिधि।

राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष पवैया ने ली बैठक

बड़े तालाब के लिए तीन सौ करोड़ का पैकेज, 36 पंचायतें बनेंगी राजस्व मॉडल

बैठक में पवैया ने मंत्री, विधायकों, सांसद और जनप्रतिनिधियों से चर्चा की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के भविष्य के लिए बड़े तालाब के समग्र विकास के लिए तीन सौ करोड़ का पैकेज, शहरी क्षेत्र से लगी 36 पंचायतों को राजस्व मॉडल बनाने और भोपाल का मास्टर प्लान लागू करने की जरूरत है। जिससे भोपाल के विकास को पंख लग जाएंगे। यह बात बुधवार को राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया से कही।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि भोपाल का मास्टर प्लान लागू नहीं होने से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास में अड़चन आ रही हैं। वीआईपी गेस्ट हाउस में रखी गई बैठक में आयोग के अध्यक्ष पवैया ने जनप्रतिनिधियों की मांगों को सुना। बैठक में प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री से मिलने वाले टैक्स को सीधे नगरीय निकायों को देने और सरकारी भवनों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूली करने का सुझाव दिया। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि शहरी क्षेत्र से लगी 36 पंचायतों को राजस्व मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

बैठक में बैरसिया विधानसभा विधायक विष्णु खत्री ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि गांवों में स्कूल, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी और सामुदायिक भवनों के लिए पहले से जमीन आरक्षित की जानी चाहिए।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	भाग–B: DUK सेक्शन में मौजूदा 105 sq. mm. G–जम्पर को 160 sq. mm. जम्पर से बदलना इनकनेक्शन विथ ऑग्मेंटेशन ऑफ TRD एसेट्स बय रेप्लेसिंग ओवरएज्ड सेक्शन इन्सुलेटर्स लौ रेटिंग आईसोलेटर्स एंड रस्टी कंटिलीवरस अलोंग विथ उपग्रडेशन जम्पर
2	अनुमानित लागत	Rs. 2,65,90,268.20/-
3	बयाना राशि	Rs. 5,31,800/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	11.07.2026 (00:00 बजे) से 25.07.2026 (13:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	25.07.2026 (13.00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	RRSK (PH-36)
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्याः 15-क.वि.–नई दिल्ली–2026–27 दिनांक : 25.06.2026 2207/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा संख्याः 14-क.वि.-नई दिल्ली-2026-27 दिनांक : 25.06.2026

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	भाग-A: DUK सेक्शन में TRD एसेट्स को बेहतर बनाने के तहत पुरानी हो चुकी सेक्शन इंसुलेटर, कम रेटिंग वाले आइसोलेटर और जंग लगे कैंटिलीवर को बदलने और जम्पर को अपग्रेड करने का काम।
2	अनुमानित लागत	रु. 2,18,40,495.86/-
3	बयाना राशि	रु. 4,36,800/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	11.07.2026 (00:00 बजे) से 25.07.2026 (13:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	25.07.2026 (13:00 बजे)
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

2206/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद इम्तियाज पुत्र स्वर्गीय बाबुद्दीन निवासी गाँव बसंतपुर सैतली, तहसील, मोदी नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 212/2021 U/S 498A/406/34 IPC, अन्तर्गत थाना जी.टी.बी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इम्तियाज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इम्तियाज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 212/2021 U/S 498A/406/34 IPC, अन्तर्गत थाना जी.टी.बी एन्कलेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इम्तियाज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष ;या मेरे समक्षद्ध उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री शिप्रा धनखड़
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, महिला न्यायालय
न्यायालय नंबर 55, दूसरी मंजिल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/7680/SHD/2026(Court Matter)

पीडब्ल्यूडी मंत्री सिंह और प्रमुख सचिव की बैठक का निकला नतीजा

धार-टीकमगढ़ में घटिया निर्माण पर सख्ती, ठेकेदारों को थमाए नोटिस, 28 कार्यों में सुधार के दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सख्त रुख अपनाया है। धार और टीकमगढ़ जिलों में सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों और एजेंसियों को नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 28 निर्माण कार्यों में सुधार के निर्देश भी दिए गए हैं। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह के निर्देश पर प्रदेशभर में निर्माणाधीन और पूर्ण हो चुके कार्यों की नियमित गुणवत्ता जांच कराई जा रही है।

इसी क्रम में गठित सात जांच दलों ने हरदा, डिंडोरी, अशोकनगर, धार, सिंगरौली, देवास और टीकमगढ़ जिलों में 35 निर्माण कार्यों का रैंडम निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान धार जिले में परफॉर्मेंस गारंटी के तहत निर्मित मनावर-सिंघाना-कुक्षी मार्ग की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई।

सड़क निर्माण कार्य में भी खामियां मिली

ठेकेदार मैसर्स एएच इंफ्रास्ट्रक्चर के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। टीकमगढ़-जतारा-पलेरा-नौगांव मार्ग पर किए गए सड़क निर्माण कार्य में भी खामियां मिलने पर डीबीएल टीकमगढ़-नौगांव टोलवेज प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल को नोटिस जारी कर निर्धारित समय सीमा में सुधार कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय में सुधार नहीं होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा धार जिले में गवर्नमेंट एक्सीलेंस हायर सेकेंडरी स्कूल, दाही और इंदौर में भवन निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता अपेक्षित स्तर की नहीं मिलने पर संबंधित सलाहकार एजेंसी आईक्यूटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण रिपोर्ट की समीक्षा एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में हुई। विभाग ने 28 अन्य निर्माण कार्यों में आंशिक सुधार के निर्देश जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

---

108 देशों के छात्र लेंगे इस मिशन में हिस्सा

चांद पर जाने के लिए सैटेलाइट बनाएगी प्रदेश की बिटिया महिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

10वीं क्लास की महिमा राजपूत को बड़ी सफलता मिली है। रायपुर की रहने वाली महिमा का चयन अंतरराष्ट्रीय स्पेस मिशन के लिए हुआ है। वह चांद पर जाने के लिए सैटेलाइट बनाएगी।

महिमा की उपलब्धि पर पूरे प्रदेश को गर्व है। दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल है। रायपुर के तिलक नगर में स्थित इसी स्कूल में महिमा पढ़ती है। उसका चयन अंतराष्ट्रीय स्पेस मिशन 'ShakthiSAT' के लिए हुआ है। वह चांद पर जाने के लिए सैटेलाइट बनाएगी। इस मिशन में 108 देशों के छात्र हिस्सा लेंगे। महिमा राजपूत ने कहा कि मेरा चयन शक्तिशैट मिशन के लिए हुआ है। मेरे प्रिंसिपल ने मेरे गाइडेंस टीचर को इसके बारे में बताया और उन्होंने मेरा रजिस्ट्रेशन कर दिया। रजिस्ट्रेशन के बाद कुछ मॉड्यूल आए, जिनसे साइंस और सैटेलाइट के बारे में बेसिक कॉन्सेप्ट्स क्लियर हुए।

दुल्हन के निर्णय की हो रही तारीफ, एसपी पांडेय ने किया सम्मान

बारात के वक्त नशे में धुत दुल्हे की सूचना मिलते ही दुल्हन ने शादी से किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जांजगीर चांपा

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के एक गांव में विवाह समारोह के दौरान दूल्हे को बुरी तरह नशे में धुत पाकर युवती ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। जिले के चांपा पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसमंदा गांव निवासी दुल्हन मुस्कान प्रधान को नशे के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरुवार को एसपी विजय कुमार पांडेय ने अपने कार्यालय में सम्मानित किया।

जानकारी के मुताबिक मुस्कान की शादी 23 जून को खोखरा गांव के रहने वाले संत राम से होनी थी। बारात शाम करीब चार बजे कोसमंदा गांव पहुंची और उसके तुरंत बाद शादी की रस्में शुरू हो गईं। उन्होंने बताया कि दुल्हा कथित तौर पर इतना नशे में

शराब के नशे के खिलाफ एक कड़ा संदेश

उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों के अनुसार, दूल्हे का परिवार शादी की तैयारियों में हुए खर्च के बदले दुल्हन के परिवार को लगभग तीन लाख रुपये देने पर सहमत हो गया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को एसपी विजय पांडेय ने समाजसेवियों और महिला प्रतिनिधियों की मौजूदगी में मुस्कान को सम्मानित किया। इस घटना की गांव और आसपास के इलाकों में काफी चर्चा हो रही है। कई निवासी युवती के फैसले की तारीफ कर रहे हैं। जांजगीर-चांपा पुलिस ने कहा है कि यह घटना शराब के नशे के खिलाफ एक कड़ा संदेश देती है और शादी में जिम्मेदारी, सम्मान और अच्छे व्यवहार के महत्व को उजागर करती है।

बारातियों-घरातियों के बीच बढ़ा तनाव

अधिकारियों ने बताया कि उसकी हालत के बारे में पता चलने पर मुस्कान ने शादी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि दुल्हन के इस फैसले के बाद दोनों परिवारों के सदस्यों और शादी में आए मेहमानों के बीच तनाव बढ़ गया। उन्होंने बताया कि स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को सूचना दी गई और चांपा पुलिस थाने के प्रभारी अशोक वैष्णव के नेतृत्व में एक दल को गांव भेजा गया। थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि जब दोनों पक्षों के परिवार के बड़े-बुजुर्ग इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे, तभी बारात के साथ आए कुछ युवकों और दुल्हन पक्ष के लोगों के बीच हाथापाई हो गई।

चिंतन

प्रकृति के सामने सब बेबस, तैयारी जरूरी

वेनेजुएला में आए बैक-टू-बैक भूकंप और भूस्खलन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रकृति के प्रचंड प्रकोप के आगे मानव निर्मित आधुनिकता और तकनीक सब बेबस हैं। इस भीषण त्रासदी ने दिखा दिया है कि समूची मानव जाति प्रकृति की अनिश्चित और विनाशकारी शक्तियों के सामने कितनी असहाय है। सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों के प्रभावित होने की खबरें बताती हैं कि आपदा प्रबंधन, भूकंपरोधी निर्माण और त्वरित राहत व्यवस्था कितनी महत्वपूर्ण है। इसलिए मानव जाति को प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना बेहद जरूरी है। ऐसी घटनाओं से बचने के लिए केवल राहत और बचाव पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पहले से तैयारियों, सुरक्षित निर्माण मानकों और जनजागरूकता को प्राथमिकता देना समय की मांग है। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनकी विनाशलीला को बेहतर तैयारी और मजबूत व्यवस्थाओं से काफी हद तक कम जरूर किया जा सकता है। समस्या यह नहीं है कि ये आपदाएं आती हैं, बल्कि यह है कि इनके प्रति हमारी तैयारी कितनी है। अधिकांश मामलों में देखा गया है कि आपदा के बाद राहत और बचाव कार्यों पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि आपदा से पहले की तैयारी अपेक्षाकृत कमजोर रहती है। यही कारण है कि प्राकृतिक घटनाएं कई बार बड़े मानवीय संकट में बदल जाती हैं। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। देश का एक बड़ा हिस्सा भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में आता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर राज्य और पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से जोखिम वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। वहीं, हर वर्ष मानसून के दौरान बाढ़ और भूस्खलन लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। हाल के वर्षों में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केरल में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन और अनियोजित विकास इन खतरों को और बढ़ा रहे हैं। ऐसे में केवल आपदा आने के बाद सहायता पहुंचाना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि आपदा जोखिम को कम करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जाए। भूकंपरोधी भवन निर्माण को अनिवार्य बनाया जाए, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नियंत्रण रखा जाए और स्थानीय समुदायों को आपदा से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाए। स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए, ताकि संकट की स्थिति में लोग घबराने के बजाय सही निर्णय ले सकें। दुनिया में जापान इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। जापान हर वर्ष अनेक भूकंपों और सुनामी की आशंका का सामना करता है, लेकिन वहां मजबूत भवन निर्माण मानकों, उन्नत चेतावनी प्रणाली और व्यापक जनजागरूकता के कारण जनहानि को काफी हद तक नियंत्रित किया जाता है। आपदा के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण की उनकी क्षमता भी उल्लेखनीय है। भारत सहित अन्य देशों को इस अनुभव से सीख लेकर अपनी व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाना चाहिए। प्रकृति को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है, लेकिन उसके खतरों को कम करना जरूर संभव है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। वेनेजुएला की त्रासदी केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है। यह हमें याद दिलाती है कि प्रकृति के सामने विनम्र रहना और हर समय तैयार रहना ही सबसे बड़ा बचाव है।

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

ईरान, होर्मुज और बदलती विश्व व्यवस्था

> आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है। किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है।

विश्व राजनीति में शक्ति का अर्थ समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। इतिहास के विभिन्न कालखंडों में शक्ति के मानक बदलते रहे हैं। कभी विशाल और अजेय सेनाएं किसी साम्राज्य या देश की ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती थीं, तो कभी औद्योगिक क्रांति के बाद औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक क्षमता को वैश्विक शक्ति का मुख्य आधार समझा गया। 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, विशेषकर शीतयुद्ध के दौर में, परमाणु हथियारों को सर्वोच्च शक्ति और संप्रभुता का प्रतीक माना जाने लगा। ऐसा माना जाता था कि परमाणु क्षमता से संपन्न देश ही वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय कर सकते हैं। किंतु 21वीं शताब्दी के आगमन ने इन सभी पारंपरिक धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। आज के दौर में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति, तकनीकी नेटवर्क और समुद्री मार्गों ने शक्ति की परिभाषा को एक बिल्कुल नया और बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया है। ईरान और पश्चिमी देशों के बीच बढ़े तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उभरी परिस्थितियों ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक दुनिया में केवल सैन्य सामर्थ्य ही निर्णायक नहीं है।

किसी महत्वपूर्ण भौगोलिक मार्ग, संसाधन अथवा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण भी उतना ही प्रभावशाली और रणनीतिक साधन बन सकता है। यही वह महत्वपूर्ण संदेश है जो ईरान की वर्तमान रणनीति के माध्यम से पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील समुद्री मार्ग है। इस संकरे मार्ग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे दुनिया के सबसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का समुद्री निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरता है। वैश्विक कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा रोजाना इस संकरे जलमार्ग से दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। इसके अलावा, तरल प्राकृतिक गैस के वैश्विक समुद्री व्यापार का भी एक बहुत बड़ा भाग इसी रास्ते से तय होता है। इसलिए होर्मुज केवल एक साधारण जलमार्ग नहीं है, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यदि इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है या तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा और तात्कालिक प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और दुनिया भर के उपभोक्ता बाजारों पर दिखाई देने लगता है। इस पूरे परिदृश्य में ईरान की भौगोलिक स्थिति उसे इस क्षेत्र में एक विशिष्ट सामरिक महत्व प्रदान करती है। इस जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर ईरान का सीधा भौगोलिक प्रभाव है और इसी कारण वह लंबे समय से इस मार्ग को अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक शक्ति के रूप में देखता रहा है। जब भी पश्चिमी देशों द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए या उसकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं की अनदेखी की गई, तब उसने बार-बार यह संकेत दिया कि वह होर्मुज में जहाजों के आवागमन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। कई अवसरों पर ईरान ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह चेतावनी भी दी है कि यदि उसके राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुंचाया गया, तो वह इस मार्ग को पूरी तरह बंद करने अथवा यहां अतिरिक्त नियंत्रण स्थापित करने पर विचार कर सकता

है। यहीं से दुनिया के लिए एक नया भू-राजनीतिक संदेश निकलता है कि आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में भूगोल स्वयं एक बहुत बड़ी शक्ति है। यदि किसी देश के पास कोई ऐसा विशिष्ट स्थान है जो वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति या सामरिक गतिविधियों के लिए अनिवार्य है, तो वह देश अपनी सीमित सैन्य या आर्थिक क्षमताओं के बावजूद वैश्विक मंच पर अत्यंत महत्वपूर्ण प्रभाव रख सकता है। ईरान दशकों से भारी आर्थिक प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों का सामना कर रहा है, लेकिन होर्मुज पर उसकी सामरिक स्थिति उसे विश्व राजनीति में लगातार प्रासंगिक और शक्तिशाली बनाए रखती है। यह स्थिति पारंपरिक शक्ति संतुलन को भी गंभीर चुनौती देती है।

लंबे समय तक वैश्विक राजनीति में यह माना जाता रहा कि बड़ी सैन्य और परमाणु शक्ति रखने वाले देश किसी भी क्षेत्रीय संकट का समाधान अपने पक्ष में करने में सक्षम होते हैं। होर्मुज का उदाहरण दिखाता है कि कठोर भौगोलिक वास्तविकताएं कई बार विशाल सैन्य शक्ति को भी सीमित कर देती हैं। यदि इस समुद्री मार्ग पर थोड़ा भी तनाव बढ़ता है तो उसका असर केवल एक क्षेत्र पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ता है। इसलिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों को भी यहां किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति, समझौतों और क्षेत्रीय संतुलन का सहारा लेना पड़ता है। इसके साथ ही, ईरान की इस रणनीति ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। ऊर्जा आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है जिसके बिना उद्योग, परिवहन, कृषि और संचार जैसे लगभग सभी क्षेत्र ठप हो सकते हैं। जब किसी ऐसे महत्वपूर्ण मार्ग पर संकट की मामूली आशंका भी उत्पन्न होती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव शुरू हो जाता है। इससे दुनिया भर के निवेशकों में चिंता बढ़ती है और सरकारें वैकल्पिक व्यवस्थाओं की तलाश करने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस प्रकार एक सीमित क्षेत्रीय तनाव भी व्यापक वैश्विक आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है। इस परिस्थिति का प्रभाव केवल तेल उत्पादक या पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं रहता है। जापान, दक्षिण कोरिया, भारत और यूरोप के अनेक प्रमुख देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पूरी तरह से पश्चिम एशिया के इसी मार्ग पर निर्भर हैं। यदि होर्मुज में कोई बाधा आती है तो इन विकासशील और विकसित देशों की ऊर्जा सुरक्षा सीधे प्रभावित होती है। यही कारण है कि दुनिया के तमाम राष्ट्र इस मार्ग को हमेशा खुला और सुरक्षित बनाए रखने के पक्षधर हैं। वे अच्छी तरह समझते हैं कि यहां उत्पन्न होने वाला कोई भी संकट उनके घरेलू आर्थिक हितों को सीधे चोट पहुंचाएगा।

ईरान के इस व्यवहार से यह भी स्पष्ट होता है कि भविष्य की प्रतिस्पर्धा केवल हथियारों के संचय की नहीं होगी। बीते दशकों में परमाणु हथियारों के प्रसार को लेकर व्यापक चिंताएं व्यक्त की जाती रही हैं, लेकिन आज एक नई प्रवृत्ति उभरती दिखाई दे रही है, जिसमें देश उन स्थानों, संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण की तलाश कर रहे हैं जिनके माध्यम से वे संपूर्ण वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर सकें। इन्हें भू-राजनीति की भाषा में चोक प्वाइंट कहा जाता है, जहां से होकर व्यापार, ऊर्जा या संचार का बड़ा भाग गुजरता है। यदि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा को अक्षुण्ण रखना है, तो क्षेत्रीय देशों तथा बड़ी शक्तियों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग आवश्यक होगा। अंततः, ईरान के व्यवहार से यही निष्कर्ष निकलता है कि 21वीं शताब्दी में शक्ति का स्वरूप बहुआयामी हो गया है, जहां भौगोलिक स्थिति, समुद्री मार्ग, संसाधन और ऊर्जा नेटवर्क ही भविष्य की विश्व राजनीति की दिशा तय करेंगे।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पाक रक्षा बजट

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

सुरक्षा प्रणालियों को और अधिक मजबूत करे भारत

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने वित वर्ष 2026-27 का बजट कुल 18.77 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये अर्थात 67.49 अरब डॉलर का पेश किया है। इस बजट में रक्षा बजट पर विशेष ध्यान दिया गया है, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने भारत तथा अफगानिस्तान के साथ चल रहे तनाव एवं अन्य सैन्य अभियानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अधिक रक्षा बजट की मांग की थी। शरीफ सरकार ने सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर की इस मांग को मानते हुए रक्षा बजट में 18 प्रतिशत की भारी-भरकम बढ़ोत्तरी कर दी है। इस बढ़ोत्तरी के बाद पाकिस्तान का रक्षा बजट तीन ट्रिलियन अर्थात 3000 अरब रुपये हो गया है। वहां के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने नेशनल असेम्बली को बताया कि सरकार जुलाई से शुरू होने वाले वित्त वर्ष में रक्षा बजट के लिए यह राशि आवंटित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अनिश्चितता के कारण देश को अजेय बनाने के लिए रक्षा खर्च में यह बढ़ोत्तरी सभी प्रांतीय सरकारों के साथ बातचीत के बाद की गई है। पाकिस्तान का रक्षा बजट पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है। 2021-22 में यह लगभग 1280 अरब पाकिस्तानी रुपये था। वहीं, 2025-26 में यह 2550 अरब पाकिस्तानी रुपये था। अब नई उल्लेखनीय वृद्धि का निर्णय ऐसे समय में लिया गया है, जब पाक गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और गरीबी जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। एक तरफ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सहारे चल रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने रक्षाबजट बढ़ाने का निर्णय लिया है। विदित हो कि पाकिस्तान वर्ष 2023 में डिफॉल्ट होने से बचने के बाद सात अरब डॉलर के आईएमएफ प्रोग्राम को पटरी पर लाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

विश्व बैंक तथा आईएमएफ जैसी संस्थाएं उसकी आर्थिक स्थिति को चुनौतीपूर्ण बताती हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब करोड़ों नागरिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हों तब रक्षा बजट का बढ़ाया जाना उचित नहीं लगता है, जबकि पाकिस्तान इस निर्णय के पीछे अपनी सुरक्षा चिंताओं, क्षेत्रीय रणनीतिक परिस्थितियों एवं सैन्य जरूरतों का हवाला देता है। सैन्य नेतृत्व का यह मानना है आर्थिक संकट तो अस्थायी है, लेकिन सुरक्षा कमजोर हुई तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। 1947 में हुए बंटवारे के बाद से अब तक पाक की रक्षानीति का सबसे बड़ा केन्द्र भारत ही रहा है और इसी के चलत उसने भारत के साथ 1947-48, 1965, 1971 एवं 1999 में संघर्ष किया और पराजित भी हुआ, लेकिन तनाव बनाए रखा। गत वर्ष की लड़ाई में मात खाना भी उसे अच्छी तरह से याद है। भारत में फैला आतंकवाद उसकी नीतियों की देन है। भारत की बढ़ती आर्थिक व सैनिक ताकत उसके लिए आज भी चिंता का विषय है। भारत लगातार अपनी आधुनिक मिसाइल प्रणालियां, आधुनिक लड़ाकू विमान, वायु रक्षाप्रणाली, ड्रोन एवं नौसैनिक ताकत का लगातार विकास कर रहा है। इस कारण पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत बनाए रखने और भारत के मुकाबले में बने रहने हेतु अपनी रक्षाशक्ति को आधुनिक बनाने के लिए रक्षाबजट में वृद्धि को जायज मानता है। भारत के अलावा अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का संघर्ष जारी है। वहां पर तालिबान का शासन स्थापित होने के बावजूद पाक की सुरक्षा चिंताएं कम नहीं हुई हैं। दोनों देशों के बीच आए दिन संघर्ष होता रहता है। पाकिस्तान का आरोप है कि कुछ आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान की जमीन का उपयोग पाकिस्तान विरोधी गतिविधियों के लिए कर रहे हैं। इसीलिए सीमा सुरक्षा अभियानों पर खर्च बढ़ रहा है। पाकिस्तान को केवल बाहरी ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षाचुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अगर पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों, मिसाइल एवं ड्रोन जैसे क्षेत्रों में विकास करता है तो भारत को पाकिस्तानी सीमा पर अपनी निगरानी एवं सुरक्षा प्रणालियों को और अधिक मजबूत करना होगा। चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ता रणनीतिक सहयोग एक चिंता का विषय है क्योंकि दोनों देशों के बीच रक्षा तकनीक, हथियार प्रणालियां और संयुक्त रक्षा परियोजनाओं का विस्तार भारत के लिए दो मोर्चों की सुरक्षा तैयारी के लिए बाध्य करता है। रक्षा बजट की वृद्धि यदि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता मजबूत करेगी तो भारत पर तत्कालिक खतरा भले ही कम हों, लेकिन दीर्घकालिक रणनीतिक चुनौती तो अवश्य बनेगी। साथ में देखना यह भी होगा कि आर्थिक तंगी के बीच पाकिस्तान का बढ़ा रक्षा बजट उसके लिए कितना लाभदायक सिद्ध होगा।

(लेखक सैन्य विज्ञान विषय के प्राध्यापक रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कुसंगति त्यागे, धर्मबुद्धि जागे

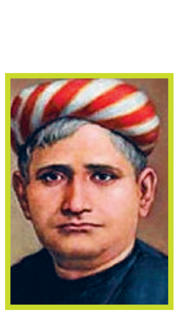

संकलित
दर्शन

आम और नीम दोनों की मूल जमीन में एकत्रित होने से नीम के संसर्ग में आम भी नीमपन को प्राप्त करता है। अर्थात दुर्जन की संगत से प्रायः सज्जन भी दुर्जन हो जाता है। इस बात पर यदि थोड़ा विचार किया जाए तो प्रश्न यह उठता है कि दुर्जन का प्रभाव ही क्यों पड़ता है? सज्जन का प्रभाव क्यों नहीं पड़ता। आम भी कड़वा क्यों होता है? नीम मीठा क्यों होता नहीं ? इसके पीछे यही कारण है कि सज्जन का हृदय बहुत कोमल होता है, जबकि दुर्जन कठोर हृदय का होता है। सज्जन तो खरबूजे की भांति होता है और दुर्जन चाकू की भांति। चाकू चाहे खरबूजे पर पड़े या खरबूजा चाकू के ऊपर, कटना तो खरबूजे को ही पड़ता है इसलिए सज्जन को सदैव सजग होकर रहना चाहिए। मनुष्य का अहित जितना दुश्मन नहीं करता उतना उसका अविवेक कर बैठता है। महान उपन्यासकार बाबू बंकिमचन्द्र ने एक जगह लिखा है कि मनुष्य का विशेष अहित उनके स्नेहीजन ही कर सकते है। विवेकहीन माता-पिता धर्म भावना वाली संतान को धर्म से विमुख करके उसे विषय वासना के गर्त में डाल सकते हैं। वर्तमान युग में देखा जा रहा है कि माता पिता अपनी संतान को धनवान बनाने की भावना रखते हैं मगर धर्मवान बनाने की ओर उनका ध्यान नहीं जाता है। वे अपनी संतान को सुसंस्कारित करने की ओर और ध्यान नहीं दे पाते। जिसमें स्वयं संस्कारो का अभाव होता है ,वे भला दूसरों को संस्कारित कैसे कर सकते हैं।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते में जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी मे भर कर ले जाए। दोनो निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे। दरअसल लालच ही वह बला है जिससे मनुष्य उबर नहीं पाता और जो इससे उबर जाता है अपनी मंजिल पा लेता हैं ।

अंतर्मन

आज की पाती

महिलाओं में बढ़ा तंबाकू का सेवन

देश में तंबाकू सेवन को लेकर सामने आए ताजा आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। विशेष रूप से महिलाओं में तंबाकू सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश के 13 राज्यों में महिलाओं द्वारा तंबाकू सेवन में वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति केवल महिलाओं के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव परिवार, बच्चों और आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है। जिस समाज में महिलाएं परिवार की आधारशिला मानी जाती हैं, वहां उनका किसी भी प्रकार के नशे की ओर बढ़ना सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी कई नई समस्याओं को जन्म देता है। तंबाकू चाहे किसी भी रूप में लिया जाए, वह शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। तंबाकू का सेवन छुड़वाना एक बड़ी चुनौती है।

– कांतिलाल मांडोत, सूरत

ट्रेंड

भारतीय लोकतंत्र

'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है जब भारतीय लोकतंत्र को बेरहमी से कुचल दिया गया था। आपातकाल का विरोध करने वाले सभी महानुभावों को मेरा सादर नमन।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सत्ता का अहंकार

सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार इस मुकाम पर पहुंच गई है कि अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग करने वाले छात्रों को ही शिक्षा मंत्री "आतंकवादी" कह रहे हैं। जिसकी नाकामी से इतने पेपर लीक हुए, वह आज पीड़ित बच्चों को "दहशतगर्द" बता रहा है।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

चंपत राय की हिम्मत

चंपत राय ने प्रधानमंत्री को हिसाब देने से इनकार कर दिया है। उसने इतनी हिम्मत कहां से जुटाई? उसे कौन से राज़ पता हैं कि प्रधानमंत्री भी उनके सामने बेबस हैं? दूसरी तरफ, एसआईटी छोटे कर्मचारियों को तलब कर सबकी आंखों में धूल झोंक रही है।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

आवाजाही सुचारू

एनएच-44 पर कालीबाड़ी के पास रावी नदी और सेहर खड्ड पर बने दो अहम पुल, जो पिछले साल आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गए थे, उन्हें ठीक कर लिया गया है। इससे अमरनाथ तीर्थयात्रियों यात्रियों व सामान की आवाजाही सुचारू रूप से हो सकेगी।

- **मनोज सिन्हा,** एलजी, जम्मू-कश्मीर

करंट अफेयर

प्रतिबंध के बावजूद बच्चे कर रहे सोशल मीडिया का उपयोग

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू होने के छह महीने बाद भी 85 प्रतिशत से अधिक बच्चे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस कानून की सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाना चाहिए कि बच्चे अब भी इन मंचों तक पहुंच बना रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकैसल की जनस्वास्थ्य शोधकर्ता कोर्टनी बार्नेस के नेतृत्व में किए गए और ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि टिकटॉक, एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्रतिबंधित सोशल मीडिया मंचों का उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या में बहुत कमी नहीं आई है। शोधकर्ताओं ने 12 से 16 वर्ष आयु वर्ग के 408 किशोरों पर सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण दिसंबर 2025 में कानून लागू होने से पहले और तीन महीने बाद किया गया। अध्ययन में 16 वर्ष की आयु सीमा से ठीक नीचे और उससे ऊपर के किशोरों की तुलना कर कानून के प्रभाव को अलग से समझने का प्रयास किया गया। अध्ययन के अनुसार, अनुवर्ती सर्वेक्षण के समय 16 वर्ष से कम आयु के 85 प्रतिशत से अधिक बच्चे अब भी प्रतिबंधित सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर रहे थे जिनमें से अधिकतर बच्चे अपने स्वयं के खातों के जरिए इन मंचों तक पहुंच रहे थे।

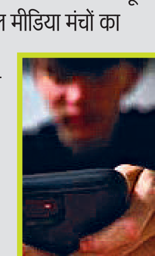

ऑफ बीट

महासागर पहले कभी हरे रंग के हुआ करते थे

महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे। प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था। 'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3.8 से 1.8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा।

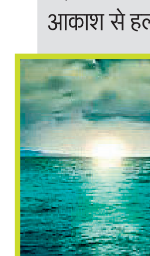

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

योजना भवन, लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान–मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हाई लेवल मीटिंग

अल नीनो के बीच यूपी के लिए साइंटिफिक एग्रीकल्चर रोडमैप, कम अवधि वाली फसलों को बढ़ावा देने की तैयारी

पीएम आवास योजना–ग्रामीण में उ.प्र. के लिए 6,18,482 पक्के मकानों की स्वीकृति, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने सीएम योगी को सौंपा पत्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योजना भवन, लखनऊ में बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हाई लेवल समीक्षा बैठक में कृषि और ग्रामीण विकास की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री चौहान ने एक ओर रबी विपणन वर्ष 2026–27 के लिए गेहूं, चना, मसूर जैसी फसलों की एमएसपी पर खरीद अवधि 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक बढ़ाने की मंजूरी का पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा, तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के नए चरण के तहत यूपी के लिए 6,18,482 पक्के मकानों की स्वीकृति का अनुमोदन पत्र भी योगी आदित्यनाथ को सौंपा।

यूपी– देश का कृषि सिरमौर, वैज्ञानिक रोडमैप पर जोर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य में यूपी की भूमिका सबसे अहम है, इसलिए यहां की खेती के लिए एक वैज्ञानिक और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करना समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और घटता भूजल स्तर खेती के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में यूपी की कृषि के लिए तैयार किया जा रहा साइंटिफिक रोडमैप फसल पैटर्न, सिंचाई, जल संरक्षण, बीज, तकनीक और मार्केटिंग तक सभी पहलुओं को जोड़कर बनाया जाएगा। इसका प्रारूप आज मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही और उनकी टीम के साथ विस्तार से चर्चा के लिए रखा गया जिसे आगे केंद्र और राज्य सरकार मिलकर अंतिम रूप देंगी।

अल नीनो और कम बारिश–खेत खाली न रहें, कंटिंजेंसी प्लान

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि इस वर्ष अल नीनो का संकट दिखाई दे रहा है, बारिश अब तक कम हुई है और आगे भी कमी की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में सरकार का लक्ष्य यह है कि खेत खाली न रहें, किसान की आय सुरक्षित रहे और देश की खाद्य सुरक्षा प्रभावित न हो। इसी उद्देश्य से बैठक में तय किया गया कि कम पानी में तैयार होने वाली, कम अवधि वाली फसलों को बढ़ावा देने के लिए जिले–जिले के हिसाब से कंटिंजेंसी प्लान पर काम किया जाएगा। अलग–अलग जिलों की जल उपलब्धता, मिट्टी और खेती के पैटर्न को देखते हुए वैकल्पिक फसलों की सूची बनाई जाएगी और उन्हें किसानों के बीच प्रमोट किया जाएगा। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य कृषि विभाग और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से किसानों तक समय पर सलाह, बीज और तकनीकी मार्गदर्शन पहुंचाने का रोडमैप भी तैयार किया जा रहा है।

मंत्री शिवराज ने दी जानकारी

हाउसिंग फॉर ऑल– सर्वे पूरा अब डिलीवरी पर फोकस

उन गरीब भाई–बहनों की पहचान कर ली गई है जो कच्चे मकान में रहते हैं

चौहान ने बताया कि उ.प्र. के ग्रामीण क्षेत्रों में घरों का सर्वे पूरा हो चुका है और उन गरीब भाई–बहनों की पहचान कर ली गई है जो कच्चे मकान में रहते हैं और पक्के घर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब अगला चरण इन पात्र परिवारों को प्राथमिकता के साथ पीएम आवास–ग्रामीण के अंतर्गत पक्का मकान देने का है, जिससे प्रधानमंत्री मोदी के 'हाउसिंग फॉर ऑल' संकल्प को जमीन पर गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी दोनों मोर्चों पर उ.प्र. को पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि मकानों की स्वीकृति के बाद अब राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह समयबद्ध तरीके से निर्माण कार्य कराए, गुणवत्ता सुनिश्चित करे और यह ध्यान रखे कि कोई भी पात्र गरीब परिवार सूची से बाहर न रह जाए। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और तकनीक आधारित मॉनिटरिंग पर भी जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी छवि खराब करने के लिए नकली वीडियो फैलाने का आरोप लगाया

वे मुझसे राजनीतिक तौर पर नहीं लड़ सकते, इसलिए वे मुझे धार्मिक आधार पर बदनाम करने की कोशिश कर रहे: मान

सीएम ने दावा किया कि राजनीतिक फायदे के लिए धार्मिक आदेशों या 'हुकमनामों' का इस्तेमाल किया जा रहा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को कहा कि मेरी छवि खराब करने के लिए नकली वीडियो फैलाये जा रहे है। उन्होंने कथित वायरल वीडियो को फर्जी बताया, जिसमें उन्हें शराब पीते हुए दिखाया गया है, और दावा किया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी उन्हें धार्मिक आधार पर बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। मान ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की भूमिका पर भी सवाल उठाया और कहा कि वह अकाल तख्त के सामने फिर से पेश होने को तैयार हैं। मान ने पूछा कि मैं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से पूछना चाहता हूँ कि वे गुरुद्वारों के बाहर मेरे ख़िलाफ़ बोर्ड क्यों लगा रहे हैं। सुखबीर बादल के समय में ऐसे बोर्ड क्यों नहीं लगाए गए थे? उन्होंने यह भी कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष ने खुद को सुखबीर बादल का सिपाही बताया था।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने के लिए उनके नकली वीडियो फैलाए जा रहे हैं और दावा किया कि राजनीतिक फायदे के लिए धार्मिक आदेशों या 'हुकमनामों' का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक कथित वायरल वीडियो को लेकर मचे विवाद के बीच प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि वे लोगों के मन में मेरे प्रति नफरत पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। इस वीडियो में उन्हें कथित तौर पर शराब पीते और धार्मिक तस्वीरों पर शराब छिड़कते हुए दिखाया गया है।

भगवंत मान ने कहा कि वे मुझसे राजनीतिक तौर पर नहीं लड़ सकते, इसलिए वे मुझे धार्मिक आधार पर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं श्री अकाल तख्त को चुनौती नहीं दे सकता। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मैं नहीं हूँ...तीनों राजनीतिक पार्टियां मुझे बदनाम करने के लिए एकजुट हो गई हैं। मान ने आरोप लगाया कि उन्हें धार्मिक आधार पर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है और कहा कि उन्हें बदनाम करने के मकसद से ही ऐसे आदेश अक्सर जारी किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, हमारी सरकार ने ही सबसे ज़्यादा काम किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से उन बोर्ड के बारे में भी सवाल किया जो कथित तौर पर गुरुद्वारों के बाहर उनके ख़िलाफ़ लगाए गए थे। मान ने पूछा कि मैं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से पूछना चाहता हूँ कि वे गुरुद्वारों के बाहर मेरे ख़िलाफ़ बोर्ड क्यों लगा रहे हैं। सुखबीर बादल के समय में ऐसे बोर्ड क्यों नहीं लगाए गए थे? उन्होंने यह भी कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष ने खुद को सुखबीर बादल का सिपाही बताया था।

अकाल तख्त के सामने पहले पेश होने का ज़िक्र करते हुए मान ने कहा कि अगर उन्हें दोबारा बुलाया गया तो वह फिर जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं तब अकाल तख्त साहिब गया था और अगर आज मुझे बुलाया गया, तो मैं फिर जाऊंगा। मान ने यह भी दावा किया कि उन्होंने पहले कार्यवाही का सीधा प्रसारण करने का अनुरोध किया था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अब वे क्लिप जारी कर रहे हैं।

श्री अकाल तख्त साहिब को चुनौती देना भगवंत मान की सबसे बड़ी राजनीतिक भूल: सांपला

भगवंत मान के कथित वीडियो मामले में फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार करने के आरोपों में हुई गिरफ्तारियां बेहद गंभीर: विजय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सांपला ने कहा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित वीडियो की फर्जी फोरेंसिक रिपोर्ट मामले में गुरुग्राम में दर्ज एफआईआर और हुई गिरफ्तारियों ने पंजाब सरकार तथा उसके प्रतिनिधियों द्वारा किए गए कई दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्री अकाल तख्त साहिब के हुकमनामे को झूठा साबित करने के लिए कथित रूप से पैसे और प्रभाव का इस्तेमाल कर मनगढ़ंत फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार करवाने की साजिश का सामने आना अत्यंत गंभीर मामला है।

सांपला ने कहा कि यदि जांच में लगे आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल कानून और जांच प्रक्रिया के साथ धोखाधड़ी नहीं होगी, बल्कि सिख कौम की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब की मर्यादा और सर्वोच्चता को ठेस पहुंचाने की एक सुनियोजित कोशिश भी मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम की सर्वोच्च और शाश्वत संस्था है तथा यहां से जारी होने वाले हुकमनामे समूची सिख कौम के लिए सम्माननीय और मान्य होते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पद पर क्यों न हो, श्री अकाल तख्त साहिब की मर्यादा से ऊपर नहीं हो सकता।

विजय सांपला ने कहा कि सिंह साहिबानों के आदेशों की अनदेखी करके और श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्चता को चुनौती देकर भगवंत मान ने अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल की है। सिख इतिहास इस बात का गवाह है कि जिन्होंने भी अहंकारवश श्री अकाल तख्त साहिब से टकराने की कोशिश की, उन्हें न पंथ में सम्मान मिला और न ही इतिहास ने उन्हें माफ किया। सांपला ने कहा कि भगवंत मान को अपनी गलती स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री पद से तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष नतमस्तक होकर सिख कौम से माफी मांगनी चाहिए। सिख कौम में मान-सम्मान सत्ता से नहीं, बल्कि गुरु घर की मर्यादा के पालन से प्राप्त होता है।

केंद्र सरकार ने सुधार प्रक्रिया तेज की

रेलवे का ब्रेड एंड बटर है माल ढुलाई...रेलमंत्री ने की सुधारों की समीक्षा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे को विभिन्न वस्तुओं की माल ढुलाई के लिए सबसे पसंदीदा परिवहन माध्यम बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने सुधारों की प्रक्रिया तेज कर दी है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने गुरुवार को वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर माल परिवहन प्रणाली को अधिक आधुनिक, ग्राहक-केंद्रित और नवाचार आधारित बनाने से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की। बैठक में रेलवे की माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने तथा विभिन्न उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप विशेष प्रकार के मालवाहक डिब्बों (वैगनों) के विकास पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सीमेंट और नमक जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए हाल के वर्षों में विकसित किए गए विशेष वैगनों की सफलता ने यह साबित किया है कि उद्योगों की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन किए गए वैगन माल परिवहन को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।

विशेष वैगनों से बढ़ी दक्षता

समीक्षा बैठक में बताया गया कि वस्तु-विशेष (कमोडिटी-स्पेसिफिक) वैगनों के उपयोग से माल की लोडिंग, अनलोडिंग और परिवहन प्रक्रिया अधिक तेज और सुविधाजनक हुई है। इससे रेलवे लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ी है और उद्योगों के लिए रेल परिवहन पहले की तुलना में अधिक आकर्षक विकल्प बनकर उभरा है। रेल मंत्रालय का मानना है कि अलग-अलग प्रकार के माल के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए वैगनों से परिवहन लागत कम होगी, समय की बचत होगी और रेलवे की माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

नई वैगन डिजाइन नीति पर जोर

बैठक के दौरान प्रस्तावित वैगन डिजाइन नीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वैगनों के डिजाइन अनुमोदन और प्रोटोटाइप विकास के लिए कड़े मानक अपनाए जाएंगे, जिससे देश में विश्वस्तरीय गुणवत्ता वाले मालवाहक डिब्बों का निर्माण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि नई नीति वैगन विकास के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देगी और भारतीय रेलवे की माल परिवहन प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाएगी। इससे घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को भी प्रोत्साहन मिलेगा और उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुरूप नई तकनीकों का उपयोग बढ़ेगा।

भाजपा सरकार की विफलताओं का खामियाजा भुगत रही है हरियाणा की जनता : कु. सैलजा

कहा, प्रदेश में पेयजल, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर, नालों की सफाई और बुनियादी सुविधाओं को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिरसा से लोकसभा क्षेत्र की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई है। प्रदेश में पेयजल, सीवरेज, स्टॉर्म वाटर, नालों की सफाई और बुनियादी सुविधाओं को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार केवल पोर्टलों, ई-टेंडरिंग और प्रचार के सहारे जनता को गुमराह करने में लगी हुई है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि गांव चनैत में पेयजल की मांग को लेकर शांतिपूर्ण संघर्ष कर रहे ग्रामीणों पर आधी रात को पुलिस बल, लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल बेहद निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए आवाज उठाने वाले ग्रामीणों की बात सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग करना सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। लोकतंत्र में जनता की समस्याओं का समाधान संवाद से होता है, दमन से नहीं।

उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश के ग्रामीणों को आज भी पीने के पानी के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है तो यह भाजपा सरकार की सबसे बड़ी प्रशासनिक विफलता है। सरकार को तत्काल ग्रामीणों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए तथा पूरी घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए।

एआई आधारित शिक्षण, वैश्विक रैंकिंग और शोध पर फोकस, मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग को दिए निर्देश

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा सचिवालय में कार्ययोजना की समीक्षा की

मुख्यमंत्री सैनी ने उच्च शिक्षा के लिए तय किया रोडमैप विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के साथ गुणवत्ता सुधार पर जोर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 'हरियाणा विजन-2047' आगामी पांच वर्षों के रोडमैप एवं कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में उच्च शिक्षा को अधिक आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए चल रही योजनाओं, बजट घोषणाओं तथा मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह,

डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव अमनीत पी कुमार, उच्चतर शिक्षा विभाग के महानिदेशक एस. नारायणन, मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को बताया गया कि राज्य के 22 मॉडल संस्कृति महाविद्यालयों को स्वायत्त संस्थानों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इनमें आधुनिक आधारभूत ढांचे, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और तकनीक आधारित शिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन कॉलेज भवनों और शैक्षणिक परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य के शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क की शीर्ष 150 संस्थाओं में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग, छात्र विनिमय कार्यक्रम, शोध गतिविधियों और पेटेंट संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में सुधार, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा शिक्षकों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में 'ऑटोनॉमस एआई डिजिटल कॉलेज' की प्रगति की भी समीक्षा की गई। पंचकूला और गुरुग्राम में स्थापित किए जाने वाले ये संस्थान एआई आधारित आधुनिक शिक्षण प्रणाली पर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करना समय की आवश्यकता है। बैठक में बताया गया कि सरकारी महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर छात्राओं की ट्यूशन फीस माफ की गई है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट पर विशेष निगरानी रखने तथा उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के निर्देश दिए।

तत्काल वापस लेने की मांग की, साथ ही एनजीओ के साथ संवाद शुरू करने की मांग की

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

एफसीआरए संशोधन नियमों पर वेणुगोपाल ने जताई आपत्ति, पीएम मोदी को लिखा पत्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष के.सी. वेणुगोपाल ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन नियम, 2026 को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इन नियमों को तत्काल वापस लेने और नागरिक समाज संगठनों (एनजीओ) के साथ व्यापक संवाद शुरू करने की मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि गृह मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नए नियम नागरिक समाज और गैर-सरकारी संगठनों पर सुनियोजित और व्यवस्थित हमला हैं। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य एनजीओ क्षेत्र को विनियमित करना नहीं, बल्कि उसे नियंत्रित और कमजोर करना है।

एनजीओ की स्वतंत्रता पर हमला

वेणुगोपाल ने कहा कि नए नियमों के तहत एनजीओ को अपनी गतिविधियों को सरकार द्वारा निर्धारित सीमित श्रेणियों तक सीमित करना होगा और उनके कार्यक्षेत्र पर भी प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले संगठनों की लचीलापन और आपात परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अतिरिक्त राज्य या गतिविधि श्रेणी के लिए अलग शुल्क लगाने का प्रावधान देशव्यापी सामाजिक कार्यों को हतोत्साहित करने वाला कदम है।

भारी जुर्माने के प्रावधान पर आपत्ति

कांग्रेस नेता ने नियमों में प्रस्तावित दंडात्मक प्रावधानों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मामूली प्रशासनिक त्रुटियों या पूर्व निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र से बाहर काम करने पर निधि का 30 प्रतिशत तक अथवा न्यूनतम एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान छोटे और संसाधन-विहीन संगठनों के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। उनका कहना है कि इससे विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित वर्गों के बीच काम करने वाले छोटे संगठनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

'निगरानी तंत्र मजबूत करने की कोशिश'

वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया खातों, वेबसाइटों और विभिन्न प्रकाशनों की अनिवार्य जानकारी देने के प्रावधान पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नागरिक समाज की गतिविधियों पर व्यापक निगरानी स्थापित करने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रमों में ₹राजनीतिक या वैचारिक सामग्री₹ को बाहर रखने जैसे प्रावधानों का उपयोग असहमति की आवाजों को दबाने के लिए किया जा सकता है।

विदेशी विशेषज्ञों की भागीदारी सीमित करने पर सवाल

पत्र में कांग्रेस नेता ने एनजीओ में प्रमुख पदाधिकारियों की परिभाषा का विस्तार करने और विदेशी नागरिकों की भूमिका सीमित करने के प्रावधानों पर भी चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय संगठनों का अंतरराष्ट्रीय सहयोग और विशेषज्ञता तक पहुंच प्रभावित होगी तथा वैश्विक स्तर पर भारत की लोकतांत्रिक छवि पर भी असर पड़ सकता है। एफसीआरए के 'दुरुपयोग' का आरोप वेणुगोपाल ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए का इस्तेमाल हजारों संगठनों के लाइसेंस रद्द करने के लिए किया गया है, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका से जुड़े कई सामाजिक कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पहले एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 के माध्यम से एनजीओ पर नियंत्रण बढ़ाना चाहती थी, लेकिन विरोध के बाद अब वही प्रावधान नियमों के जरिए लागू करने का प्रयास किया जा रहा है।

नियम वापस लेने की मांग

अपने पत्र के अंत में वेणुगोपाल ने कहा कि एक मजबूत लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और सशक्त नागरिक समाज आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि एफसीआरए संशोधन नियम, 2026 को तत्काल वापस लिया जाए और सभी हितधारकों के साथ संवाद कर सहमति आधारित व्यवस्था विकसित की जाए। कांग्रेस ने इस मुद्दे को नागरिक स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और सामाजिक संगठनों की स्वतंत्र कार्यप्रणाली से जुड़ा बताते हुए सरकार पर पुनर्विचार का दबाव बढ़ाने के संकेत दिए हैं।

आरबीआई का ऐलान, फ्राड का शिकार होने वालों को मिलेगा 25,000 तक मुआवजा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। यूपीआई, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और कार्ड पेमेंट करने की वजह से साइबर ठगी और ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में भी लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हर दिन हजारों लोग फर्जी लिंक, नकली कॉल, ओटीपी फ्रॉड और यूपीआई स्कैम का शिकार होकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं।

ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक ने ग्राहकों को राहत देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब ऑनलाइन ठगी में पैसा गंवाने वालों को बड़ी राहत मिल सकती है। आरबीआई के नए नियमों के मुताबिक, पात्र ग्राहकों को साइबर फ्रॉड के नुकसान की भरपाई के लिए 25,000 रुपए तक की आर्थिक मदद दी जा सकती है। खास बात यह है कि कुछ मामलों में ग्राहक की छोटी गलती होने पर भी राहत मिलने की संभावना रखी गई है, बशर्ते वह समय पर शिकायत दर्ज कराए।

ग्राहकों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया , नियम 1 जनवरी 2027 से लागू किया जाएगा

कब से लागू होंगे नए नियम

आरबीआई ने इस व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन नियम का लागू होना 1 जनवरी 2027 से तय किया गया है। पहले इसे जुलाई 2026 से लागू करने की योजना थी, लेकिन बाद में इसे छह महीने आगे बढ़ा दिया गया। इसका मतलब है कि जनवरी 2027 के बाद होने वाले पात्र डिजिटल फ्रॉड मामलों में यह नियम लागू होगा।

5 दिन के अंदर करना होगा शिकायत : आरबीआई के नए नियम में समय पर शिकायत दर्ज करना सबसे महत्वपूर्ण शर्तों में से एक है। यदि ग्राहक फ्रॉड होने के बाद पांच दिनों के भीतर बैंक या संबंधित संस्था को शिकायत दर्ज कर देता है, तो उसके मुआवजा पाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। साइबर फ्रॉड का पता चलते ही ग्राहक को तुरंत बैंक हेल्पलाइन, साइबर हेल्पलाइन 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए।

इतना मिलेगा मुआवजा

आरबीआई के प्रस्ताव और अंतिम ढांचे के अनुसार पीड़ित ग्राहक को हुए नुकसान का 85 प्रतिशत तक या अधिकतम 25,000 रुपए तक मुआवजा दिया जा सकता है। यानी यदि किसी व्यक्ति के साथ 20,000 रुपए का फ्रॉड हुआ है तो उसे नियमों के अनुसार बड़ी राशि वापस मिल सकती है, जबकि 50,000 रुपए तक के नुकसान वाले मामलों में अधिकतम सीमा 25,000 रुपए रखी गई है। हालांकि यह मुआवजा सभी मामलों में नहीं मिलेगा। इसके लिए आरबीआई द्वारा तय शर्तों को पूरा करना होगा।

ओटीपी शेयर करने से बचे

सिर्फ मुआवजे पर भरोसा करने के बजाय सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी किसी के साथ साझा न करें, स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करने से बचें और बैंक अधिकारी बनकर आने वाली कॉल्स पर भरोसा न करें। इसके अलावा अपने बैंक खाते और यूपीआआ ऐप में उपलब्ध सुरक्षा फीचर्स का इस्तेमाल जरूर करें।

आरबीआई का नया नियम

इसके अनुसार यदि कोई ग्राहक ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से जुड़े फ्रॉड का शिकार होता है और उसका नुकसान 50,000 रुपए तक है, तो उसे अधिकतम 25,000 रुपए तक की आर्थिक सहायता मिल सकती है। यह रूल खास तौर पर उन लोगों के लिए बनाया गया है जो छोटी रकम के साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं और अक्सर अपना पैसा वापस नहीं पा पाते।

भारत के लिए स्थिति काफी अनुकूल, ऊर्जा संकट हुआ कम

तेल के दाम युद्ध से पहले के स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमत पश्चिम एशिया में तनाव शुरू होने से पूर्व के स्तर पर आ गयी है। इससे महंगाई का खतरा कम होने, आयात बिल घटने और सरकार की वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कच्चा तेल आयातक भारत के लिए स्थिति काफी अनुकूल हो गयी है।

वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत टूटकर लगभग 72-73 डॉलर प्रति बैरल, जबकि अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। इससे उस भू-राजनीतिक जोखिम के कारण बढ़ी हुई कीमत का असर खत्म हो गया है, जिसके कारण इस साल की शुरुआत में तनाव बढ़ने पर दाम 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था।

- ब्रेंट क्रूड की कीमत टूटकर लगभग 72-73 डॉलर प्रति बैरल पहुंची
- अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आई
- भू-राजनीतिक जोखिम के कारण बढ़ी कीमत का असर खत्म हो गया

दोनों में 7.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी

दोनों मानक अब फरवरी के आखिर के स्तर के करीब आ गए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद बृहस्पतिवार को खुदरा ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। हाल ही में वैश्विक स्तर पर तेल के दाम में तेजी के दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी।

डीजल की बिक्री से थोड़ा नुकसान हो रहा

हालांकि, उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं ने अब तक पेट्रोल पंप पर कीमतें कम नहीं की हैं। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तीन खुदरा ईंधन विक्रेता अभी पेट्रोल पर अच्छा विपणन मार्जिन कमा रहे हैं। हालांकि, डीजल की बिक्री से अब भी थोड़ा नुकसान हो रहा है।

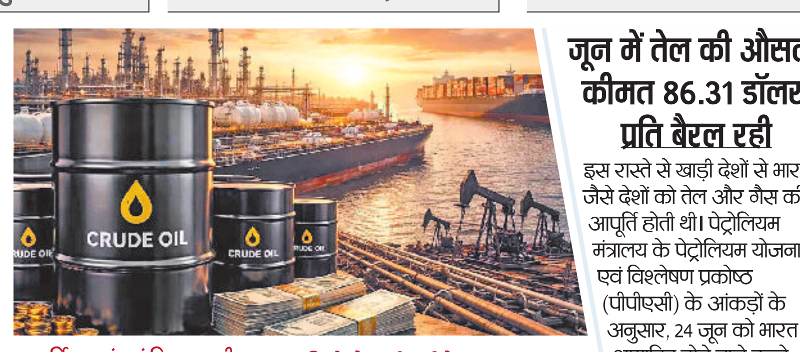

आपूर्ति का पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से : यह गिरावट होर्मुज जलडमरूमध्य से टैंकर की आवाजाही सामान्य होने के बाद हुई है। इस रास्ते से दुनिया भर की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा आता है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि पिछले 24 घंटों में इस जलमार्ग से कम से कम दो करोड़ बैरल तेल गुजरा है और आपूर्ति का प्रवाह युद्ध से पहले के स्तर के करीब पहुंच गया है।

कंपनियों ने ढाई महीने तक खुदरा कीमतें स्थिर रखी : कंपनियों ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद लगभग ढाई महीने तक खुदरा कीमतें स्थिर रखी थीं और उसके बाद ही कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी की थी। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चा तेल बाजार में रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव के आधार पर तय नहीं की जाती हैं, बल्कि आमतौर पर पिछले दो सप्ताह या महीने की औसत तेल कीमतों के आधार पर तय की जाती हैं।

जून में तेल की औसत कीमत 86.31 डॉलर प्रति बैरल रही

इस रास्ते से खाड़ी देशों से भारत जैसे देशों को तेल और गैस की आपूर्ति होती थी। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के अनुसार, 24 जून को भारत में आयातित होने वाले कच्चे तेल की औसत कीमत 70.71 डॉलर प्रति बैरल थी। जून महीने के लिए, कच्चे तेल की औसत कीमत 86.31 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि फरवरी, 2026 में यह औसत 72.47 डॉलर प्रति बैरल थी।

रुपया 16 पैसे मजबूत होकर 94.39 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को 16 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.39 (अस्थायी) पर रहा। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला।

दूरसंचार क्षेत्र में नई मंजूरी आधारित व्यवस्था लागू

नई दिल्ली। सरकार ने दूरसंचार क्षेत्र में पुरानी लाइसेंस व्यवस्था को समाप्त कर उसकी जगह एक नई 'मंजूरी आधारित रूपरेखा' को लागू करने वाले नियमों को अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने 'टेलीकॉम ई-सर्विसेज पोर्टल' को भी अधिसूचित किया है, जो दूरसंचार अधिनियम के प्रावधानों को डिजिटल रूप से लागू करने में सक्षम बनाएगा। दूरसंचार अधिनियम के तहत अधिसूचित नियमों में ''दूरसंचार (मुख्य दूरसंचार सेवाओं के प्रावधान के लिए मंजूरी) नियम, 2025'' शामिल हैं। ये नियम दूरसंचार कंपनियों को पुरानी लाइसेंस व्यवस्था से नए मंजूरी आधारित ढांचे में स्थानांतरित करते हैं।

कच्चे तेल के दाम में नरमी से बाजार में दूसरे दिन तेजी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- सेंसेक्स 109 और निफ्टी 34 अंक चढ़ा
- वाहन, विमानन और बैंक के शेयरों में रही खरीदारी

स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। कच्चे तेल के दाम में नरमी और वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ निवेशकों की धारणा मजबूत होने से वाहन, विमानन और बैंक शेयरों में लिवाली से बीएसई सेंसक्स 109 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 34 अंक के लाभ में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 109.25 अंक की बढ़त के साथ 77,100.47 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 19 में गिरावट आई और 11 लाभ में रहे। सूचकांक बढ़त के साथ खुला और एक समय 811.96 अंक यानी एक प्रतिशत और चढ़कर दिन के उच्चतम स्तर 77,803.18 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी 34.35 अंक बढ़कर 24,056 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन में सबसे अधिक 4.82 प्रतिशत की तेजी आई।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

ऑन लाईन निविदा निरस्तीकरण सूचना

जी. 262700843 दिनांक 21.05.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से जिला-जांजगीर-चांपा अंतर्गत विकासखण्ड बम्हनीडीह के नगर सारागांव की आवर्धन जलप्रदाय योजनान्तर्गत डी.आई. क्लास के-7 कुल 3500 मीटर विस्तार कार्य की निविदा प्रतिशत दर फार्म "अ" में निम्नानुसार आमंत्रित की गयी थी :-

सिस्टम नं	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2
191232	82.48

उपरोक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता

G-262701722/4 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

सोना 2,800 रुपये टूटा और चांदी 5,000 रुपये कमजोर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना घटकर 1.45 लाख रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी लुढ़कर 2,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को बाज़ार की कमजोर मांग और सुस्त वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमत 2,800 रुपये घटकर 1.45 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं चांदी की कीमत भी 5,000 रुपये घट गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,800 रुपये घटकर 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई, जो पहले 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत में भी गिरावट आई और यह 5,000 रुपये घटकर 2,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई।

वैश्विक बाजार में सराफा कमजोर : पिछले सत्र में चांदी 2,31,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 21.15 डॉलर या 0.53 प्रतिशत घटकर 3,978.06 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी भी 0.56 प्रतिशत घटकर 57.10 डॉलर प्रति औंस रह गई।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अंत्योदय योजना में सात किलोग्राम अनाज देने पर विचार

- इस कदम से बड़े गरीब परिवारों को लाभ होगा

नई दिल्ली। सरकार अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के तहत प्रति व्यक्ति प्रति माह खाद्यान्न की मात्रा को सात किलोग्राम करने पर विचार कर रही है। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा 35 किलोग्राम ही रहेगी। इस कदम से बड़े गरीब परिवारों को लाभ होगा। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। खाद्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026 पर 13 जुलाई तक आम लोगों से सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। मौजूदा कानून के तहत एएवाई परिवारों (जिन्हें सबसे गरीब श्रेणी में रखा गया है) को परिवार के आकार पर विचार किए बिना प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) TATA MOTORS T_INTRAV20 REG. NO. DL1LAN5157-YOM-2024
2) MAH MAXPICKUP ENG. NO. UP14NT9239-YOM - NA
3) TATA MOTORS TATAACE REG. NO. DL1LAJ2441-YOM -2022
4) TATA MOTORS TATA_1512 REG. NO. DL1GE1799-YOM-2022
5) TATA MOTORS TATA_INTRA REG. NO. DL1LAM7180-YOM- 2024
6) VECVL ECHPRO3018 REG.NO. UP14MT5801-YOM-2023
7) SWRJ_MAZDA SM_SAMRAT REG. NO. UP15FT3309-YOM-2016
8) TATA MOTORS TACEGOLCNG REG. NO. DL1LAN7366-YOM - NA
9) TATA MOTORS TACEGOLDSL REG. NO. UK14CA6554-YOM- NA
10) TATA MOTORS TACEGOLCNG REG. NO. DL1LAM6887-YOM-2024

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS: KOTAK MAHINDRA BANK 3RD FLOOR, PLOT NO 7, SECTOR 125,NOIDA-201313 OR CONTACT : RAMAN AHUJA KOTAK MAHINDRA BANK LTD. CONTACT NO. 8377988238 EMAIL–raman.ahuja@kotak.com

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं:–

1	कार्य का नाम व स्थान	भाग–B: DUK सेक्शन में साइडिंग और ब्रांच लाइनों के लिए अलग–अलग सर्किट ब्रेकर की व्यवस्था इनकनेक्शन विथ इम्प्रूवमेंट ऑफ़ सेक्शनिंग एंड फीडिंग अरेंजमेंट बय शिफ्टिंग ऑफ़ इंसुलेटेड ओवरलैपस, प्रोविज़िन ऑफ़ सेपरेट सीबी एंड री–प्रोफाइलिंग ऑफ़ मास्ट्स एट कर्व लोकेशन।
2	अनुमानित लागत	रु. 5,16,48,422.76/-
3	बयाना राशि	रु. 10,33,000/-
4	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	06.07.2026 (10:30 बजे) से 20.07.2026 (15:00 बजे तक)
5	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	20.07.2026 (15:00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	RRSK (PH-36)
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या: 12–क.वि.–नई दिल्ली–2026–27 दिनांक: 25.06.2026 2199/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। पठन–पाठन में रुचि रहेगी।

मकर वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

रेलवे बोर्ड ने वैगन डिज़ाइन नीति में बड़े सुधारों को लागू करने का निर्णय लिया

रेल मंत्री ने अगले 15 दिनों के भीतर नई वैगन डिज़ाइन नीति जारी करने के निर्देश दिए

नई दिल्ली। माननीय प्रधानमंत्री जी ने निरंतर इस बात पर बल दिया है कि देश में माल परिवहन का अधिकाधिक हिस्सा रेल के माध्यम से किया जाना चाहिए, क्योंकि यह परिवहन का एक अधिक हरित एवं ऊर्जा-कुशल साधन है। भारतीय रेल के लगभग 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के निकट पहुँचने के साथ, रेल-आधारित माल परिवहन में वृद्धि से देश की आयातित डीज़ल पर निर्भरता कम हुई है तथा पर्यावरणीय स्थिरता को भी बढ़ावा मिला है। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की, जिसमें भारतीय रेल को विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के लिए माल परिवहन का पसंदीदा माध्यम बनाने हेतु सुधारों पर चर्चा की गई। इस बैठक के दौरान रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना एवं श्री रवनीत सिंह बिट्टू, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के महानिदेशक, रेलवे बोर्ड के सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दिशा में भारतीय रेल विभिन्न उद्योगों, व्यापारिक संगठनों तथा प्रमुख माल ग्राहकों के साथ विस्तृत परामर्श कर रही है, जो अनेक ऐसी वस्तुओं से जुड़े हैं जिनमें रेल परिवहन की व्यापक संभावनाएं हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बाल किशोर पुत्र** दीप चन्द, **निवास:** B-123, गली नं. 11A, माता वाली गली, जौहरीपुर, दिल्ली ने **CC No. 199/2020 U/s 138 NI Act.**, **थाना: भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बाल किशोर** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बाल किशोर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 199/2020 U/s 138 NI Act.**, **थाना: भजनपुरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **बाल किशोर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पंकज राय
एलडी, एमएम-01 (उत्तर-पूर्व जिला)
कमरा नं. 73, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7964/NE/2026
(Court Notice)

शब्द पहेली - 6268

बाएँ से दाए-

1. छुट्टी, रजा-4
3. वध, आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल, अनूठा-3
8. अनाथ, बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार, सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में, दौरान-3
24. खुश, आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना, परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना, मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना, वचन तोड़ना-4
7. फिजूल, व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह, भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग, गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश, मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6267 का हल

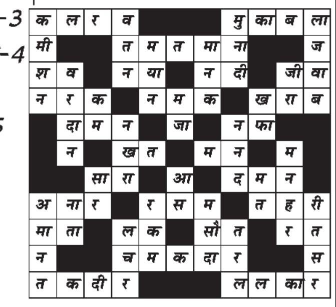

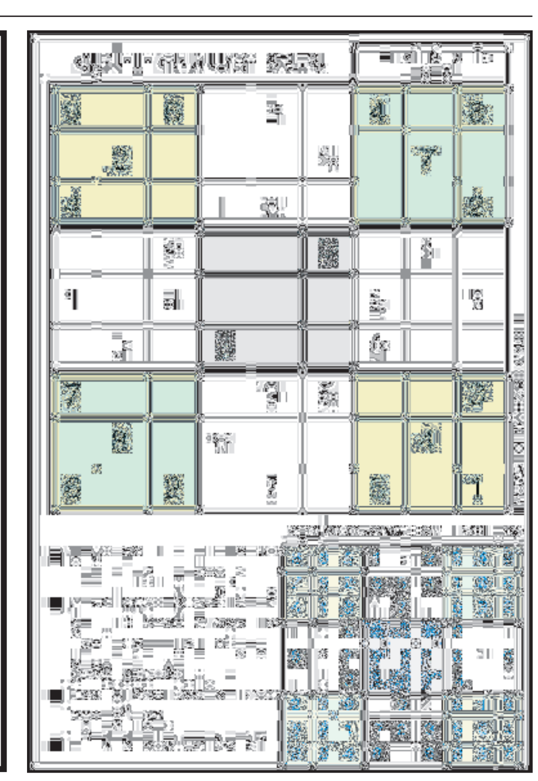

ग्रुप बी में टॉप पर रहा स्विट्जरलैंड हारकर भी कनाडा नॉकआउट राउंड में

एजेंसी ▶▶| वैंकूवर

रुबेन वर्गास और योहान मंजांबी के गोल की मदद से स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल किया। कनाडा इस मैच में हार के बावजूद स्विट्जरलैंड के साथ अगले दौर में पहुंचने में सफल रहा। प्रॉमिस डेविड ने कनाडा के लिए मैच के आखिर में एक गोल किया। इससे कनाडा ने ग्रुप बी में स्विट्जरलैंड के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। उसने पहली बार नॉकआउट राउंड में जगह बनाई। स्विट्जरलैंड दो जुलाई को वैंकूवर में राउंड ऑफ 32 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का सामना करेगा। स्विट्जरलैंड ग्रुप बी में सात अंक लेकर शीर्ष पर रहा, जबकि कनाडा ने चार अंक हासिल किए। बोस्निया-हर्जेगोविना ने भी चार अंक हासिल किए लेकिन वह गोल अंतर के कारण तीसरे स्थान पर रहा।

ग्रुप बी में बोस्निया से हारकर कतर टूर्नामेंट से बाहर

ग्रुप बी के दूसरे मैच में बोस्निया ने कतर को 3-1 से हराया और तीसरे स्थान के आधार पर अगले दौर में पहुंच सकता है। कतर टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। विश्व कप की शुरुआत में स्विट्जरलैंड कतर के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। इसके बाद उसने बोस्निया को हराया।विश्व कप में तीसरी बार हिस्सा ले रहे कनाडा ने बोस्निया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर विश्व कप की शुरुआत की थी।

स्थानापन्न खिलाड़ी मंजांबी का बेहतरीन प्रदर्शन

बोस्निया के खिलाफ स्विट्जरलैंड की 4-1 की जीत में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे मंजांबी ने कनाडा के खिलाफ शुरुआती एकादश में जगह बनाई। दूसरे हाफ के शुरू होने के लगभग 40 सेकंड बाद ही वर्गास ने स्विट्जरलैंड के लिए पहला गोल दागा। उनका शॉट कनाडा के गोलकीपर मैक्सिम क्रेपेउ को चकमा देते हुए पोस्ट से टकराया और नेट में जा गिरा। इसके बाद 57वें मिनट में ब्रील एम्बोलो ने मंजांबी को क्रॉस दिया, जिनका शॉट क्रेपेउ के हाथों से निकलकर गोल में चला गया और स्विस टीम को 2-0 की बढ़त मिल गई। कनाडा ने 76वें मिनट में एक गोल करके वापसी की।

विनीसियस के दो गोल से स्कॉटलैंड को हराकर ग्रुप सी में शीर्ष पर रहा ब्राज़ील

मियामी गार्डन्स। विनीसियस जूनियर ने अपना जादुई प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल किए जबकि मैथियास कुन्हा ने भी एक गोल दागा जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने बुधवार को स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया। ब्राज़ील ग्रुप सी में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंक हासिल किए। मोरक्को ने भी सात अंक के साथ ग्रुप चरण के अपने अभियान का समापन किया लेकिन वह गोल अंतर के कारण ब्राज़ील के बाद दूसरे नंबर पर रहा। स्कॉटलैंड के तीन अंक हैं और वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ आठ टीम में जगह बनाकर अब भी अगले दौर में पहुंच सकता है। ज्ञात हो कि स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। वह विश्व कप में कुल मिलाकर नौ बार भाग ले चुका है लेकिन कभी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है।

विनीसियस ने तीनों ग्रुप मैचों में गोल किए

विनीसियस ने ब्राजील के तीनों ग्रुप मैचों में गोल किए। स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्होंने सातवें मिनट में और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले इंजरी टाइम में गोल किया। कुन्हा ने 60वें मिनट में गोल दागा। विनीसियस वर्तमान टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे के चार गोल की बराबरी पर आ गए। अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने अभी तक टूर्नामेंट में सर्वाधिक पांच गोल किए हैं।

दक्षिण कोरिया को हराकर पहली बार नॉकआउट राउंड में पहुंचा द.अफ्रीका

ग्वाडालूप (मैक्सिको)। थापेलो मासेको के गोल की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार रात को दक्षिण कोरिया पर 1-0 से रोमांचक जीत हासिल करके पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। मासेको ने त्शेपांग मोरेमी के सटीक क्रॉस पर 63वें मिनट में गोल किया। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ग्रुप ए में मैक्सिको के बाद दूसरे स्थान पर रहा। मैक्सिको ने ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच जीते। दक्षिण अफ्रीका की टीम रविवार को नॉकआउट मुकाबले में कैलिफोर्निया के इंगलवुड में ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली कनाडा की टीम से भिड़ेगी। दक्षिण अफ्रीका 1998, 2002 में और मेजबान के रूप में 2010 में ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में असफल रहा था।

मैक्सिको ने पहली बार जीते ग्रुप चरण के तीनों मैच

मैक्सिको सिटी। माटेओ शावेज और जूलियन क्विनोन्स ने दूसरे हाफ की शुरुआत में छह मिनट के अंतराल में गोल किए जिससे मैक्सिको ने चेक गणराज्य को 3-0 से हराकर पहली बार विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच जीते। मैक्सिको पहले ही नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर चुका था लेकिन उसने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए शान से अगले दौर में कदम रखा। चेक गणराज्य केवल एक अंक ही हासिल कर पाया और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गया। अपने पहले विश्व कप में खेल रहे 22 वर्षीय शावेज़ ने 55वें मिनट में पहला गोल किया और क्विनोनेस ने 61वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल दागा। अल्वारो फिडाल्गो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मैक्सिको के खाते में एक गोल और जोड़ा। मैक्सिको का इससे पहले ग्रुप चरण में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दो जीत और एक ड्रॉ का था, जो उसने 1986 और 2002 में हासिल किया था। ग्रुप ए का विजेता बन चुका मैक्सिको मंगलवार को एज़्टेका स्टेडियम में राउंड-ऑफ-32 के मैच में एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलेगा जिसका अभी तक निर्धारण नहीं हुआ है।

मोरक्को की हैती पर जीत में चमके रहीमी और यासीन

अटलांटा। सोफियान रहीमी और गेसिम यासीन ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरकर शानदार खेल दिखाया जिससे मोरक्को ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हैती को 4-2 से हराकर कैरेबियाई देश की विश्व कप फुटबॉल में पहली बार अंक हासिल करने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मोरक्को इस तरह से ब्राजील के समान सात अंक लेकर ग्रुप सी में दूसरा स्थान हासिल करके नॉकआउट राउंड में पहुंचा। ब्राजील ने बेहतर गोल अंतर के कारण ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। हैती ने अपने तीनों मैच गंवाए और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। पांच बार की चैंपियन ब्राजील ने एक अन्य मैच में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया।

मोरक्को ने पिछड़ने के बाद की वापसी

चार साल पहले कतर में विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी मोरक्को ने 52 वर्षों में पहली बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर खेल रही हैती की टीम के खिलाफ दो बार पिछड़ने के बाद वापसी की। रहीमी ने 78वें मिनट में मोरक्को को 3-2 से आगे कर दिया और यासीन ने 89वें मिनट में गोल करके स्कोर 4-2 कर उलटफेर की किसी भी संभावना को खत्म कर दिया।

कतर के असीम मदीबो पर पांच मैच का प्रतिबंध

अटलांटा। कतर के खिलाड़ी असीम मदीबो पर विश्व कप में कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोने के पांव में फ्रैक्चर करने के लिए बुधवार को पांच मैच का प्रतिबंध लगा दिया गया। वैंकूवर में पिछले बृहस्पतिवार को खेले गए मैच के दौरान यह घटना घटी। कनाडा ने इस मैच में कतर को 6-0 से करारी शिकस्त दी थी। मदीबो को गलत तरीके से टैकल करने के लिए तुरंत ही लाल कार्ड दिखाया गया था। फीफा की अनुशासनात्मक समिति ने अब उनका प्रतिबंध पांच मैच तक बढ़ा दिया है। समिति ने कहा है कि ऐसा अनुचित खेल के लिए किया गया है। इस फैसले के खिलाफ अपील की जा सकती है। कोने को तब स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में उनके बाएं पैर की टूटी हुई हड्डी की सर्जरी की गई। विश्व कप के दौरान घटी घटना के लिए यह सबसे बड़ी सजा नहीं है। ब्राजील में 2014 में खेले गए

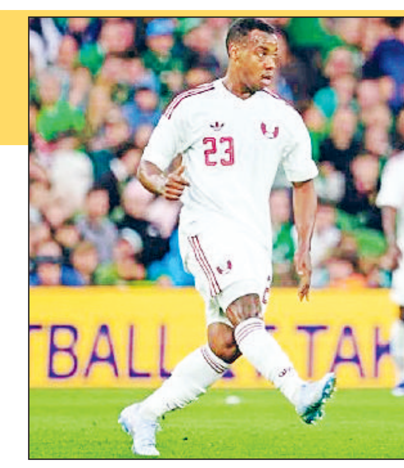

विश्व कप में उरुग्वे के स्ट्राइकर लुई सुआरेज को इटली के डिफेंडर जियोर्जियो चिएलिनी को काटने पर नौ मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया था।

खबर संक्षेप

फीफा ट्रॉफी की कीमत चार साल में दोगुने से अधिक

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी का असर खेल जगत की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर भी दिखाई दे रहा है जहां फीफा विश्व कप ट्रॉफी में मौजूद सोने का मूल्य बढ़कर लगभग 7.13 लाख डॉलर (लगभग 6.73 करोड़ रुपये) पहुंच गया है। वित्तीय बाजार डेटा प्रदाता एलएसईजी के मुताबिक यह आंकड़ा 2022 विश्व कप के समय की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। विश्व कप ट्रॉफी 18 कैरेट सोने से निर्मित है और इसका कुल वजन 6.175 किलोग्राम है जिसमें लगभग 4.93 किलोग्राम शुद्ध सोना शामिल है। जब अर्जेंटीना ने 2022 में कतर में आयोजित विश्व कप जीता था तब ट्रॉफी के सोने का मूल्य लगभग 2.77 लाख डॉलर आंका गया था।

कोच राष्ट्रीय रिकॉर्ड पर ध्यान देने को कहते हैं: देव

भुवनेश्वर। मध्य प्रदेश के पोल वॉल्ट खिलाड़ी देव मीना ने पिछले दो वर्षों में पांचवीं बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा है और उन्होंने इस शानदार उपलब्धि का श्रेय अपने कोच को दिया जो उनसे हर प्रतियोगिता में अपना स्तर बढ़ाने के लिए कहते थे।

बुधवार को यहां राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देव ने 5.46 मीटर की ऊंचाई पार करके अपना पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड (5.45 मीटर) तोड़ा। पिछला रिकॉर्ड उन्होंने बीते महीने रांची में फेडरेशन कप के दौरान अपने राज्य के साथी और ट्रेनिंग साझेदार कुलदीप कुमार के साथ साझा किया था। देव ने कहा, ''मैं राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने का श्रेय अपने कोच (घनश्याम यादव) को देना चाहता हूं। जब भी मैं किसी प्रतियोगिता में जाता हूं तो वह मुझे नेशनल रिकॉर्ड पर ध्यान देने के लिए कहते हैं।''

आयरलैंड के खिलाफ टी-20 मैच आज वैभव होंगे टीम में तो कौन होगा बाहर ?

बेलफास्ट। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत जब आयरलैंड के खिलाफ आज शुक्रवार को शुरू होने वाली दो मैचों की श्रृंखला के पहले मैच से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने नए युग की शुरुआत करेगा तो उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्रिकेट जगत की नई सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में फिट करना होगा।

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में 29 गेंद पर 94 रन की तूफानी पारी खेली थी जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। आम क्रिकेट प्रेमी यही चाहता है कि सूर्यवंशी को इस मैच में मौका मिले लेकिन टीम प्रबंधन के लिए यह काम आसान नहीं होगा। भारत और आयरलैंड के बीच ये मुकाबला आज 26 जून को बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे से शुरू होगा। भारत के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन हैं। उनके टी20 रिकॉर्ड को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मार्च में आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में मिली जीत में सैमसन, अभिषेक और किशन ने अर्धशतक बनाए थे।

भारत ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया

महिला टी-20 विश्व कपः शेफाली का तूफानी अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

- सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम, राधा को 3 विकेट

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 34 गेंदों में 53 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने महिला टी20 विश्व कप में बृहस्पतिवार को बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। भारतीय टीम की क्षेत्ररक्षण एक बार फिर निराशाजनक रही और खिलाड़ियों ने कई आसान मौके गंवाए, लेकिन बल्लेबाजों ने 137 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए 16.5 ओवर में जीत हासिल कर ली। बांग्लादेश को आठ विकेट पर 136 रन पर रोकने के बाद भारत ने 16.5 ओवर में पांच विकेट पर 139 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद दबाव में उतरी भारतीय टीम को लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजों दोनों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में भारत का स्कोर एक विकेट पर 63 रन तक पहुंचा दिया। शेफाली ने महज 29 गेंद में इस विश्व कप का अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि नौवें ओवर में असामान्य तरीके से स्टंप आउट हो गई। नाहिदा अख्तर की गेंद पर अंदरूनी किनारा लगने के बाद उन्होंने एक रन लेने की कोशिश की, लेकिन विकेटकीपर ने गेंद पकड़कर गिल्लियां बिखेर दी। बीच के ओवरों में रनगति कुछ धीमी पड़ी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स ने 15 गेंदों पर 26 रन की तेज पारी खेलकर भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

इंग्लैंड महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में

- वेस्टइंडीज को दी 38 रन से शिकस्त

लंदन। मेजबान इंग्लैंड ने भीषण गर्मी के बीच बुधवार को लॉर्ड्स में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन दोनों टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले कोई मैच नहीं गंवाया था। इंग्लैंड ने 35 डिग्री सेल्सियस के तापमान में पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 186 रन बनाए जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पांच विकेट पर 148 रन ही बना पाई। इंग्लैंड की तरफ से डैनी व्याट-हॉज ने 42 गेंदों में 65 रन जबकि हीथर नाइट ने 26 गेंद पर 43 रन बनाए। व्याट-हॉज ने टूर्नामेंट में अब तक 193 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। उसकी तरफ से चिनैल हेनरी ने 30 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। अगर वेस्टइंडीज शनिवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में आयरलैंड को हरा देता है, तो वह सेमीफाइनल में पहुंच सकता है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम बेल्जियम दौरे पर जाएगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम अगले महीने बेल्जियम के दौरे पर जाएगी जहां वह मेजबान बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ छह मैच खेलेगी। यह दौरा टीम के नए कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में इस साल के आखिर में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप की तैयारी का अहम हिस्सा होगा। इस दौरे में भारतीय टीम ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच और जर्मनी तथा नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। सात से 17 जुलाई 2026 के बीच खेले जाने वाले इन छह में से पांच मैच बेल्जियम के वावरे में स्थित बेल्फियस हॉकी एरिना में होंगे जबकि नीदरलैंड के खिलाफ दौरे का आखिरी मैच एंटवर्प के हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

भारत के अभियान की शुरुआत 7 से

भारत अपने अभियान की शुरुआत सात जुलाई को ऑस्ट्रिया के खिलाफ करेगा और आठ जुलाई को इसी टीम के खिलाफ दूसरा मैच खेलेगा। इसके बाद भारतीय टीम 10 जुलाई को मेजबान बेल्जियम का सामना करेगी और फिर 13 जुलाई को जर्मनी और 14 जुलाई को दोबारा बेल्जियम से खेलेगी। नीदरलैंड के खिलाफ दौरे का आखिरी मैच 17 जुलाई को खेला जाएगा।

डूरंड कप 25 जुलाई से, 24 टीमें दिखाएंगी दमखम, फाइनल 23 अगस्त को

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप का अगला सत्र 25 जुलाई से शुरू होगा और इसका फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस 138 साल पुराने टूर्नामेंट में 24 टीम हिस्सा लेंगी जिनमें दो विदेशी टीम भी शामिल हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी टूर्नामेंट का मौजूदा चैंपियन है। मैच पांच शहरों कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, इम्फाल और शिलांग में खेले जाएंगे। रांची को पहली बार मेजबान शहर के तौर पर शामिल किया गया है।

भारतीय सेना की पूर्वी कमान करती है आयोजन

मैच छह स्थलों पर खेले जाएंगे। कोलकाता में विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन मुकाबलों का आयोजन करेंगे। रांची का बिरसा मुंडा स्टेडियम, गुवाहाटी का इंदिरा गांधी एथलेटिक्स स्टेडियम, इम्फाल का खुमान लम्पक स्टेडियम और शिलांग का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम अन्य आयोजन स्थल होंगे।

यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट

तन्वी और श्रीकांत यूएस ओपन के अगले दौर में

एजेंसी ▶▶| फुलर्टन (अमेरिका)

विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने आसान जीत के साथ यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत की। तन्वी ने बुधवार को महिला एकल के पहले दौर में जर्मनी की यवोन ली को 23-21, 21-16 से, जबकि थाईलैंड मास्टर्स की मौजूदा चैंपियन देविका सिहाग ने पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो को 21-14, 21-14 से हराया।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

पुरुष एकल में भारतीय खिलाड़ियों के बीच खेले गए मैच में रौनक चौहान ने एस शंकर मुथुसामी को 23-21, 21-16 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने भी हमवतन डी सानीथ के खिलाफ केवल 30 मिनट में 21-14, 21-12 से जीत हासिल की। महिला एकल में रक्षिता श्री ने भी चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा पर 21-15, 21-8 से आसान जीत हासिल करके अगले दौर में प्रवेश किया। ध्रुव रावत और के मनीषा की जोड़ी ने मिश्रित युगल में इंडोनेशिया के विरावण इहसान आदम और सेरेना कानी को महज 26 मिनट में 21-15, 21-16 से हराया।

एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में टीम का शानदार प्रदर्शन

भारतीय पुरुष फॉइल टीम ने एशियन गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में भारतीय पुरुष फ़ॉइल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स के लिए सीधा क्वालिफिकेशन हासिल कर लिया। टीम प्रतियोगिता में भारत आठवें स्थान पर रहा, जो आगामी एशियाई खेलों में जगह बनाने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

पुरुष फ़ॉइल टीम ने दिलाया क्वालिफिकेशन : सचिन, सनासम हेमाश सिंह, तेजस मनोज पाटिल और आदित्य की भारतीय चौकड़ी ने पुरुष फ़ॉइल टीम स्पर्धा में आठवां स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशियन गेम्स के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया, जो भारतीय तलवारबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

महिला एपी टीम नौवें स्थान पर रही

महिला एपी टीम में प्राची लोहान, तनिष्का खत्री, मितवा जेसंगभाई चौधरी और यशकीरत कौर हायर शामिल थीं। भारतीय टीम ने प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन करते हुए नौवां स्थान हासिल किया।

जापान और दक्षिण कोरिया का दबदबा : *पुरुष फ़ॉइल टीम स्पर्धा में जापान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हांगकांग को रजत और चीन को कांस्य पदक मिला। वहीं महिला एपी टीम प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन दूसरे और कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा।*

ओलंपिक चैंपियनों ने भी बिखेरा जलवा

दक्षिण कोरिया के ओलंपिक चैंपियन ओह सांग-उक ने पुरुष व्यक्तिगत और टीम सेबर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। दूसरी ओर, हांगकांग के दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेउंग का लॉन्ग पुरुष फ़ॉइल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए, जो टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर रहा।

34 देशों के 400 से ज्यादा खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा : छह दिनों तक चले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 34 से अधिक देशों के 400 से ज्यादा तलवारबाजों ने फ़ॉइल, एपी और सेबर स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। जापान ने छह स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

किसी ने दवा का अनापशनाप दाम वसूला तो अब उसकी खैर नहीं...केंद्र की रहेगी निगहबानी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

दवा के दाम किसी मनमाना वसूलने की कोशिश की तो अब आप स्वयं न केवल सही मुख्य जांच सकेंगे, बल्कि जरूरत पड़ी तो दवा विक्रेता की शिकायत सीधे केंद्र सरकार से कर सकेंगे।

बस जरूरत है फटाफट मोबाईल एप डाउनलोड कर सतर्क रहने की। नागरिक केंद्रित डिजिटल शासन को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ने फार्मा जन समाधान पोर्टल को फार्मा सही दाम पोर्टल के साथ एकीकृत कर दिया है। इस पहल के तहत अब आम नागरिक दवाओं की कीमतों की जानकारी और उनसे संबंधित शिकायतों के निवारण की सुविधा एक ही डिजिटल मंच पर प्राप्त कर सकेंगे।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत औषधि विभाग ने बताया कि इस एकीकरण से नागरिकों को दवाओं की कीमतों की जांच और मूल्य संबंधी शिकायत दर्ज कराने के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। अब दोनों सेवाएं एकीकृत फार्मा सही दाम इंटरफेस के माध्यम से उपलब्ध होंगी।

दवाओं की कीमत की तुरंत मिलेगी जानकारी

फार्मा सही दाम प्लेटफॉर्म को उपभोक्ताओं को अनुसूचित और गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों की तत्काल जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया था। इसके माध्यम से नागरिक यह जांच सकते हैं कि कोई दवा सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य सीमा के भीतर बेची जा रही है या नहीं। वहीं, फार्मा जन समाधान पोर्टल दवाओं की कीमतों से जुड़ी शिकायतों को दर्ज करने और उनके समाधान के लिए बनाया गया था। हालांकि दोनों सेवाएं पहले मोबाइल ऐप स्तर पर एकीकृत थीं, लेकिन वेब पोर्टल के स्तर पर अलग-अलग संचालित हो रही थीं।

पारदर्शिता और जवाबदेही को मिलेगा बढ़ावा

एनपीपीए के अनुसार, नए एकीकृत प्लेटफॉर्म का उद्देश्य नागरिकों को अधिक सरल, तेज और उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल अनुभव प्रदान करना है। इससे दवा मूल्य निर्धारण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, शिकायतों के निस्तारण में तेजी आएगी और आम लोगों की भागीदारी भी मजबूत होगी। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयासों को भी मजबूती देगा।

तत्काल प्रभाव से शुरू हुई सेवा

एकीकृत पोर्टल तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया गया है। अब नागरिक एक ही मंच पर दवाओं की कीमतों की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ मूल्य संबंधी शिकायतें भी दर्ज कर सकेंगे।

क्या है एनपीपीए?

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) की स्थापना वर्ष 1997 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। यह रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के अंतर्गत कार्य करता है। एक स्वतंत्र नियामक संस्था के रूप में एनपीपीए को ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 के तहत दवाओं की कीमत तय करने और उनमें संशोधन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा यह दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मूल्य नियंत्रण के अनुपालन की निगरानी करने तथा औषधि नीति से जुड़े मामलों में सरकार को सलाह देने का कार्य भी करता है। मोदी सरकार का मानना है कि दोनों पोर्टलों के एकीकरण से डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को दवाओं की कीमतों संबंधी जानकारी और शिकायत निवारण की प्रक्रिया पहले से अधिक सरल और प्रभावी रूप में उपलब्ध होगी।

पीएम मोदी से अमेजन के सीईओ एंडी जेसी की मुलाकात के बाद बड़ा ऐलान

भारत में 48 अरब डॉलर निवेश करेगी कंपनी एआई, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

> एंडी जेसी के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत में 38 लाख रोजगार अवसरों का समर्थन करना, 80 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाना तथा 1.5 करोड़ छोटे व्यवसायों और 40 लाख सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों तक एआई के लाभ पहुंचाना है

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर भारत में कंपनी की दीर्घकालिक निवेश योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान अमेजन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में वर्ष 2026 से वर्ष 2030 तक 48 अरब डॉलर का कुल नियोजित निवेश करने की घोषणा की।

मुलाकात के बाद एंडी जेसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के साथ भारत में अमेजन की भविष्य की योजनाओं को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में प्रस्तावित 48 अरब डॉलर के निवेश में 21 अरब डॉलर से अधिक राशि एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर खर्च की जाएगी।

- भारत में रोजगार और डिजिटल सशक्तिकरण का लक्ष्य
- छोटे व्यवसियों और स्कूलों तक एआई का लाभ पहुंचेगा

पीएम मोदी से मुलाकात करते अमेजन के सीईओ एंडी जेसी

भारत में अपार संभावनाएं

एंडी जेसी के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य वर्ष 2030 तक भारत में 38 लाख रोजगार अवसरों का समर्थन करना, 80 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाना तथा 1.5 करोड़ छोटे व्यवसायों और 40 लाख सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों तक एआई के लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भारत में ग्राहकों, विक्रेताओं, स्टार्टअप्स और डेवलपर्स के साथ कंपनी की यात्रा अभी शुरुआती दौर में है और भविष्य में विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

तेज डिलीवरी सेवाएं देंगे

अमेजन ने इस वर्ष देशभर में 20 से अधिक नए फुलफिलमेंट सेंटर और 100 से ज्यादा नए लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन शुरू करने की योजना बनाई है। इससे विशेष रूप से टियर-3 और टियर-4 शहरों में ग्राहकों को तेज और अधिक भरोसेमंद डिलीवरी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

युवाओं के लिए पैदा होंगे अवसर: पीएम

पीएम मोदी ने गुरुवार को भारत में अमेजन के 48 अरब डॉलर के निवेश का स्वागत किया और कहा कि इससे देश युवाओं के लिए अवसर पैदा होंगे। साथ ही, यह पूरी दुनिया की भारत में निवेश करने को लेकर रुचि को दिखाता है। पीएम मोदी ने लिखा कि एंडी जेसी के साथ बैठक शानदार रही। मैं भारत में अमेजन के रिकॉर्ड 48 अरब डॉलर के निवेश का स्वागत करता हूं।

मुंबई और हैदराबाद में होगा विस्तार

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार मुंबई और हैदराबाद में किया जाएगा। इससे स्टार्टअप्स, उद्योगों और सरकारी संस्थानों को एआई चिप्स, प्रबंधित एआई सेवाओं, सुरक्षित क्लाउड तकनीक और डेवलपर टूल्स तक बेहतर पहुंच मिलेगी। कंपनी ने बताया कि वर्ष 2010 से 2030 के बीच भारत में उसका कुल निवेश 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।

आईएएस बनने की पहली मंजिल की पार

कोई राजमिस्त्री का बेटा तो कोई किसान और शिक्षक

सभी को अरमानों के पंख दिए छग सरकार ने

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

किसी के पिता राजमिस्त्री हैं, कोई किसान परिवार से आता है और कोई शिक्षक का बेटा है। साधारण परिवारों से निकलकर बड़े सपने देखने वाले ऐसे युवाओं ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर संघ लोक सेवा आयोग, यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में सफलता हासिल कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ सदन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की तो उनकी खुशियों का ठिकाना न था। मेन्स पास करने कका जुनून सिर चढ़ कर बोलने लगा।

सीएम ने हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रहे प्रिलिम्स पास किए सभी नवयुवकों को शुभकामनाएं दी। दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे इन विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को अपनी तैयारी और संघर्ष की यात्रा के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आगामी मुख्य परीक्षा के लिए आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन युवाओं की सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी संसाधन या पृष्ठभूमि की मोहताज नहीं होती। जब किसान, राजमिस्त्री और शिक्षक परिवारों के बच्चे देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता हासिल करते हैं, तो वे पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे युवा भविष्य में प्रशासनिक सेवाओं में जाकर समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पूरी निष्ठा, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ मुख्य परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में शिक्षित, जागरूक और संवेदनशील युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि ट्राइबल यूथ हॉस्टल जैसी पहलें दूरस्थ और आदिवासी अंचलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर अवसर प्रदान कर रही हैं। इसका परिणाम आज इन विद्यार्थियों की सफलता के रूप में सामने आ रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और मुख्य परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सेना के अधिकारी का वाहन रोका था

थाने में की मारपीट, कमांडिग ऑफिसर समेत 40 जवानों पर एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ जिले में एक थाने में घुसकर पुलिसकर्मियों पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सेना के एक कमांडिंग ऑफिसर सहित कई सैन्य कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सेना ने गुरुवार (25 जून 2026) को कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है और संयुक्त जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब पुलिस दल ने कथित यातायात उल्लंघन के चलते सेना के एक अधिकारी के निजी वाहन रोककर जब्त कर लिया। अथोली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि यह घटना 24 जून को उस समय हुई जब थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अमृत कोटाच एक बैठक में शामिल होने के लिए पड्डर ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के कार्यालय गए हुए थे। जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त कर रहे थे। कोटाच ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्हें एक कॉल आई, जिसमें बताया गया कि थाने परिसर के भीतर आपराधिक साजिश के तहत हिंसक हमला हुआ और यह घटना 17 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर एन अरुण गांधी के सीधे निर्देश पर हुई।

आईसीएआर और कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के समुद्री प्रोटोकॉल से आम का निर्यात खर्च कम हुआ

कई टन बंगनपल्ली आम बेहतरीन गुणवत्ता बनाये रखते हुए समुद्र के रास्ते सिंगापुर निर्यात गए

आईसीएआर-सीआईएसएच की समुद्री शिपमेंट प्रौद्योगिकी ने आमों की शेल्फ लाइफ को 30 दिनों तक बढ़ाया, वैश्विक निर्यात के नए अवसर खुले

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत के ताज़े फलों के निर्यात क्षेत्र के मामले में एक बड़ी कामयाबी मिली है, भारतीय आम समुद्री रास्ते से सुरक्षित सिंगापुर निर्यात किये गए। यह अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में किफायती और बड़े पैमाने पर आम के निर्यात को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सिंगापुर में भारतीय आमों को उनके बेहतरीन स्वाद, खुशबू और अच्छी क्वालिटी के लिए बहुत पसंद किया जाता है।

वहाँ के लोगों के बीच बंगनपल्ली और केसर जैसी आम की किस्मों की बहुत भारी मांग है। निर्यात को ज़्यादा किफायती और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (आईसीएआर-सीआईएसएच) ने कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के साथ मिलकर आम के निर्यात के लिए समुद्री रास्ते से शिपमेंट का एक वैज्ञानिक प्रोटोकॉल तैयार किया है। इस नई शुरुआत के तहत, आंध्र प्रदेश से 4.3 टन बंगनपल्ली आम एक खास ठंडे कंटेनर में रखकर समुद्र के रास्ते सिंगापुर भेजे गए। हवाई जहाज के मुकाबले समुद्र के रास्ते आम भेजने से खर्चे में भारी कमी आई है।

जहाँ हवाई जहाज से भेजने का खर्च 150 से 250 रुपये प्रति किलो आता है, वहीं समुद्र के रास्ते यह घटकर सिर्फ 13 से 20 रुपये प्रति किलो रह गया है। इससे उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात करना ज़्यादा फायदेमंद हो जाएगा और विदेशों में भी ग्राहकों को यह कम कीमत में मिल सकेगा।

आईसीएआर-सीआईएसएच द्वारा तैयार किए गए इस नए तरीके में क्वालिटी का पूरा ध्यान रखा गया है। इसमें कीटनाशक मुक्त वाला उत्पादन, खेती के अच्छे तरीकों को अपनाने, वैज्ञानिक तरीके से आम तोड़ने, उन्हें छांटने, पैक करने और टूटने के बाद उनकी सही देखभाल करने जैसी सभी ज़रूरी बातें शामिल हैं। निर्यात किए गए इन आमों को पहले गर्म पानी से साफ किया गया और फिर 'सीआईएसएच-मेट वॉश' से धोया गया।

यह आईसीएआर-सीआईएसएच द्वारा विकसित एक तकनीक है, जिससे आम जल्दी खराब नहीं होते, उनमें बीमारियां या कीड़े नहीं लगते और लंबी दूरी के सफर में भी आमों की गुणवत्ता बढ़िया बनी रहती है। आईसीएआर-सीआईएसएच ने समुद्री रास्ते से भेजे जाने वाले आमों की ताज़गी बनाए रखने की अवधि को सफलतापूर्वक 30 दिनों तक बढ़ा दिया है। सिंगापुर भेजी गई खेप ने 16 दिनों में अपना सफ़र पूरा किया और फल बहुत अच्छी हालत में पहुँचे। उनमें मिठास की मात्रा 20.1 ब्रिक्स टीएसएस था। कोई खराबी नहीं थी और इनकी क्वालिटी हवाई जहाज़ से भेजे गए आमों जैसी ही थी। इस मिशन की सफलता से अब सिंगापुर, मलेशिया, हॉन्गकॉन्ग और अन्य देशों में भारतीय आमों का निर्यात बहुत तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, जहाँ अभी लगभग 40 से 50 लाख डॉलर का बाज़ार है। इसके साथ ही, संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े देशों के बाज़ारों में भी भारत के लिए नए रास्ते खुलेंगे, जहाँ आम का बाज़ार करीब 20-25 मिलियन डॉलर का है।

30 भारतीय जहाज ने पार किया होर्मुज, 26 कतार में

नई दिल्ली। 28 फरवरी को शुरू हुए अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद से वैश्विक व्यापार के लिए सबसे संवेदनशील माने जाने वाले समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर गहरा असर पड़ा था। जहाजरानी मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक युद्ध की शुरुआत के बाद से भारत आने वाले कुल 30 व्यावसायिक जहाज होर्मुज को सुरक्षित रूप से पार कर चुके हैं। वहीं 26 अन्य जहाज अभी भी इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को पार करने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। जिन 30 जहाजों ने इस खतरनाक रास्ते को सफलतापूर्वक पार किया है, उनमें से 15 जहाज पर लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लदी है। वहीं 8 जहाज बल्क कार्गो (सामान्य माल) ले जा रहे हैं। 7 जहाज कच्चे तेल के टैंकर हैं। 30 में से 19 जहाजों ने 1 मार्च से 17 जून के बीच इस मार्ग को पार किया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109